शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 19 अक्तूबर 2025 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 190 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

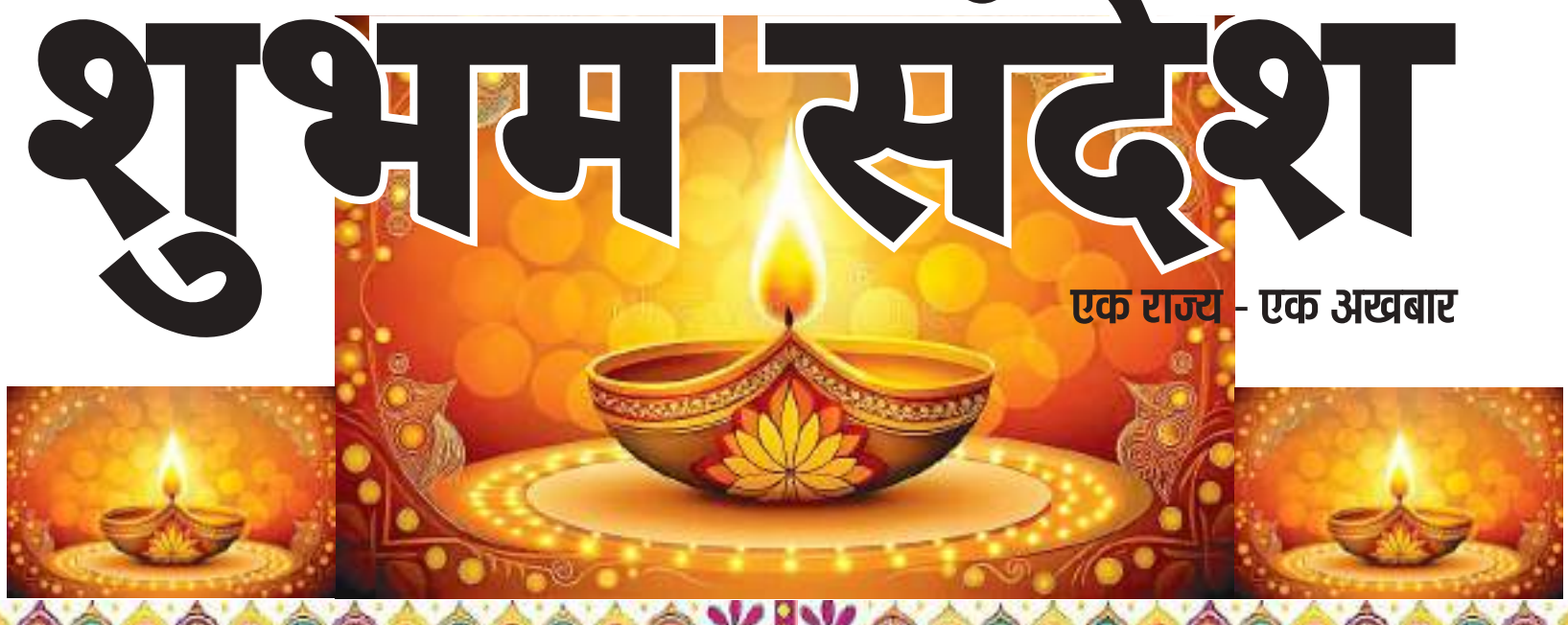

धनतेरस पर 1 लाख करोड़ का कारोबार

देशभर में धनतेरस पर बाजारों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली. अनुमान के अनुसार इस साल पूरे देश में 1 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ. इसमें से 60 हजार करोड़ रुपए का सोना-चांदी का कारोबार रहा, जबकि दिल्ली में ही सोना-चांदी की बिक्री 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक रही. सोने-चांदी की बढ़ी कीमतों के बावजूद ग्राहकों ने परंपरा निभाते हुए गहनों, सिक्कों और अन्य वस्तुओं की खरीदारी की. पिछले वर्ष दीपावली के समय सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस बार बढ़कर 1,30,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया. चांदी की कीमतें भी 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 1,80,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं.

ब्रीफ न्यूज

पंजाब में गरीब रथ ट्रेन में लगी आग

चंडीगढ़ । पंजाब में फतेहगढ़ साहिब जिला के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह गरीब रथ ट्रेन की एक बोगी में आग लग गई. गरीब रथ अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही थी. आग बोगी नंबर 19 में लगी. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. आग लगने की सूचना मिलते ही इमरजेंसी ब्रेक से ट्रेन को रोका गया. जैसे ही ट्रेन रुकी तो यात्रियों में भगदड़ मच गई.

हमास ने एक और मृत बंधक को छोड़ा

तेल अवीव । इजराइल के सैन्य अधिकारी आज सुबह एक और बंधक के शव का ताबूत लेकर गाजा पट्टी से यहां पहुंचे. इस ताबूत में अवशेष हैं. हमास ने शुक्रवार देररात ताबूत रेडक्रॉस को सौंपा. इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारी ताबूत को लेकर गाजा-इजराइल सीमा पर पहुंचे और उसे इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के अफसरों के हवाले कर दिया. ताबूत को तेल अवीव के अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाया गया है.

ढाका एयरपोर्ट के कार्गो विलेज में लगी आग

नई दिल्ली । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो विलेज इलाके में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई. अधिकारियों के अनुसार, यह इलाका आमतौर पर आयतित सामान पखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. फायर सर्विस मुख्यालय के मीडिया सेल अधिकारी ने कहा कि 16 दमकल यूनिट मौके पर पहुंच चुकी हैं, जबकि अन्य 16 यूनिट रास्ते में हैं. वहीं प्रवक्ता मसूदुल हसन मसूद ने बताया कि आग कार्गो विलेज के पास वाले हिस्से में लगी.

भाकपा-माले ने जारी की 20 उम्मीदवारों की सूची

पटना । भाकपा (माले) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. पार्टी ने 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, यह सूची दो चरणों के चुनावी मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है. भोजपुर के भोजर में धनंजय, दरौली सीट से सत्यदेव राम, फूलबाबू सिंह वारिसनगर से, और आरा से कयूमुद्दीन अंसारी को मौका दिया गया है. इसके अलावा, सिक्त, पिपरा, बलरामपुर और करकट जैसे सीटों में भी पार्टी ने मजबूत प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है.

बिहार कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर बगावत : वरिष्ठ नेताओं ने प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष पर लगाए आरोप, बोले-

मेहनती कार्यकर्ताओं को किया दरकिनार, सिफारिश वालों को दी टिकट

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पार्टी में गहरी नाराजगी खुलकर सामने आ गई है. पार्टी के कई वरिष्ठ और पूर्व प्रत्याशी नेताओं ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लवरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और विधायक शकील अहमद खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं. इन नेताओं ने टिकट वितरण को धांधली करार देते हुए इसे पार्टी के साथ गद्दारी बताया.

शनिवार को पटना में कांग्रेस रिसर्च सेल के अध्यक्ष एवं प्रवक्ता आनंद माधव की अगुवाई में हुई प्रेस वार्ता में पूर्व प्रत्याशी गजानंद शाही,

छत्रपति यादव, नागेंद्र विकल, रंजन सिंह, बच्चू प्रसाद सिंह, राजकुमार राजन और बंटी चौधरी समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया. इन नेताओं ने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में निष्ठावान, जमीनी और वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं की पूरी तरह अनदेखी की गई है.

नोट के आगे निष्ठा हारी : आनंद माधव ने कहा कि हमने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष पार्टी को दिए, हर आंदोलन में आगे रहे, लेकिन टिकट बेचने वालों ने हमारी मेहनत का अपमान किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब 10 सीट भी नहीं जीत पाएगी. गजानंद शाही ने तो यहां तक कह दिया कि पार्टी कार्यालय अब दलालों का अड्डा बन चुका है, जहां निष्ठा की कोई कद्र नहीं, केवल नोट का भाव चलता है. नाराज नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी को टिकट चयन के मामले में गुमराह किया गया है और उनके निर्देशों की अवहेलना कर निजी स्वार्थ के तहत उम्मीदवारों का चयन किया गया. उनका कहना था कि कई ऐसे चेहरों को टिकट दिया गया जो पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए.

हाईकमान तक जाएगी शिकायत, कार्रवाई की चेतावनी : नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर पार्टी नेतृत्व ने इस टिकट घोटाले पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो वे संगठनात्मक आंदोलन शुरू करेंगे. एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान को पूरे मामले की रिपोर्ट सौंपेगा. साथ ही टिकट वितरण से जुड़े तथ्यों और सबूतों को भी प्रस्तुत किया जाएगा. वहीं छत्रपति यादव, नागेंद्र विकल और अन्य नेताओं ने कहा कि टिकट देने में न संगठन की राय ली गई और न ही क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा गया. यह कांग्रेस के सिद्धांतों और लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है. उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से संगठन में वफादार कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर पैसे और पैरवी के बल पर टिकट बांटे गए हैं, उससे पार्टी के प्रति जमीनी कार्यकर्ताओं का भरोसा टूटता जा रहा है.

21 अक्टूबर से चुनाव प्रचार की शुरुआत

मुजफ्फरपुर से मुख्यमंत्री नीतीश भरेंगे हुंकार

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की तारीख खत्म होते ही अब सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई है. भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड समेत सभी बड़ी पार्टियों ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी है. बीजेपी के नेता तो चुनावी मैदान में पार्टी के लिए माहौल बनाने में भी जुट गए है. वहीं अब जानकारी सामने आ रही है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 21 अक्टूबर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर जिले से करेंगे. यहां वह एक ही दिन में दो बड़ी चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे. पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिवाली के अगले दिन मुख्यमंत्री की पहली सभा मीनापुर विधानसभा में होगी. इसके लिए मीनापुर हाईस्कूल के खेल मैदान को स्थल के रूप में चुना गया है. यह सभा दोपहर 12 बजे शुरू होगी, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को संबोधित करेंगे. इसके बाद मुख्यमंत्री की दूसरी सभा कांटी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी. यह सभा दोपहर 2 बजे से होने की संभावना है.

पाक ने तोड़ा सीजफायर : तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

पाक ने पक्तिका में किया हवाई हमला, 3 क्रिकेटर समेत 8 मरे

एजेंसी । नयी दिल्ली

पाकिस्तान ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के अर्गुन और बर्मल जिलों में हवाई हमले किए, जिनमें कम से कम 8 लोगों की मौत हुई है. मरने वालों में अफगानिस्तान के तीन क्लब स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी-कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून भी शामिल हैं. इस हमले में 7 अन्य लोग घायल हुए हैं. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने खिलाड़ियों की मौत की पुष्टि की है

डूरंड लाइन के पास घरों पर गिराए गए बम : अफगान मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक, हमलों में सीमा से सटे इलाकों में कई घरों को निशाना बनाया गया. ये क्षेत्र अफगानिस्तान और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा डूरंड लाइन के पास स्थित हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि हमला अचानक हुआ और रिहायशी इलाकों को जानबूझकर निशाना बनाया गया. गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच पिछले एक सप्ताह से संघर्ष चल रहा था, जिसके बाद बुधवार को 48 घंटे के लिए सीजफायर पर सहमति बनी थी. यह मियाद शुक्रवार शाम को खत्म होनी थी, लेकिन दोनों पक्ष इसे बढ़ाने पर राजी हो गए थे. वहीं तालिबान के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएफपी से कहा, पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और पक्तिका के तीन स्थानों पर बमबारी की. अफगानिस्तान इसका जवाब देगा.

ड्रोन हमलों से स्कूल और घर तबाह, 37 नागरिकों की मौत

पाक सेना के हवाई हमलों में शहीद हुए अफगानिस्तान के क्रिकेट खिलाड़ी और आम लोगों का जनाजा

काबुल में भी हवाई हमला, स्कूल और घरों को नुकसान

इसके पहले, बुधवार को पाकिस्तान ने काबुल शहर के चौथे जिले में भी ड्रोन हमला किया था. इस हमले में कई घर और एक स्कूल बुरी तरह प्रभावित हुए. स्कूल में उस समय 500 से अधिक छात्र नामांकित थे और करीब 50 कक्षाएं थीं. गनीमत रही कि हमले के समय छात्र घर लौट चुके थे, जिससे जनहानि नहीं हुई. काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जाद्रान के अनुसार, ड्रोन हमलों में एक घर और एक बाजार को भी निशाना बनाया गया. इसमें कम से कम 5 लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए.

पाक के रक्षा मंत्री ने लगाया भारत पर आरोप

पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को एक विवादास्पद बयान में कहा कि अफगान तालिबान के फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं. जियो न्यूज से बातचीत में उन्होंने तालिबान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया. आसिफ ने कहा, मुझे शक है कि यह सीजफायर टिक पाएगा, क्योंकि तालिबान को दिल्ली से सहयोग मिल रहा है. अगर पाकिस्तान को उकसाया गया, तो हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है. हम हमला भी करेंगे और बातचीत के लिए भी तैयार हैं.

यूएन रिपोर्ट : छह प्रांतों में 37 नागरिक मरे, 425 घायल : संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह अफगानिस्तान के छह प्रांतों में पाकिस्तान के हवाई हमलों से अब तक 37 नागरिकों की जान जा चुकी है, जबकि 425 से अधिक लोग घायल हुए हैं. तालिबान प्रशासन का कहना है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है.

अफगानिस्तान में टीटीपी के दो गुट हुए एकजुट : इस तनाव के बीच अफगानिस्तान में टीटीपी के दो गुटों ने एकजुट होने की घोषणा कर दी है. इन गुटों में एक का नेतृत्व कुर्रम जिले के मुफ्ती अब्दुर रहमान कर रहे हैं, जबकि दूसरा गुट खैबर जिले की तिराह घाटी के कमांडर शेर खान के नेतृत्व में है.

चिराग पासवान की पार्टी की उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन रद्द

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही एनडीए गठबंधन को बड़ा झटका लगा है. कारण, छपरा जिले की मढ़ौरा विस सीट से लोजपा (आर) की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द कर दिया गया है. सीमा सिंह भोजपुरी फिल्म की अभिनेत्री हैं और हाल ही में चिराग पासवान की पार्टी से जुड़कर राजनीति में कदम रखा था. सूत्रों के मुताबिक, सीमा सिंह के नामांकन पत्र की जांच के दौरान कुछ तकनीकी खामियां पाई गईं, जिसके चलते निर्वाचन अधिकारी ने उनका नामांकन अमान्य घोषित कर दिया. सिंह का नामांकन रद्द होने के बाद मढ़ौरा सीट पर एनडीए की स्थिति कमजोर मानी जा रही है.

चुनाव आयोग ने कहा

मतदान के दिन कर्मचारियों को मिलेगी सवैतनिक छुट्टी

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान के दिन कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी दी जाएगी. यह आदेश चुनाव आयोग ने जारी किया है, ताकि हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके. चुनाव आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत किसी भी निजी, व्यापारिक, औद्योगिक या अन्य संस्थान में काम करने वाले हर उस व्यक्ति को, जो मतदान का हकदार है, चुनाव वाले दिन सवैतनिक छुट्टी देना जरूरी है. इस दिन वेतन में किसी तरह की कटौती नहीं की जा सकती. अगर कोई नियोक्ता इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है. आयोग ने बताया कि जो लोग अपने क्षेत्र से बाहर काम करते हैं, लेकिन उनका नाम उस विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में है जहां चुनाव हो रहे हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवैतनिक छुट्टी मिलेगी ताकि वे वोट डाल सकें.

बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन को लगा झटका

जेएमएम ने 6 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान

शुभम संदेश । रांची

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बड़ा झटका लगा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने गठबंधन से अलग होकर बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने घोषणा करते हुए बताया कि 'धन लक्ष्मी का धनतेरस काल' और 'महादेव का प्रदोष तिथि' जैसे शुभ लग्न को देखते हुए पार्टी ने यह फैसला लिया है. जेएमएम इन 6 सीटों पर चकाई, धमदाहा, कटोरिया (अनुसूचित जनजाति आरक्षित),

मनिहारी (अनुसूचित जनजाति आरक्षित), जमुई और पीरपैंती (अनुसूचित जाति आरक्षित) पर अपने उम्मीदवार उतारेगी.

झारखंड में समर्थन के बावजूद बिहार में नहीं मिला सम्मान' : सुप्रियो भट्टाचार्य ने महागठबंधन, विशेषकर राजद पर, सम्मानजनक सीटें न देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पार्टी ने लंबे समय से उन चिह्नित सीटों पर स्थान मांगा था, जहां उनके कार्यकर्ता भाजपा-जदयू गठबंधन के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने गठबंधन को झारखंड में दिए गए समर्थन का हवाला दिया. उन्होंने कहा कि 2019 विधानसभा में जेएमएम ने झारखंड में राजद और कांग्रेस को समर्थन दिया और सीटें दीं. राजद के चतरा से जीते एकमात्र विधायक को 5 साल तक मंत्री बनाया गया और सीएम ने उन्हें प्रमुखता दी. इसके बाद 2024 विधानसभा चुनाव में जेएमएम ने राजद को 6 सीटें दीं और उनके विजयी प्रतिनिधि को वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया. इन त्यागों के बावजूद, बिहार में उनकी पार्टी की 'चिह्नित सीटों' को तवज्जो नहीं दी गई.

बढ़ी ताकत : राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को दिखाई हरी झंडी, बोले-

पाक की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस के निशाने पर

एजेंसी । लखनऊ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई. इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक ट्रेलर था. पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की पहुंच में है. अब ब्रह्मोस से दुश्मन बच नहीं सकता.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण है. उप्र

और लखनऊ के विकास को देखकर खुशी तो होती ही है लेकिन आज जब इस भूमि पर डिफेंस सेक्टर से जुड़ी इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल हो रही है तो खुशी के साथ गौरव का भाव भी मेरे अंदर स्वाभाविक रूप से आ रहा है. लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में अहम भूमिका निभा रहा है. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अपने सपने को भरोसे में बदलने की ताकत रखता है. इसी भरोसे ने हमें ऑपरेशन सिंदूर में ताकत दी. उन्होंने कहा कि जीत हमारी आदत बन चुकी है. इस आदत को और मजबूत बनाना है. ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत दुनिया ने देखी. हर साल करीब 100 मिसाइल सिस्टम लखनऊ यूनिट से बनकर तैयार होगा. ब्रह्मोस जल सेना थल सेना वायु सेना की रीढ़ बन चुका है.

राजनाथ ने कहा कि लखनऊ मेरे लिए सिर्फ संसदीय क्षेत्र ही नहीं बल्कि यह मेरे हृदय में बसा है. लखनऊ तहजीब का ही नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी का शहर बन गया है. अब यह इंडस्ट्री का शहर बन गया है. यहां से निकलने वाला हर कदम ब्रह्मोस की विश्वसनीयता के साथ-साथ लखनऊ की विश्वसनीयता बढ़ी है. यह प्रोजेक्ट भारत के बढ़ते आत्मविश्वास व ताकत का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि पहले यूपी में गुण्डाराज था. उत्तर प्रदेश अब किसी भी चैलेंस के लिए तैयार है. आंतरिक सुरक्षा व बाह्य सुरक्षा उत्तर प्रदेश सभी चुनौतियों को लेने के लिए तैयार है. वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि ब्रह्मोस देश की रक्षा करने में सक्षम है. ब्रह्मोस की ताकत से पूरी दुनिया परिचित है. ब्रह्मोस मिसाइल से दुश्मन का बचना मुश्किल होगा. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महानगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी उपस्थित थे.

महाराष्ट्र के नंदुरबार के चंद्रशैली घाट पर वाहन पलटा, आठ की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला स्थित चंद्रशैली घाट पर शनिवार को सुबह अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया एक वाहन पलट गया. इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 यात्री घायल हुए हैं. इन सभी को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही नंदुरबार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य कर रही है. इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है. इसकी छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं को लेकर एक निजी मालवाहक वाहन अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया था. सुबह जब वाहन नंदुरबार जिले के चंदशैली घाट पर पहुँचा, तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया. इस वाहन में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे.

जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद यूक्रेन-रूस से बोले ट्रंप

जो जहां हैं, वहीं रुक जाएं और युद्ध को खत्म कर दें

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बैठक के बाद कीव और मॉस्को से कहा कि जहां हैं, वहीं रुक जाएं और अपने क्रूर युद्ध को समाप्त करें. पिछले नौ महीनों में इस युद्ध को लेकर ट्रंप की नाराजगी कई बार सामने आ चुकी है, जब से वह दोबारा राष्ट्रपति बने हैं. लेकिन इस बार उन्होंने संकेत दिया कि यक्रेन को वह इलाका छोड़ देना चाहिए जो रूस ने कब्जे में ले लिया है.

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर लिखा, काफी खून बह चुका है. अब जमीन की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं. अब उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए. दोनों ही पक्ष खुद को विजेता मानें और ऐतिहासिक फैसला करें. बाद में जब ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे (जहां वह साप्ताहांत बिता रहे हैं), तो उन्होंने दोनों देशों से तत्काल युद्ध बंद करने की अपील की और संकेत दिया कि रूस वही जमीन अपने पास रख सकता है, जो उसने यूक्रेन से ले ली है. ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, आप जंग के मोर्चे की जो स्थिति है, उसी को मानें. वरना मामला बहुत जटिल हो जाएगा. उसी मोर्चे पर रुकें और दोनों पक्ष घर जाएं, अपने परिवारों के पास लौटें, हत्या बंद करें. बस वही होना चाहिए.

पाकुड़ जिले को मिला 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' का राष्ट्रीय सम्मान

रांची । पाकुड़ जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। उपायुक्त मनीष कुमार को जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'आदिकर्मयोगी अभियान' नेशनल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित किया गया. यह सम्मान ₹सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और समावेशी जनजातीय विकास को आगे बढ़ाने में नवोन्मेषी पहल के तहत 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' होने का प्रतीक है.

झारखंड के दो मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटें बढ़ीं, एनएमसी ने जारी की नई एमबीबीएस सीट मैट्रिक्स

एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर और मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज की 50-50 सीटें बढ़ीं

- शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा बदलाव

शुभम संदेश । रांची

नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए देशभर के मेडिकल कॉलेजों की अद्यतन एमबीबीएस सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है. इस नई सूची के अनुसार झारखंड के दो प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटों की बढ़ोतरी की गई है. इनमें एक सरकारी और एक निजी मेडिकल कॉलेज शामिल हैं. राज्य के प्रतिष्ठित एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में अब एमबीबीएस की कुल 150 सीटें होंगी, जो पहले 100 थीं. वहीं, मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में सीटों की संख्या 150 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है. इस तरह दोनों कॉलेजों में 50-50 सीटों की वृद्धि की गई है.

एनएमसी के पॉलिसी एंड कोऑर्डिनेशन डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना में यह स्पष्ट किया गया है कि यह संशोधन मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (मार्ब) की समीक्षा और मंजूरी के बाद किया गया है. यह बदलाव मौजूदा कॉलेजों की सीटों के नवीनीकरण और अतिरिक्त सीटों को लेकर अनुमोदन के आधार पर किया गया है.एनएमसी ने मेडिकल कॉलेजों के डीन, प्राचार्यों और नीट-यूजी 2025 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से इस अद्यतन मैट्रिक्स को ध्यान में रखने की अपील की है. यह नई सीटें इसी सत्र से छात्रों को काउंसलिंग के दौरान आवंटित की जाएंगी.

झारखंड के अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हमारी निरंतर कोशिशों का परिणाम है. उन्होंने बताया कि बाकी चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी 50-50 सीटों की वृद्धि के प्रस्ताव पर काम चल रहा है. उनका लक्ष्य है कि राज्य के हर मेडिकल कॉलेज में कम से कम 150 सीटें हों, जिससे चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़े और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिले. यह बढ़ोतरी झारखंड के मेडिकल शिक्षा ढांचे को नई दिशा देगी और नीट-यूजी में सफल राज्य के मेधावी छात्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी.

बिहार की तर्ज पर झारखंड में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रोन्नति देने की मांग

राज्य गठन के बाद से ही प्रमोशन का मामला है लंबित

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य के सरकारी कार्यालयों में कार्यरत चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रोन्नति देने की मांग जोर पकड़ने लगी है. राज्य कर्मचारी महासंघ ने बिहार की तर्ज पर केंद्र सरकार के आदेशों के अनुरूप झारखंड में भी चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किए जाने की आवश्यकता जताई है. महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने कहा कि झारखंड गठन के बाद से अब तक किसी भी चतुर्थवर्गीय कर्मचारी को प्रोन्नति नहीं मिली है. जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की नई नियुक्तियां नहीं की जाएंगी और जो पूर्व से कार्यरत हैं, उन्हें तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किया जाना चाहिए. उन्होंने बताया कि इस संबंध में सरकार से शिष्टमंडल ने भी मांग रखी थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है. कर्मचारी संगठन आशा कर रहा है कि 15 नवंबर, राज्य स्थापना दिवस के मौके पर सरकार इस मामले में सकारात्मक कदम उठाएगी.

झारखंड सरकार ने भी इस मामले में पहल की है, लेकिन नियमावली में मौजूद विसंगतियों के कारण अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है. इससे न केवल कर्मचारी बल्कि उनके परिवार भी परेशान हैं, खासकर उन परिवारों को जिन्हें असामयिक निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जहां इंटरमीडिएट तक की योग्यता अनिवार्य है. कर्मचारी संगठन सरकार से आग्रह कर रहा है कि सभी नियमगत बाधाओं को दूर कर शीघ्र चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किया जाए, ताकि उनके हित सुरक्षित हों और वे सम्मानजनक पद पर कार्य कर सकें.

राज्य में 30,000 चतुर्थवर्गीय कर्मचारी कार्यरत हैं

झारखंड में लगभग 30,000 चतुर्थवर्गीय कर्मचारी सचिवालय से लेकर जिला और प्रखंड स्तर तक विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं. इन सभी को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत कर समायोजित करना आवश्यक है. बिहार सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने सभी चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में प्रोन्नत कर कार्यालय एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट पद पर नियुक्त किया है, जिससे कर्मचारियों को उनकी योग्यता और कार्य के अनुसार सम्मान मिला है.

झारखंड शराब घोटाला

निलंबन मुक्त हुए जेएसबीसीएल के पूर्व महाप्रबंधक सुधीर कुमार व सुधीर कुमार दास

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए और लंबे समय तक निलंबित रहे झारखंड राज्य बीवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के पूर्व महाप्रबंधक (वित्त) सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास को राज्य सरकार ने निलंबन से मुक्त कर दिया है. दोनों राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और उन्हें भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने 21 मई 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था.गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार राज्य सरकार ने 28 मई 2025 को उन्हें 21 मई की तिथि से प्रभावी करते हुए निलंबित कर दिया था. लगभग तीन महीने की जेल यात्रा के बाद दोनों अधिकारियों ने 21 अगस्त 2025 को पुनः सेवा में योगदान दिया.हालांकि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से 17 अक्टूबर को जारी आदेश में निलंबन समाप्त करने का कारण स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, जिससे इस निर्णय को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं.

उल्लेखनीय है कि इसी शराब घोटाले में आरोपी झारखंड के तत्कालीन उत्पाद एवं मद्य निषेध सचिव विनय कुमार चौबे अभी तक जेल से बाहर नहीं आ सके हैं. उन्हें झारखंड हाईकोर्ट से जमानत जरूर मिली थी, लेकिन हजारीबाग में वन भूमि घोटाले में दोबारा गिरफ्तारी के चलते वह अब भी जेल में हैं.इस पूरे घटनाक्रम ने राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है.

मेदिनीनगर के तत्कालीन सीईओ शिवशंकर पांडेय निलंबन मुक्त

रांची। मेदिनीनगर के तत्कालीन अंचलाधिकारी शिवशंकर पांडेय को भी राज्य सरकार ने आरोप मुक्त कर दिया है. उन पर गलत तरीके से जमीन की एलपीसी जारी करने का आरोप था. 2020 में पलामू के डीसी की अनुशंसा पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू हुई थी. लेकिन जांच में आरोप सिद्ध नहीं हो पाए, जिसके बाद सरकार ने 17 अक्टूबर 2025 को उन्हें भी निलंबन और आरोपों से मुक्त कर दिया

बिहार विस चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट, हर चुनौती से निबटने को तैयार

सीमावर्ती जिलों में अपराधियों और नक्सलियों पर सख्त निगरानी के निर्देश

शुभम संदेश। रांची

बिहार विधानसभा आम चुनाव-2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर झारखंड पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. इसी कड़ी में शनिवार को आईजी अभियान सह स्टेट पुलिस नोडल पदाधिकारी डॉ. माईकल राज एस की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अहम समीक्षा बैठक हुई.इस बैठक में बिहार से सटे झारखंड के सीमावर्ती जिलों, हजारीबाग, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा, पलामू, कोडरमा, देवघर, साहेबगंज और दुमका के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल हुए,

आईजी अभियान डॉ. माईकल राज एस. ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार चुनाव के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों, अपराधियों और नक्सलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए. साथ ही, अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार और नकदी के अवैध परिवहन को पूरी तरह से रोकने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए.

अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और मिरर चेक पोस्टों पर सर्तकता बढ़ायी जाए

बैठक में अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और मिरर चेक पोस्टों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आईजी ने कहा कि इन सभी चेक पोस्टों पर चौकसी और सतर्कता बढ़ाई जाए. आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके. इसके अतिरिक्त, बिहार और झारखंड पुलिस के बीच सूचना साझा करने की प्रणाली को और मजबूत करने का निर्देश दिया गया, ताकि अंतरराज्यीय अपराधियों, वांछित अभियुक्तों और हिस्ट्रीशीटरों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सके.

आईजी अभियान ने जोर देकर कहा कि जो अपराधी बिहार में वांछित हैं और झारखंड में शरण लिए हुए हैं, उनके खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जाए. उन्होंने सीमावर्ती जिलों के एसपी को सख्त निर्देश दिए कि पुलिस और सुरक्षा बलों के समन्वय से लगातार सर्च अभियान और गश्ती की जाए ताकि कोई भी अवांछित तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके.

इस समीक्षा बैठक में बोकारो के प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक सुनील भाष्कर, डीआईजी जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट सह चुनाव कोषांग धनंजय कुमार सिंह सहित सभी संबंधित जिलों के एसपी मौजूद थे.बैठक के समापन पर आईजी डॉ. माईकलराज एस. ने स्पष्ट किया कि झारखंड पुलिस बिहार चुनाव के दौरान हर तरह की सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है.

29 नवंबर को लगेगी विशेष लोक अदालत

बिजली विवादों का किया जाएगा त्वरित समाधान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में बिजली से जुड़े विवादों के समाधान के लिए 29 नवंबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. इसका उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को राहत देना और बिल संबंधी, अनधिकृत उपयोग जैसे मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है.इस लोक अदालत का आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) द्वारा सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों (डालसा) के सहयोग से किया जाएगा. इसके लिए झालसा ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर सभी जिलों को भेजी है. इस पहल से न केवल उपभोक्ताओं को न्याय मिलने की प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि बिजली विभाग पर पड़े बोझ में भी कमी आएगी. लोक अदालत का उद्देश्य बिजली से जुड़े पुराने मामलों का शीघ्र समाधान करना, उपभोक्ता और बिजली विभाग के बीच आपसी समझौते को बढ़ावा देना, अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करना र न्याय को और अधिक सुलभ बनाना है. वर्तमान में राज्य भर में बिजली से संबंधित 20,000 से अधिक मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं. इस विशेष लोक अदालत में कम से कम 50% मामलों को सुलझाने का लक्ष्य है.

महत्वपूर्ण शेड्यूल:

- 01 नवंबर : डालसा अध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों व हितधारकों के साथ बैठक.
- 03 से 22 नवंबर : मामलों की पहचान कर संबंदित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएंगे.
- 24 से 28 नवंबर : प्री-लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों से बातचीत कर समाधान की कोशिश.
- 29 नवंबर : विशेष लोक अदालत का आयोजन (मासिक लोक अदालत के साथ).

एसओपी के तहत मुख्य पहलें:

- हर जिले के प्रखंड स्तर पर जागरूकता अभियान.
- पूर्व-विवाद मामलों को शामिल किया जाएगा.
- लंबित जांच वाले मामलों के समाधान की कोशिश.
- पैरा लीगल वॉलंटियर्स और मध्यस्थों के माध्यम से पक्षकारों के बीच संवाद.
- प्रचार के लिए होर्डिंग्स, बैनर, मीडिया व रेडियो का इस्तेमाल.

बिहार विस चुनाव : झामुमो के तेवर तल्ख, पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य बोले

झामुमो के साथ बिहार में बार-बार धोखा हुआ है, कुछ और सीटों पर उतार सकते हैं प्रत्याशी

शुभम संदेश। रांची

झामुमो ने शनिवार को बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होते हुए छह सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी. कहा कि पिळहाल झामुमो दूसरे चरण के चुनाव के लिए छह सीटों पर प्रत्याशी उतार रहा है, लेकिन यह संक्या और बढ़ सकती है. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीटों की यह संख्या 10 तक भी जा सकती है. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद झामुमो झारखंड में भी गठबंधन की समीक्षा भी करेगा. साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि बिहार में झामुमो के बगैर सरकार नहीं बनने पाए. भट्टाचार्य शनिवार शाम पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ है. बिहार में बार-बार धोखा हुआ है.

पार्टी कुछ भी बर्दाश्त कर सकती है, लेकिन आत्म सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में हमने झारखंड में राजद को सात सीटें दी. उसमें केवल एक प्रत्याशी जीता. उसे भी हमने पांच साल तक मंत्री बनाये रखा. 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में भी राजद को छह सीटें दी गयी. उसमें भी राजद के एक विधायक को मंत्री बना कर सम्मान देने का काम किया गया. हम हमेशा सम्मान करते रहे और हमारे साथ हमेशा धोखा होता रहा.

सीएम हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, विनोद पांडेय सहित 20 स्टार प्रचारक करेंगे प्रचार

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के 20 स्टार प्रचारक होंगे. इसकी सूची निर्वाचन आयोग को भेज दी गयी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बिहार में प्रचार अभियान चलाया जाएगा. स्टार प्रचारकों की सूची में विधायक कल्पना सोरेन, विजय हांसदा, मिथिलेश ठाकुर, विनोद पांडेय, बसंत सोरेन, सुप्रियो भट्टाचार्य, बैद्यनाथ राम, हेमलाल मुर्मू, सुदिव्य सोनू, अभिषेक प्रसाद पिंटू सहित कई अन्य नेता भी शामिल हैं.

झामुमो बिहार में महागठबंधन से आउट, भाजपा ने कसा तंज

झामुमो की बेइज्जती की हाइट, बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले हम : प्रतुल शाहदेव

- झामुमो खुद मान रहा है कि सहयोगियों ने पीठ में खंजर घोंपा, लेकिन फिर भी सत्ता में भागीदार है

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ जो व्यवहार महागठबंधन ने किया है, वह न केवल राजनीतिक अपमान है, बल्कि झामुमो की खोखली राजनीतिक हैसियत को भी उजागर करता है.उन्होंने कहा कि झामुमो बिहार में महागठबंधन से 12 सीटों की मांग कर रहा था, लेकिन उन्हें एक भी सीट नसीब नहीं हुई. यह उस पार्टी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक तमाचा है, जो खुद को "महागठबंधन की रीढ़" कहती फिरती है.

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बिहार में तो झामुमो को दरवाजे से अंदर घुसने नहीं दिया गया और झारखंड में यही झामुमो, कांग्रेस और राजद जैसे दल को अपने सिर पर बैठाए घूम रहा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता ने खुद कहा कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने झामुमो के पीठ में खंजर घोंपा है. कांग्रेस का झारखंड में थोड़ा बहुत तो जनाधार है भी, लेकिन राजद का न तो झारखंड में कोई जनाधार है, न संगठन, लेकिन झामुमो ने उन्हें मंत्रिमंडल में मंत्री पद तक दे दिया.

शाहदेव ने तंज कसते हुए कहा कि अब सवाल यह है कि क्या इस अपमान के बाद झामुमो झारखंड में राजद और कांग्रेस के मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर करेगा या फिर महागठबंधन में बने रहने के लिए चुपचाप इस बेइज्जती को निगल जाएगा ?भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि झामुमो का यह मौन झारखंड की जनता भी देख रही है. बिहार में दरकिनार और झारखंड में झुककर रहने की यह दोहरी राजनीति बताती है कि झामुमो अब अपनी राजनीतिक अस्मिता खो चुका है.प्रतुल ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस, राजद को मंत्री बनाकर झामुमो ने जो 'गठबंधन धर्म' निभाया था, उसका 'बिहार अध्याय' महागठबंधन ने अब पूरी तरह बंद कर दिया है. कह सकते हैं कि झामुमो अब न घर का रहा, न घाट का. लंबे समय से झारखंड मुक्ति मोर्चा झारखंडी अस्मिता के विपरीत बिहार के चौराहे पर खड़ा होकर कटोरा लेकर सीटों के लिए भिक्षा मांग रहा था.महागठबंधन के दलों ने उसे उसकी राजनीतिक औकात दिखा दी.

बिरसा मुंडा जैविक उद्यान्न से रेंजर राम बाबू हटाए गए

अभी भी नौ रेंज की जिम्मेवारी मिली हुई है

शुभम संदेश। रांची

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर में हुए वित्तीय अनियमितताओं के खुलासे के बाद वन विभाग ने चर्चित रेंजर राम बाबू को चिड़ियाघर के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया है. हालांकि, उनके पास अब भी नौ रेंजों की जिम्मेदारी बनी हुई है. आरोप है कि चिड़ियाघर में सप्लाई और निर्माण से संबंधित काम रेंजर राम बाबू के साले जय किशोर दास और उनके करीबी लोगों द्वारा ही किया जा रहा था. सूत्रों के मुताबिक, जय किशोर दास ने सत्यम एंड शिवम इंटरप्राइजेज नाम से एक व्यापारिक प्रतिष्ठान पंजीकृत कर रखा है, जो बोकारो में रजिस्टर्ड है, लेकिन चिड़ियाघर में सप्लाई के लिए रांची का पता और हाथ से लिखा हुआ जीएसटीएन नंबर इस्तेमाल किया गया. दस्तावेज बताते हैं कि जय किशोर दास ने इंडेन गैस की आपूर्ति की, जबकि वह इसका अधिकृत वितरक नहीं है. इसके बावजूद 200 सिलिंडरों की आपूर्ति के फर्जी बिल पर रेंजर राम बाबू ने हस्ताक्षर कर 1000 रुपये प्रति सिलिंडर की दर से भुगतान प्रमाणित किया. इतना ही नहीं, जीएसटी रिटर्न में इन आपूर्तियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे जीएसटी चोरी की पुष्टि होती है

अहम खोज : लिट्टीपाड़ा प्रखंड के चितलो गांव की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता में इजाफा

पाकुड़ में मिले करोड़ों साल पुराने जीवाश्म

शुभम संदेश। पाकुड़

पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में एक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अहम खोज सामने आई है. यहां चितलो गांव के पास जमीन के भीतर से करोड़ों साल पुराने जीवाश्म मिले हैं. इस महत्वपूर्ण खोज की पुष्टि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के वैज्ञानिकों ने की है, जिसके बाद वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जीवाश्मों के संरक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया है.

इस खोज का श्रेय वन विभाग की उस टीम को जाता है, जिसने डीएफओ सौरभ चंद्रा के निर्देश पर क्षेत्र में सर्वेक्षण किया था. टीम में वन क्षेत्र पदाधिकारी रामचंद्र पासवान, वन्य प्राणी विशेषज्ञ

वन विभाग ने शुरू किया संरक्षण कार्य

अली जिब्रान, वनरक्षी अनुपम कुमार यादव और पशु रक्षक साहेब राम शामिल थे. सर्वेक्षण के दौरान टीम को जमीन की सतह पर कुछ अजीब आकार और बनावट वाले पत्थर दिखाई दिए. पहले तो ये साधारण पत्थर लगे, लेकिन नजदीक से देखने पर इनमें खास तरह के जैविक आकार उभरते दिखे, जो जीवाश्मों की ओर संकेत करते थे.

जीएसआई के वैज्ञानिक ने संरक्षित करने की सिफारिश की : टीम ने तत्परता दिखाते हुए इन पत्थरों के फोटो और वीडियो बनाए और उन्हें जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के वैज्ञानिक सौरभ पाल को भेजा. विशेषज्ञ की ओर से मिले फीडबैक में पुष्टि हुई कि ये पत्थर असल में करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्म हैं. उन्होंने इन दुर्लभ जीवाश्मों को तत्काल संरक्षित करने की सिफारिश की.

सोनाजोड़ी और बरमसिया गांव में भी मिले थे जीवाश्म : गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब पाकुड़ जिले में जीवाश्म मिले हों. इससे पहले सोनाजोड़ी और बरमसिया गांवों में भी इसी तरह के पुराने जीवाश्म पाए जा चुके हैं, जिन्हें विभाग ने संरक्षित कर रखा है. नई खोज ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि पाकुड़ की धरती प्राचीन जीव-जंतुओं और जैव विविधता के रहस्यों को समेटे हुए है. इस खोज से क्षेत्र में शोध, पर्यटन और संरक्षण के नए अवसर खुल सकते हैं. अब स्थानीय प्रशासन और वैज्ञानिक समुदाय की निगाहें इस क्षेत्र के और भी संभावित खुलासों पर टिकी हैं.

वन विभाग ने सुरक्षा घेरे का निर्माण शुरू किया

रिपोर्ट प्राप्त होते ही पाकुड़ वन विभाग ने मौके पर सुरक्षा घेरे का निर्माण शुरू कर दिया है, ताकि जीवाश्मों को किसी तरह की क्षति से बचाया जा सके। साथ ही क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है. वन विभाग ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में इस क्षेत्र को एक जीवाश्म संग्रह स्थल (फॉसिल पार्क) के रूप में विकसित करने की योजना पर भी विचार किया जा सकता है.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

साहिबगंज के बोरियो में अवैध पत्थर खनन पर कार्रवाई करने की मांग

शुभम संदेश। रांची

साहेबगंज जिले के बोरियो प्रखंड के बिन्देरी बंदरकोला गांव में सत्यनाथ साह नामक व्यक्ति पर अवैध रूप से पत्थर खनन करने का गंभीर आरोप है. यह जानकारी नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में दी है. पत्र में बताया गया है कि सत्यनाथ साह को जिला खनन विभाग से चार एकड़ जमीन पर पत्थर निकालने की लाइसेंस (लीज) मिली थी, लेकिन आरोप है कि वह करीब 20 एकड़ जमीन पर अवैध खनन कर रहा है, जिससे राज्य सरकार को लगभग 200 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है.

पत्र में मरांडी ने बताया है कि यह मामला बोरियो प्रखंड के उपप्रमुख कैलाश प्रसाद ने उठाया था. उन्होंने इस संबंध में साक्ष्य और आवेदन भी दिए हैं. इसके बाद जिला उपायुक्त ने जांच के आदेश दिए और अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक टीम बनाई गई. जांच में सत्यनाथ साह द्वारा लीज से बाहर की जमीन पर खनन की पुष्टि भी हो गई. बाबूलाल मरांडी ने पत्र में लिखा है कि जांच में सब कुछ स्पष्ट होने के बावजूद खनन पदाधिकारी और स्थानीय थाना प्रभारी ने कोई कार्रवाई नहीं की. उल्टा, अवैध खनन रोकने की मांग करने वाले कैलाश प्रसाद पर झूठा केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया और धमकी दी गई कि अगर आवाज उठाओगे तो अंजाम बुरा होगा.

बाबूलाल मरांडी की मांगें

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि, सत्यनाथ साह पर अवैध खनन के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए. राज्य को जो राजस्व नुकसान हुआ है, उसकी वसूली की जाए. अवैध खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए. कैलाश प्रसाद की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें और उनके परिवार को कोई नुकसान न हो.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 19 अक्तूबर 2025 I कार्तिक कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 190 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

घाटशिला उपचुनाव: जेएलकेएम की चुनाव मैदान में इंट्री, रामदास मुर्मू पर भरोसा जताया

मुकाबला त्रिकोणीय हुआ, भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच शुरू हुई तीखी बयानबाजी

शुभम संदेश। रांची

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. इस बार चुनावी मुकाबला तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच त्रिकोणीय होने जा रहा है. झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने इस उपचुनाव में रामदास मुर्मू को अपना प्रत्याशी बनाया है, जो पहले भी 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव लड़ चुके हैं. पार्टी की रणनीति स्थानीय मुद्दों को जोर देने की है, जिनमें नीति नियोजन, रोजगार, पलायन, बेरोजगारी और परिवारवाद प्रमुख हैं.

जेएलकेएम के अध्यक्ष जयराम महतो ने बताया कि रामदास मुर्मू 21 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करेंगे, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और विधायक भी मौजूद रहेंगे. पार्टी का मानना है कि इस बार चुनावी मैदान में उनकी मौजूदगी से भाजपा और झामुमो दोनों को कड़ी चुनौती मिलेगा.

जेएलकेएम का चुनावी मोर्चा और रणनीति

रामदास मुर्मू ने 2024 के चुनाव में करीब 8093 वोट हासिल किए थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पास स्थानीय स्तर पर अच्छी पकड़ है. जेएलकेएम ने इस बार उन्हीं मुद्दों को मुख्य आधार बनाया है, जो स्थानीय जनता की रोजमर्रा की समस्याएं हैं. बेरोजगारी, पलायन, परिवारवाद और रोजगार जैसी समस्याएं इस उपचुनाव की मुख्य जंग बनती दिख रही हैं. पार्टी का दावा है कि वे केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं बल्कि जनता की असल समस्या को उजागर करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं.

जेएलकेएम की इंट्री से लड़ाई और भी रोचक हुई

घाटशिला का यह उपचुनाव प्रदेश की राजनीतिक दशा और दिशा को प्रभावित कर सकता है. भाजपा और झामुमो के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है और जेएलकेएम की एंट्री से यह लड़ाई और भी रोचक हो गई है. इस क्षेत्र में रोजगार, पलायन और सामाजिक न्याय के मुद्दे गहरे जुड़े हैं, जिन पर सभी दलों की नजरें हैं. बीजेपी ने लोकल मुद्दों को लेकर जनता को संबोधित करने में कुछ कमजोरी दिखाई है, जबकि जेएलकेएम और झामुमो इन मुद्दों को प्रमुखता दे रहे हैं. 21 अक्टूबर को नॉमिनेशन के बाद राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ने की उम्मीद है. रांची के घाटशिला उपचुनाव में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं. भाजपा ने जीत का दावा तो किया है, लेकिन जेएलकेएम की एंट्री ने चुनाव को त्रिकोणीय और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है. झामुमो की मजबूत पकड़ और स्थानीय मुद्दों को लेकर जेएलकेएम की जंग चुनाव को दिलचस्प बनाएगी. 11 नवंबर को परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि घाटशिला की राजनीति किस दिशा में बढ़ेगी.

बीजेपी और झामुमो के बीच आरोप-प्रत्यारोप : घाटशिला उपचुनाव में जेएलकेएम के प्रत्याशी की घोषणा के बाद बीजेपी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है. भाजपा ने जेएलकेएम पर आरोप लगाया है कि वह इस चुनाव में केवल सत्ताधारी झामुमो की मदद के लिए उम्मीदवार उतार रहा है, ताकि विपक्षी वोट कट जाए. भाजपा के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि यह चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि खेल बिगाड़ने के लिए है. उन्होंने दावा किया कि घाटशिला की जनता इस चाल को समझ चुकी है और इस बार मुकाबला झामुमो और एनडीए के बीच होगा, जिसमें एनडीए को जीत मिलेगी.

दूसरी ओर, झामुमो ने भी भाजपा पर तीखे आरोप लगाए हैं.पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि भाजपा को न तो जयराम महतो से और न ही 'जय श्रीराम' के नारे से कोई फायदा होगा. उन्होंने कहा कि झामुमो की योजनाएं जैसे मंईयां सम्मान योजना सफलतापूर्वक लागू हो रही है और जनता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भरोसा जताया है.

गढ़वा में भीषण रेल हादसा

दो ट्रेनों की चपेट में आने से महिला और दो पशुओं की मौत

शुभम संदेश। गढ़वा

जिले के मेराल थाना क्षेत्र में शनिवार को एक हृदयविदारक रेल हादसा हुआ, जिसमें एक महिला और उसके दो मवेशियों की जान चली गई. यह हादसा उस वक्त हुआ जब महिला अपने पशुओं को लेकर रेलवे ट्रैक पार कर रही थी और एक साथ दोनों ओर से ट्रेनें आ गईं. जानकारी के अनुसार, मेराल थाना क्षेत्र के सोहबरिया गांव निवासी मीरा देवी शनिवार दोपहर अपने गाय और बैल को चराने के बाद घर लौट रही थीं. लौटते वक्त उन्हें रेलवे ट्रैक पार करना पड़ा, जो मेराल ग्राम स्टेशन के पास स्थित है. जैसे ही मीरा देवी ट्रैक पार कर रही थीं, उसी समय एक ओर से गोमो-चोपन पैसेंजर ट्रेन और दूसरी ओर से एक तेज रफ्तार मालगाड़ी आ गई.अचानक हुई इस दोहरी टक्कर में मीरा देवी के दोनों मवेशी मौके पर ही कटकर मर गए. मीरा देवी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं. आसपास मौजूद ग्रामीणों ने हादसे के तुरंत बाद उन्हें गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्होंने दम तोड़ दिया.

रेल परिचालन बाधित रहा इलाके में हड़कंप मचा

हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए और कुछ देर के लिए रेल परिचालन भी बाधित रहा. मेराल स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही कुछ समय के लिए रोक दी गई थी.सूचना मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह हादसा ट्रैक पार करने के दौरान लापरवाही के कारण हुआ है.

अंडरपास या ओवरब्रिज बनाने की मांग : स्थानीय लोगों ने बताया कि सोहबरिया गांव के पास रेलवे ट्रैक पार करने के लिए कोई सुरक्षित सुविधा नहीं है, जिससे इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ट्रैक पार करने के लिए अंडरपास या ओवरब्रिज जैसी सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं से बचा जा सके.

पलामू में मुखिया पर पीएम आवास और मंईयां सम्मान योजना की राशि गबन का आरोप, बीडीओ ने जांच शुरू की

सिलदाग पंचायत के मुखिया उमेश यादव पर लाभुक के खाते से फर्जी तरीके से राशि निकालने का गंभीर आरोप

शुभम संदेश। पलामू/रांची

पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के सिलदाग पंचायत के मुखिया उमेश यादव पर प्रधानमंत्री आवास योजना और मंईयां सम्मान योजना की राशि गबन करने का गंभीर आरोप लगा है. पंचायत की निवासी प्रभा देवी ने बीडीओ और स्थानीय थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि मुखिया ने पीएम आवास योजना की राशि दिलाने के बहाने उनके आधार कार्ड के माध्यम से एक नया पोस्ट ऑफिस खाता खुलवाया और उस खाते से

फर्जी तरीके से पैसे निकाल लिए. प्रभा देवी का कहना है कि उनके खाते में मुखिया ने अपना मोबाइल नंबर भी जोड़वा लिया था, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं थी.

जब प्रभा देवी ने मंईयां सम्मान योजना की राशि के बारे में जानकारी लेने पोस्ट ऑफिस गईं, तो पता चला कि उनके खाते से पहले भी 10 हजार रुपये निकाले जा चुके हैं और बाकी की राशि भी किसी अन्नू कुमारी के खाते में ट्रांसफर कर दी गई है. जांच में यह भी सामने आया कि मुखिया के परिजन—अन्नू कुमारी और शोभा कुमारी के खातों में भी फर्जी तरीके से राशि ट्रांसफर की गई है.

प्रभा देवी ने यह भी आरोप लगाया कि मुखिया की पत्नी कुसुम देवी, जो पंचायत की स्वयंसेविका हैं, उन्होंने भी इस गबन में सहयोग किया. उन्होंने एक अन्य लाभुक के घर के सामने अपनी सास को खड़ा कर जियो टैग कराया और फर्जी तरीके से पीएम आवास योजना की दूसरी किस्त की राशि निकालवाई.

इस मामले में बीडीओ ने जांच शुरू कर दी है ताकि गबन की सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके.

हजारीबाग में नकाबपोश अपराधियों ने सीमेंट व्यवसायी के घर डाका डाला

परिवार को बंधक बना कर 6 लाख रुपये नकद और जेवरात लूट कर भाग निकले

शुभम संदेश । हजारीबाग

हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत सूर्यकुंड गांव में शुक्रवार देर रात नकाबपोश अपराधियों ने सीमेंट व्यवसायी व्यवसायी सुनील कुमार पांडेय के घर और दुकान पर धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया. हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने सबसेपहले पूरे परिवार को बंधक बना लिया, फिर लूटपाट शुरू की. करीब छह लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात लूटकर बदमाश फरार हो गए.

व्यवसायी के बेटे को घायल किया

दुकान पर मौजूद सुनील पांडेय को हथियार दिखाकर पकड़ लिया गया और हाथ-पैर बांधकर ऊपर कमरे में बंद कर दिया. जब उनका बेटा समित पांडे विरोध करने पहुंचा, तो बदमाशों ने बंदूक की बट से हमला कर उसे घायल कर दिया. इसके बाद अपराधी घर में घुसकर लूटपाट की और परिवार को पुलिस को सूचना न देने की धमकी दी.

पुलिस की त्वरित कार्रवाई : घटना की सूचना मिलते ही बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, अंचल निरीक्षक इमदाद अंसारी और गोरहर थाना प्रभारी नितीश कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया. परिवार के घायल सदस्य को प्राथमिक उपचार के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया. पुलिस ने अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है. आरोपी बाइक को छोड़कर भागे हैं, जिससे महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है.

लोगों में दहशत सुरक्षा बढ़ाने की मांग

डकैती की इस घटना से स्थानीय लोग भयभीत हैं और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने व पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग कर रहे हैं. पुलिस ने कहा है कि वह मामले की गहन जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

शुभम संदेश। पांकी (पलामू)

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पांकी प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा की हत्या के मुख्य आरोपी अरुण उर्फ डोमन ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने शुक्रवार देर शाम छापेमारी कर आरोपी को उसी इलाके से गिरफ्तार किया, जहां वह घटना के बाद से छिपा हुआ था. गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को पांकी थाना क्षेत्र के डंडार गांव में मुन्ना सिन्हा की टांगी से वार कर हत्या कर दी गई थी. इस वारदात का आरोप गांव के ही रहने वाले अरुण ठाकुर पर लगा था. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मुन्ना सिन्हा और अरुण ठाकुर के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था. घटना वाले दिन मुन्ना सिन्हा विवादित जमीन की जुताई करवा रहे थे, इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई. पुलिस के अनुसार, बहस इतनी बढ़ गयी कि अरुण ने टांगी से हमला कर दिया, जिससे मुन्ना सिन्हा की मौके पर ही मौत हो गई. पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है.

ईडी ने पीएलएफआई चीफ दिनेश गोप, उसकी दोनों पत्नियों समेत 20 के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप पत्र दायर किया

शुभम संदेश । रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप, उसकी दोनों पत्नियों और सहयोगियों समेत कुल 20 व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है. यह आरोप पत्र शनिवार को पीएमएलए की विशेष अदालत में दायर किया गया. यह दिनेश गोप के खिलाफ ईडी की ओर से दूसरी बड़ी कार्रवाई है.

ईडी की जांच में सामने आया है कि दिनेश गोप ने कोयला व्यापारियों और ठेकेदारों से सुनियोजित तरीके से करीब 20 करोड़ रुपये लेवी के रूप में वसूले. इस रकम में से 3.36 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग की गई. मनी लॉन्ड्रिंग के लिए हवाला कारोबारियों और स्थानीय मनी ऑपरेटरों का सहारा लिया गया.

ईडी के अनुसार, दिनेश गोप ने अपनी दोनों पत्नियों, शकुंतला कुमारी और हीरा देवी के नाम पर शेल कंपनियां बनाईं और फर्जी कारोबार दिखाकर अवैध पैसे को वैध बनाने का प्रयास किया. इस रकम से महंगी गाड़ियां खरीदी गईं, पारिवारिक खर्च चलाए गए और बैंक में फिक्स डिपॉजिट किए गए. इससे पहले ईडी ने निवेश कुमार के खिलाफ चार करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें से दो करोड़ की राशि दिनेश गोप से जुड़ी थी.

जिन प्रमुख आरोपियों के खिलाफ दायर हुआ आरोप पत्र

दिनेश गोप – पीएलएफआई सुप्रीमो
शकुंतला कुमारी और हीरा देवी – दिनेश गोप की पत्नियां, शेल कंपनियों की निदेशक
निवेश कुमार – पूर्व में आरोपी
सुमंत कुमार – आदि शिव शक्ति मिनरल्स प्रा. लि.
चंद्रशेखर कुमार – रेखा पेट्रोलियम के मालिक
नंद किशोर महतो – गोप का करीबी सहयोगी
अन्य सहयोगी और फर्जी कंपनियां – भाव्या इंजीकॉन, शिव शक्ति समृद्धि इंफ्रा, आदि शिव शक्ति मिनरल्स, रिंकियोहेन मार्केटिंग सहित.

हजारीबाग के 16 स्कूलों को डीईओ का नोटिस

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के 16 सरकारी स्कूलों में बीते पांच वर्षों (2021-2025) से मैट्रिक और इंटरमीडिएट (विज्ञान संकाय) परीक्षाओं में लगातार खराब परिणाम को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) परवीन रंजन ने संबंधित स्कूलों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है. डीईओ ने जारी पत्र में सभी 16 प्रधानाध्यापकों को एक सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है. यदि संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. डीईओ के अनुसार, विभागीय संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद इन स्कूलों के परिणाम जिला स्तर पर सबसे कमजोर पाए गए हैं. कई शिक्षक समय पर पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है.

जिन स्कूलों के प्राचार्यों को जारी हुआ नोटिस : बिहारी बालिका उच्च विद्यालय, एसएन प्लस टू उच्च विद्यालय, उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय,आरएन प्लस टू उच्च विद्यालय, एसएन प्लस टू उच्च विद्यालय, परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय, चरही आदि.

लोहरदगा: कुडू पुलिस की बड़ी सफलता, कार से 1 क्विंटल 68 किलो गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

शुभम संदेश। रांची

नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत कुडू थाना पुलिस ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कामयाबी हासिल की है. पुलिस ने एक कार से एक क्विंटल 68 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ओडिशा से बिहार गांजे की बड़ी खेप कार के जरिये लाई जा रही है. सूचना मिलते ही कुडू थाना प्रभारी को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया. इसके बाद पुलिस ने संख–लुकैया मार्ग पर घेराबंदी की। इसी दौरान

एक फोर्ड फिएस्टा कार (रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर11जेड-3556) पुलिस को देख भागने लगी. पीछा करने पर कार बढ़की चापी के पास कलवा ढोढा पुल के समीप एक पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. कार की तलाशी में कुल 42 पैकेट गांजा बरामद हुआ. मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओडिशा के झारसुगुड़ा जिला स्थित बेलपहाड़ निवासी अमिश कुमार लाल (पिता - संजय लाल) और बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत ओबरा थाना के नरौला निवासी आकाश राय (पिता - ओसियर राय) के रूप में हुई है.

एसपी रिजवी ने बताया कि जब्त गांजे का कुल वजन 1 क्विंटल 68 किलो है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये है. इस कार्रवाई में इंस्पेक्टर संदीप रंजन, कुडू सीओ संतोष उरांव, थाना प्रभारी मनोज कुमार और एसआई अश्विनी कुमार प्रमुख रूप से शामिल थे.

गौरतलब है कि गुरुवार को भी कुडू पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 413 पेटियों में लगभग 50 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की थी. लगातार दो दिन की सफल कार्रवाई से नशे के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है, वहीं कुडू पुलिस की सतर्कता की क्षेत्र में सराहना हो रही है.

दीपावली पर झारखंड के कई जिलों में हो सकती है बारिश, कई हिस्सों में पड़ेगा कोहरा और बढ़ेगी ठंड

शुभम संदेश। रांची

इस बार दीपावली के अवसर पर झारखंड का मौसम थोड़ा बदला-बदला नजर आ सकता है. मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार, 20 और 21 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है. पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पलामू, गढ़वा, चतरा और लोहरदगा जिलों में बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं. वहीं, राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा.

रांची-आसपास के क्षेत्रों में बारिश के आसार नहीं : राजधानी रांची और इसके आस-पास के क्षेत्रों में आगामी पांच दिनों तक बारिश की कोई संभावना नहीं है. मौसम सामान्य रूप से शुष्क बना रहेगा. अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है. शुक्रवार को रांची का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा नीचे रहा. सुबह के समय हल्की धुंध छा सकती है, लेकिन दिन में आसमान साफ रहेगा.

मौसम विभाग ने बताया है कि 21 से 23 अक्टूबर के बीच कुछ जिलों में कोहरा और हल्की धुंध देखने को मिल सकती है, खासकर सुबह के समय. इसके बाद दोपहर तक मौसम सामान्य हो जाएगा. विभाग का यह भी कहना है कि आने वाले दिनों में राज्य के कई हिस्सों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है. इससे खासकर चतरा, लातेहार और लोहरदगा जैसे पश्चिमोत्तर जिलों में रात के समय ठंड का असर महसूस किया जा सकता है.

हालांकि, मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. हवाएं सामान्य गति से चलेंगी और ज्यादातर इलाकों में मौसम सूखा रहेगा. दक्षिणी जिलों में जैसे पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि रांची, खूंटी और गुमला जैसे जिलों में तापमान अपेक्षाकृत कम रहेगा.। मौसम विभाग ने किसानों के लिए मौसम को अनुकूल बताया है और अनुमान जताया है कि छठ महापर्व के बाद ठंड और बढ़ सकती है.

राजधानी में धनतेरस पर बरसा धन-धन

सुबह से रात तक बाजारों में उमड़ती रही खरीदारों की भीड़, लगता रहा जाम, रेंगते रहे वाहन

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में धनतेरस पर खरीदारी के लिए शनिवार को अहले सुबह से लोगों का हुजूम निकल पड़ा. सुबह इसलिए, ताकि दिन ढलते-छलते कहीं भीड़ में न घिर जाएं या जाम में न फंस जाएं. लेकिन ज्यों-ज्यों दिन ढलता गया, त्यों-त्यों शहर में खरीदारों की भीड़ बढ़ती गयी. सड़कों पर दुकानें सजी होने के कारण शहर का कोई भी ऐसा इलाका नहीं था, जहां लोगों को जाम की समस्या का सामना न करना पड़ा हो. पारंपरिक रूप से सोना-चांदी, बर्तन, दीपक और पूजन सामग्री की खरीदारी लोग देर रात तक करते रहे.

कार और बाइक-स्कूटी के शो-रूम में सुबह से देर रात तक शो-रूम में लोगों की भीड़ लगी रही. इलेक्ट्रानिक दुकानों में टीवी,फ्रीज, गिजर, मिक्सी सहित अन्य होम अपलाएंस की खरीदारी के लिए भी लोगों की भीड़ लगी रही. जेवर दुकानों में सोने-चांदी के सिक्के से लेकर जेवर की खरीदारी भी देर रात तक होती रही. जिन लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी रखी थी, उन्हें भी अपने पसंद के जेवर लेने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा. कपड़े की दुकानों के साथ पीतल व स्टील के बर्तन की खरीदारी के लिए भी भीड़ उमड़ती रही.

शहर के मेन रोड, चर्च रोड, स्टेशन रोड, शहीद चौक, सरकुलर रोड, अपर बाजार, कचहरी रोड, एचबी रोड कोकर, ललापरु, थड़पखना में दनतेरस का जाम लगा रहा. इसके लवा हटिया, एचईसी सेक्टर टू, बिरसा चौक, हिनू, कांके रोड, बरियातू, बूटी रोड, हटिया, हेसाग, हरमू, अशोक नगर, कडरू, अरगोड़ा चौक से लेकर कटहल मोड़ तक की दुकानों में लोगो की भीड़ दिन भर खरीदारी के लिए उमड़ती रही, जो देर रात तक जारी रही. ग्राहकों की भीड़ देख होटलों और मिठाई की दुकानों में भी लोगों की भीड़ लगी रही. लोग दिवाली के दिन के भीड़ से बचने के लिए मिठाइयों और पूजन सामग्री की खरीदारी करते रहे. मिठाई की दुकानों में मिठाइयों के साथ ड्राई फ्रूट्स के पैकेट की काफी डिमांड रही. लोग अपनी पसंद की मिठाइयां खरीदते रहे. वही पटाखे के होलसेल बिक्रेताओं के यहां भी दिन भर भीड़ उमड़ती रही. फूल और सजावट के सामानों की खरीदारी के लिए भी लगातार भीड़ लगी रही. धनतेरस बाजार की वजह से शहर का कोई ऐसा हिस्सा नहीं, जो जाम से प्रभावित न रहा हो. सड़कों पर दुकान, बेतरतीब वाहन पार्किंग की वजह से वाहन रेंगते रहे, ट्रैफिक कर दुकानदारों के चेहरे भी खिले रहे. रहे. पुलिस जाम हटाने कोलेकर दिन भर मशक्कत करती रही.

दीपावली को लेकर सुरक्षा निर्देश जारी : पटाखा विक्रेताओं और आम नागरिकों के लिए निर्देश

नागरिकों को करना होगा पालन, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

शुभम संदेश। रांची

दीपावली पर्व के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रांची जिला प्रशासन ने पटाखा विक्रेताओं और आम नागरिकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही, किसी भी आपातकालीन स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने की अपील की गई है. इसके लिए नागरिक 0651-2215855, 8987790664, 7667985619, और 7070440888 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं.

पटाखा विक्रेताओं के लिए निर्देश:

- केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर ही पटाखा बिक्री करें.
- बिक्री से पहले अग्निशमन विभाग व प्रशासन से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) अवश्य प्राप्त करें.
- पेट्रोल पंप, गैस गोदाम, सड़क किनारे या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बिक्री न करें.
- केवल पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित पटाखों की बिक्री करें.
- 125 डेसिबल से अधिक ध्वनि वाले पटाखे बेचने पर रोक.
- बच्चों या नाबालिगों को विक्रय कार्य में न लगाएं.
- पंडाल की वायरिंग ISI मार्क वाले कॉपर वायर से योग्य इलेक्ट्रिशियन द्वारा कराएं.
- पंडाल में ज्वलनशील पदार्थ न रखें और अग्निशमन उपकरण व पानी की व्यवस्था अनिवार्य हो.
- प्राथमिक उपचार किट और प्रशिक्षित स्टाफ की व्यवस्था पंडाल में होनी चाहिए.

आम नागरिकों के लिए दिशा-निर्देश:

- पटाखे अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदें.
- घर के अंदर या सार्वजनिक जगहों पर पटाखे न जलाएं.
- रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे जलाने की अनुमति नहीं.
- टिन, कंटेनर या कांच की बोतलों में पटाखे न जलाएं.
- बच्चों को अकेले पटाखे जलाने न दें.
- पटाखा जलाने में मोमबत्ती या लंबी फुलझड़ी का प्रयोग करें, माचिस का सीधा उपयोग न करें.
- न फटने वाले पटाखों को दोबारा छूने की कोशिश न करें – पानी डालकर निष्क्रिय करें.
- ढीले या ज्वलनशील कपड़े पहनने से बचें.
- पटाखे हमेशा खुली जगह में छोड़ें, आसपास ज्वलनशील पदार्थ न हों.
- सुरक्षा के लिए कंबल, पानी और बालू पास में रखें.
- कपड़ों में आग लगने पर जमीन पर लेटकर उसे बुझाएं.
- बहुमंजिली इमारतों के लोग खिड़की-दरवाजे बंद रखें.
- प्राथमिक चिकित्सा किट पास में रखें, जरूरत पड़ने पर तुरन्त अस्पताल जाएं.

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई:

- रांची जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार ने भी इन दिशा-निर्देशों को गंभीरता से लेने की अपील करते हुए कहा है कि कोई भी व्यक्ति या विक्रेता यदि इनका उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

हर घर जले दीप, हर मन में हो खुशी : दीपावली पर वंचितों को दीप व मिठाई बांटेगी कायस्थ महासभा

रांची। पवित्र पावन उमंग और खुशियों के पर्व दीपावली के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, रांची जिला इकाई ने निर्णय लिया है कि समाज के वंचित और जरूरतमंद परिवारों तक दीप और मिठाइयों के माध्यम से पर्व की खुशियां पहुंचाई जाएंगी. इस पुनीत कार्य का नेतृत्व महासभा के रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा करेंगे. यह आयोजन रविवार 19 अक्तूबर को प्रातः बजे रातू रोड देवी मंडप रोड से प्रारंभ होगा. महासभा की जिला महिला अध्यक्ष सुरभि सिन्हा ने समाज की मातृशक्ति और समाजसेवियों से आग्रह किया है कि वे इस पुनीत कार्य में भाग लें और अपने सामर्थ्य अनुसार जरूरतमंदों को दीपावली की खुशियां बांटें. उनका कहना है कि प्रयास यही हो कि हर घर में दीप जले और हर चेहरे पर मुस्कान हो. आयोजन की तैयारी बैठक में प्रेम कुमार सिन्हा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा), मनोज कुमार सिन्हा (नेता, जनता दल यूनाइटेड) और राजीव कुमार सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे. यह पहल समाज में समरसता, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करने का एक अनुकरणीय प्रयास है.

कर्मियों को सरकार की सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया

मेदिनीनगर । अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ पलामू जिला इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शनिवार को राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से औपचारिक मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने पलामू जिले के सरकारी एवं अनुबंध कर्मियों को सरकारी स्तर पर हरसंभव सहायता देने की मांग की. वित्त मंत्री किशोर ने कर्मचारियों को सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाओं को क्रियान्वित करने का भरोसा दिया. उन्होंने संघ के पदाधिकारियों का परिचय लेकर उनके पदस्थापन कार्यालयों की जानकारी भी ली. संघ के पदाधिकारी भी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लेकर मंत्री को शुभकामनाएं दीं. इस बैठक में कर्मचारियों और सरकार के बीच बेहतर जनभागीदारी एवं सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया.

पलामू जिले में दर्जनों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की

झामुमो सदस्यता अभियान में नए सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

पलामू जिले के झामुमो कार्यालय में आज विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की. इस अवसर पर पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने सभी नए सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रभावशाली कार्यों से प्रभावित होकर लगातार लोग झामुमो से जुड़ रहे हैं. श्री सिन्हा ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार ने राज्य के विकास और जनकल्याण के कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिसके कारण लोग स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं. जिलाध्यक्ष ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री की महिला सशक्तिकरण योजनाओं, जैसे मईया सम्मान योजना, और गरीब छात्राओं के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड की भूमिका की भी सराहना की, जो शिक्षा में सहायक साबित हो रहा है. केन्द्रीय समिति सदस्य एवं जिला उपाध्यक्ष सन्नू सिद्दिकी ने कहा कि सभी को मिलकर एक बेहतर झारखंड बनाने की दिशा में काम करना होगा. वहीं जिला प्रवक्ता चंदन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि सरकार की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और भविष्य में झामुमो पूरे राज्य में एकमात्र प्रमुख पार्टी बनेगी. सदस्यता ग्रहण करने वालों में आशा देवी, उषा देवी, रीना देवी, पानपति देवी, सोमरिया देवी, अनीता केरकेट्टा, कौशर परवीन, रेहाना बीबी, पवन यादव, राजकुमार राम, अनिल यादव, विनय कुमार, महाकाल तिवारी, श्रीकांत सिंह, नौशाद अंसारी, बाबूलाल यादव, आशीष सिंह सहित दर्जनों अन्य लोग शामिल थे. इस अवसर पर कौशल कुमार, देवानंद भारद्वाज, राजेश कुमार सिन्हा, मंजू देवी समेत अन्य कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में सभी ने मिलकर झामुमो के विकास और प्रदेश के समृद्धि के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया.

भूमि अधिग्रहण मुआवजे को लेकर रैयतों में भारी असंतोष, हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने दिया समर्थन

शुभम संदेश ।पलामू

मोहम्मदगंज से हैदरनगर तक नई सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा कम मिलने को लेकर रैयतों में असंतोष व्याप्त है. हैदरनगर और मोहम्मदगंज अंचल के हजारों रैयतों की भूमि सरकार ने अधिग्रहित की है, लेकिन मुआवजा राशि उन्हें काफी कम दी जा रही है. कुछ रैयतों को प्रारंभिक भुगतान भी मिला है, जो उनकी अपेक्षाओं से कम है. रैयतों के प्रतिनिधि और सेवानिवृत्त शिक्षक रामाशीष सिंह ने इस मुद्दे को लेकर उच्च न्यायालय के तीन अधिवक्ताओं—विनोद कुमार सिंह, श्याम बिहारी राय और बीएन पाठक—को पंचायत सचिवालय हैदरनगर में बैठक के लिए आमंत्रित किया. अधिवक्ताओं ने रैयतों को कानूनी विकल्पों के बारे में जानकारी दी और समर्थन का भरोसा दिलाया. अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सरकार ग्रामीण भूमि का चार गुणा और शहरी भूमि का दो गुणा मुआवजा देती है, जिसमें हाल में बेची गई जमीन का रेट भी शामिल होता है. उन्होंने कहा कि मुआवजा मिलने तक भूमि पर निर्माण कार्य रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है और भुगतान तक काम बंद रखा जाएगा. श्याम बिहारी राय ने कहा कि सरकार का कम मुआवजा देकर काम पूरा करने का प्रयास रोका जाएगा और रैयतों को कानूनी लड़ाई लड़नी होगी. बीएन पाठक ने रैयतों को भरोसा दिलाया कि उनकी जमीन पर मालिक की सहमति के बिना कोई निर्माण नहीं हो सकता और वे हर संभव कानूनी मदद करेंगे. बैठक की अध्यक्षता रामाशीष सिंह ने की, जिसमें बड़ी संख्या में रैयत मौजूद थे.

एडवांस भुगतान से वंचित सहायक अध्यापकों में आक्रोश

डीईओ-डीएसई कार्यालय का किया घेराव, जोरदार प्रदर्शन

शुभम संदेश ।पलामू

अग्रिम भुगतान (एडवांस) समेत अन्य लंबित मांगों को लेकर सहयोगी शिक्षक संघ के बैनर तले सहायक अध्यापकों ने शनिवार को जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय का घेराव किया. इस मौके पर सहायक अध्यापकों ने अपने हकों के लिए जोरदार प्रदर्शन किया और अधिकारियों से तत्काल भुगतान की मांग की.

संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी और टेट संघ के अध्यक्ष मिथिलेश उपाध्याय भी मौजूद थे. सहायक अध्यापकों ने रोषपूर्ण नारे लगाए और कहा कि दिवाली व छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए परियोजना निदेशक द्वारा अग्रिम भुगतान का आदेश जारी किया गया था, लेकिन पलामू के सहायक अध्यापक इस लाभ से वंचित रह गए. जबकि झारखंड के अन्य जिलों में यह भुगतान समय पर किया जा चुका है.

गुस्साए सहायक अध्यापकों ने डीएसई कार्यालय में घुसकर करीब 100 शिक्षक अंदर रहे जबकि लगभग 500 बाहर विरोध जताते रहे. डीएसई की ओर से बात करने का प्रयास किया गया, परन्तु अध्यापकों ने एक ही मांग की कि परियोजना निदेशक के आदेश का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों का वेतन रोका जाए और उन पर कार्रवाई हो. इस पर डीएसई ने एपीओ कार्तिक चंद्र और लेखपाल विजय लक्ष्मी के मानदेय भुगतान पर रोक लगा दी और वादा किया कि अब हर महीने भुगतान समय पर किया जाएगा.

इसके बाद सहायक अध्यापक नारे लगाते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और सीपीडी ट्रेनिंग पास करने वाले सहायक अध्यापकों का मानदेय भुगतान करने की मांग की. तीन महीने पहले प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भी भुगतान नहीं मिला था. डीईओ ने तुरंत मनोज मिश्रा को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण पूरा करने वाले अध्यापकों का भुगतान बिना विलंब किए किया जाए. साथ ही प्रखंडों को भी सख्त आदेश दिए गए कि भुगतान में देरी करने वाले अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी. डीईओ ने सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए परियोजना निदेशक के आदेश का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा कि पलामू जिले में मानदेय भुगतान में विलंब का इतिहास पुराना है और यह समस्या बार-बार दोहराई जा रही है. उन्होंने बताया कि आकलन पास करने वाले अध्यापकों को 10 प्रतिशत मानदेय वृद्धि का आदेश चार महीने पहले जारी हुआ था, लेकिन एपीओ कार्तिक चंद्र की लापरवाही के कारण वह अब तक लागू नहीं हो पाया है. साथ ही, सीपीडी प्रशिक्षण पूरा करने वाले अध्यापकों का चार महीने से भुगतान रुका हुआ है. उन्होंने कहा कि प्रखंड से लेकर जिला अभियान कार्यालय तक कई कर्मचारी दोहन और शोषण में लिप्त हैं और अब सहायक अध्यापक इनके खिलाफ सख्त कदम उठाने को तैयार हैं.

प्रदर्शन में अनुज दुबे, कृष्ण कुमार यादव, राजीव शुक्ला, जनेश्वर सिंह, हरेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, विकास मिश्रा, महेंद्र राम, सूरजमल सिंह, प्रकाश राम, विकास सिंह सहित बड़ी संख्या में सहायक अध्यापकों ने भाग लिया और अपनी मांगों को लेकर प्रशासन पर दबाव बनाया.

दीपावली के अवसर पर शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में रंगोली और दीप प्रतियोगिता आयोजित

बरवाडीह (लातेहार)। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में शनिवार को दीपावली के अवसर पर रंगोली और दीप बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. नर्सरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया.बच्चों ने रंग-बिरंगी रंगोलियाँ बनाईं और मिट्टी के दीपों पर सुंदर नक्काशी कर सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत किया. स्कूल के निदेशक डॉ. पवन कुमार ने कहा कि छात्रों को सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और परंपरा से भी जोड़ना जरूरी है.कार्यक्रम में दीपावली के महत्व पर प्रकाश डाला गया. इस मौके पर स्कूल मैनेजर सीमा गुप्ता, प्राचार्य शांतनु डे, प्रिया डे, राहुल सरकार सहित सभी शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

मनरेगा व पीएम आवास योजनाओं पर जन सुनवाई

हुसैनाबाद । पंचायत सचिवालय बेल बिगहा में शनिवार को मनरेगा 2024-25 और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत पंचायत स्तरीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सामाजिक अंकेक्षण यूनिट, पलामू द्वारा 2016 से 2025 तक के सभी आवासों की गहन जांच की गई.ज्यूरी मेंबर सरिता देवी, धनवंती कुमारी, सिद्धेश्वर सिंह और युगल किशोर सिंह ने विभिन्न मामलों पर विचार कर निष्कर्ष प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में मुखिया अनंती देवी, पंचायत सेवक नंद किशोर प्रसाद समेत कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे.

नाराज़ छात्राओं ने डीईओ से की शिकायत

मेदिनीनगर। बीसीसी मिशन बालिका हाई स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्राओं ने जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश से मिलकर स्कूल की अव्यवस्था और प्राचार्य के तानाशाही रवैये की शिकायत की. छात्राओं ने बताया कि कक्षाएं अक्सर बाधित होती हैं और परीक्षाओं के कारण स्थगित कर दी जाती हैं. छात्रवृत्ति और योजनाओं के फार्म भरवाने में भी प्राचार्य की रुचि नहीं रहती. यह भी आरोप लगाया कि व्यवहार अनुचित है, ड्रेस नहीं पहनने पर छात्राओं को अलग कमरे में बैठाया जाता है और प्रैक्टिकल में कम नंबर देने की धमकी मिलती है. डीईओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सजेशन बॉक्स लगाने की घोषणा की, जिससे छात्राएं बिना नाम बताए अपनी समस्याएं साझा कर सकेंगी.

धनतेरस पर बाजारों में रही रौनक लोगों ने की जोरदार खरीदारी

शुभम संदेश ।लातेहार/ महुआडांड़

लातेहार और महुआडांड़ में धनतेरस पर्व की धूम देखने को मिली. शनिवार को सुबह से ही बाजारों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही. पारंपरिक रूप से सोना-चांदी, बर्तन, दीपक और पूजा सामग्री की जमकर बिक्री हुई. ऑटोमोबाइल और बाइक दुकानों में भी भारी बिक्री दर्ज की गई. साहू मोटर के राजीव कुमार गुप्ता ने 65 बाइकों की बिक्री की सूचना दी, वहीं उषा होंडा से 70 और पूजा ऑटो से 55 बाइकें बिकीं. शहर के मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, थाना चौक और सब्जी मंडी में रौनक बनी रही. दीपक, कलश, धूपदानी और मिट्टी के घोड़े की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ.महुआडांड़ में भी धनतेरस की खरीदारी जोरों पर रही. आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक और बर्तन की दुकानों में भारी भीड़ देखी गई. बर्तन दुकानदार सुधीर सोनी ने बताया कि पिछली बार की तुलना में इस बार बिक्री बेहतर है और रात तक बिक्री दोगुनी होने की उम्मीद है.

महुआडांड़ पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए, ताकि खरीदारी में कोई दिक्कत न हो. कुल मिलाकर धनतेरस पर्व ने स्थानीय बाजारों में खूब रौनक और उत्साह भर दिया.

श्रीबंशीधर नगर अब भी उच्च शिक्षा से वंचित, डिग्री कॉलेज की मांग तेज

गढ़वा । अनुमंडल मुख्यालय बनने के तीन दशक बाद भी श्रीबंशीधर नगर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उपेक्षित है. अब तक यहां एक भी सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना नहीं हो सकी है. परिणामस्वरूप इंटरमीडिएट के बाद छात्रों को रांची, गढ़वा, डाल्टनगंज या उत्तर प्रदेश के शहरों का रुख करना पड़ता है. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र-छात्राएं, विशेषकर बेटियां, उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं. परिजन भी सुरक्षा और खर्च को देखते हुए बेटियों को बाहर नहीं भेजना चाहते. सरकार ने हर प्रखंड में डिग्री कॉलेज खोलने की घोषणा तो की, लेकिन श्रीबंशीधर नगर आज भी उस वादे के पूरे होने का इंतजार कर रहा है. स्थानीय लोगों ने सरकार से मांग की है कि क्षेत्र के युवाओं को बेहतर भविष्य देने और पलायन रोकने के लिए जल्द से जल्द यहां डिग्री कॉलेज की स्थापना की जाए.

निरीक्षण

कोयल परियोजना की समीक्षा के लिए केंद्रीय जल आयोग की टीम लातेहार पहुंची

परियोजना प्रगति की प्रशासनिक समन्वय पर विशेष ध्यान

शुभम संदेश ।लातेहार

शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल परियोजना की प्रगति की समीक्षा एवं कार्यों के निरीक्षण के लिए केंद्रीय जल आयोग की उच्च स्तरीय टीम लातेहार पहुंची. डब्ल्यूएपीकोस की अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे के नेतृत्व में आई इस टीम में जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे. टीम ने परियोजना के तहत मंडल डैम, बरवाडीह सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया और कार्य प्रगति, विभिन्न अवरोधों व विलंब के कारणों पर विस्तार से चर्चा की.

परियोजना से जुड़ी चुनौतियों और समाधान पर बैठक : निरीक्षण के बाद, टीम ने उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के साथ परिसदन में बैठक कर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित मुद्दों, बरवाडीह से मंडल तक सड़क की स्थिति एवं अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की. बैठक में परियोजना के शीघ्र एवं सुचारू निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया. इस अवसर पर उपायुक्त ने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया.

उपस्थित अधिकारी और आगे के कदम : इस बैठक में योगेश पथेनकर (सदस्य सचिव, केंद्रीय जल आयोग), एचएस सेंगर (मुख्य अभियंता, सीडब्ल्यूसी), संजय शर्मा (वरिष्ठ महाप्रबंधक, वापकोस), मैनाक घोष (उप मुख्य अभियंता, वापकोस) समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

टीम ने परियोजना की प्रभावी प्रगति के लिए समन्वय एवं प्रशासनिक सुधारों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई. इसके साथ ही उन्होंने कार्यों के शीघ्र समापन और परियोजना के लाभार्थियों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा. इस प्रकार, केंद्रीय जल आयोग की टीम की यह समीक्षा लातेहार में शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल परियोजना के सफल एवं तेज़ प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

एक नजर

धनतेरस- दीपावली को लेकर लातेहार पुलिस अलर्ट

लातेहार । धनतेरस और दीपावली के अवसर पर लातेहार पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है. जिले के एसपी कुमार गौरव ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली है. उन्होंने शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया और ट्रैफिक व बाजारों की स्थिति का जायजा लिया. एसपी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को सुरक्षा के कड़े निर्देश दिए. जिले के भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि शांति बनाए रखी जा सके. ट्रैफिक पुलिस को यातायात नियंत्रण की विशेष जिम्मेदारी दी गई है. उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. एसपी ने जनता से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने एवं संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है.

मेदिनीनगर:ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में रंगोली और लोक संगीत प्रतियोगिता का आयोजन

मेदिनीनगर । ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में दीपावली पूर्व रंगोली एवं लोक संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य टीआर प्रसाद एवं शिक्षकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की. छात्रों ने छठ महापर्व पर विशेष पूजा एवं मनमोहक झांकी प्रस्तुत की. चारों सदनों के विद्यार्थियों ने रंगोली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया. बालिका कनिष्ठ में शेक्सपीयर सदन प्रथम और बायरन सदन द्वितीय रहे. बालिका वरिष्ठ में कीट्स सदन प्रथम रहा. बालक कनिष्ठ और वरिष्ठ समूह में भी शेक्सपीयर सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. लोकगीत गायन प्रतियोगिता में कनिष्ठ समूह में बायरन सदन तथा वरिष्ठ समूह में कीट्स सदन प्रथम स्थान पर रहे. प्राचार्य टीआर प्रसाद ने दीपावली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रतीक्षा प्रभात ने किया और राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ.

संत जेवियर्स समपुर गोठगांव विद्यालय में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया

महुआड़ांड़ (लातेहार) । संत जेवियर रामपुर गोठगांव विद्यालय में दीपावली को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने सुंदर रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. सभी वर्गों के छात्रों ने फूल, पत्तियां, चावल, दाल आदि से अल्पनाएं बनाई और अल्पना प्रतियोगिता में भाग लिया.कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और दीप प्रज्वलन से हुई. पूरे विद्यालय परिसर को दीपों से सजाकर आलोकित किया गया, जिससे वातावरण में आनंद का संचार हुआ. बच्चों ने भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की अयोध्या वापसी पर आधारित लघु नाटिका भी प्रस्तुत की, जिसे सभी ने खूब सराहा.विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर खीस्टीना खलखो, फादर बलबीर टोप्पो और शिक्षकों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. इस उत्सव ने बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता और एकता का संदेश दिया.

राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के लातेहार जिलाध्यक्ष बने बलराम प्रसाद साहू, कार्यकर्ताओं में उत्साह

लातेहार । राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने संगठन विस्तार की दूसरी सूची जारी करते हुए बलराम प्रसाद साहू को लातेहार जिला का अध्यक्ष मनोनीत किया है. उनके अलावा सुनील कुमार कुशवाहा (रामगढ़), रवि कुमार गुप्ता (बोकारो), सत्येंद्र कुमार शर्मा (धनबाद) और बिरेन्द्र कुमार साव (कोडरमा) को भी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. राजद नेता राजू रंजन प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी और बताया कि सभी नियुक्तियां प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला प्रवास और सहमति के बाद की गई हैं. उन्होंने बलराम प्रसाद साहू समेत सभी नवमनोनीत जिलाध्यक्षों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि सभी दलहित में बेहतर कार्य करेंगे.

सरस्वती विद्या मंदिर में छठ महापर्व की झांकियां

लातेहार । सरस्वती विद्या मंदिर में छठ महापर्व के पावन अवसर पर कक्षा छह से आठ की छात्राओं द्वारा भव्य झांकियों का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में सांस्कृतिक जागरूकता और भक्ति भाव का विकास करना था. छात्राओं ने छठ पर्व और प्रकृति के महत्व को जीवंत झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया. अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियों और भक्ति गीतों से उन्होंने समस्त वातावरण को श्रद्धा एवं उल्लास से भर दिया. यह आयोजन बालिका व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत किया गया. कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित थे. उन्होंने छात्राओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएँ दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक था, बल्कि छात्राओं के समर्पण और प्रतिभा का उत्सव भी साबित हुआ.

दीपावली को मद्देनजर लोगों से सावधानी की अपील

उंटारी रोड, पलामू । दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए उंटारी रोड थाना प्रभारी संतोष गिरी ने आम जनता से सुरक्षा और सावधानी बरतने की अपील की है. उन्होंने चाइनीज पटाखों के इस्तेमाल से बचने और देसी मिट्टी के दीये जलाने की सलाह दी. पटाखे जलाते समय आस-पास झुग्गी-झोपड़ी या खपरैल मकान न होने का खास ध्यान रखने को कहा, क्योंकि चिंगारी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है. प्रभारी ने नशे, जुआ और सट्टेबाजी से बचने और ऐसे मामलों की सूचना पुलिस को देने की भी बात कही. उन्होंने कहा कि पटाखों से आसपास के बीमार लोगों को परेशानी न हो और घर से बाहर जाने पर पुलिस को सूचित करें ताकि चोरी या अन्य घटनाओं से बचा जा सके. संदिग्ध गतिविधि देखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें. उन्होंने सभी से मिलजुल कर और आपसी सौहार्द से दीपावली मनाने की अपील की. किसी भी आपात स्थिति में 112 टोल फ्री नंबर पर संपर्क करें. पलामू पुलिस हमेशा आपकी सेवा में तत्पर है.

कोडरमा डीसी ने यूटिलिटी टास्क फोर्स की बैठक में दिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश

शुभम संदेश। कोडरमा

जिले की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की

उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में यूटिलिटी टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की विभिन्न आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। इस बैठक में झुमरी तिलैया शहरी जलापूर्ति योजना, कोडरमा एवं डोमचांच जलापूर्ति योजनाओं के साथ-साथ पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन निर्माण निगम लिमिटेड, करमा मेडिकल कॉलेज, विद्युत विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच), डीवीसी केटीपीएस सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा हुई,

उपायुक्त ऋतुराज ने जुडको के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि झुमरी तिलैया, कोडरमा एवं डोमचांच के जलापूर्ति कार्यों में कोई भी बाधा न आए और नियमित रूप से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने के कार्यों में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्य समय सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं.

भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अंतर्गत निर्माणाधीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज गोहाल, करमा मेडिकल कॉलेज, बीएससी नर्सिंग कॉलेज और कोल्ड स्टोरेज पुरनाडीह की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ये निर्माण कार्य निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि जिले की शैक्षणिक और औद्योगिक संरचना मजबूत हो सके।

विद्युत आपूर्ति के विषय में उपायुक्त ऋतुराज ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूरे जिले में विशेषकर त्यौहारों के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग और डीवीसी केटीपीएस परियोजनाओं की भी नियमित प्रगति पर नजर रखने का आग्रह किया गया.

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती रिया सिंह, कार्यपालक अभियंता और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने भी सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया.

इस बैठक के जरिये उपायुक्त ऋतुराज ने कोडरमा जिले के विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि जिले की प्रगति निरंतर बनी रहे.

उपायुक्त ने एफआरए के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर की बैठक

कोडरमा। उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम, 2006 (एफआरए) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन पट्टों को अधिक से अधिक संख्या में निर्गत किया जाए ताकि वनवासियों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर मिल सकें। उन्होंने लंबित दावों के शीघ्र निपटारे और विभागीय समन्वय पर भी जोर दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे

धनतेरस पर हंटरगंज बाजार में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़, पुलिस प्रशासन रहा सतर्क

चतरा। कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के शुभ अवसर पर शनिवार को हंटरगंज बाजार में धनतेरस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. बाजार में बर्तन, कपड़े, फर्नीचर, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, और झाड़ू की जमकर खरीदारी हुई. कौलेश्वरी मोड़ से लेकर चतरा बस स्टैंड तक बाजार गुलजार रहा. सोने-चांदी के गहनों की दुकानें भी ग्राहकों से भरी रहीं. ऑटोमोबाइल शोरूम में बाइक की बिक्री भी उच्च स्तर पर रही. खास बात यह रही कि झाड़ू की खरीदारी में भी जबरदस्त वृद्धि हुई क्योंकि माना जाता है कि इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है. दुकानदारों ने आकर्षक सजावट और विशेष ऑफर के साथ ग्राहकों को लुभाया. देर शाम तक बाजार में चहल-पहल जारी रही. लोग धनतेरस के साथ-साथ दीपावली की तैयारियों में भी व्यस्त दिखे, घरों की सफाई, रंगाई और मूर्ति की खरीदारी में जुटे रहे. पुलिस प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी के साथ बाजार में चप्पे-चप्पे पर तैनात रही. बाइक से गश्त करते हुए पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखी, जिससे लोग सुरक्षित और आराम से खरीदारी कर सके. प्रशासन ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए हैं.

स्कूली बच्चों ने रंगोली बनाकर जलाए दीये

केरेडारी । दीपावली के पावन त्योहार पर केरेडारी के जोरदाग गांव स्थित कृपालु वैदिक इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को रंगोली और दीप जलाकर उत्साहपूर्वक दिवाली मनाई गई. बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए सुंदर रंगोली बनाई और दीयों की रोशनी से स्कूल को जगमगाया. शिक्षकों ने बच्चों को पारंपरिक तरीके से दीपावली मनाने के महत्व और सांस्कृतिक शिक्षा दी. इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक मुकेश कुमार, राजदीप कुमार, देवंती देवी, मीना कुमारी, मंजू कुमारी, ममता और मिल्ली कुमारी भी बच्चों के उत्सव में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं. बच्चों की खुशी देखकर सभी प्रसन्न दिखे और उन्होंने इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया. दीपावली के इस उत्सव ने स्कूल में त्योहारी माहौल बना दिया और सभी को एकजुट करने का अवसर प्रदान किया.

धनतेरस व दीपावली को लेकर चौपारण पुलिस अलर्ट, बाजार व चौक-चौराहों का किया निरीक्षण

चौपारण (हजारीबाग) । धनतेरस और दीपावली पर्व को लेकर चौपारण पुलिस पूरी सतर्कता के साथ तैनात है. शनिवार को थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में पुलिस बल ने चौपारण बाजार और मुख्य चौक-चौराहों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. पुलिस ने दुकानदारों और नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की अपील की. बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डीएसपी के निर्देश पर त्योहार के दौरान विशेष गश्ती दल बनाए गए हैं जो लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं. पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के साथ शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है. पुलिस ने आम जनता से सहयोग की भी अपील की है ताकि त्योहार शांतिपूर्ण रूप से मनाया जाए.

ईचाक थाना क्षेत्र में छापेमारी, 1200 किग्रा जावा महुआ नष्ट, 40 लीटर शराब जब्त की गयी

हजारीबाग । उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर उत्पाद विभाग हजारीबाग ने इचाक थाना क्षेत्र के अलौंजाकला गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी की. तलाशी के दौरान 1200 किलोग्राम जल मिश्रित चुलाई योग्य जावा महुआ को मौके पर नष्ट कर दिया गया और 40 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की गई. छापामारी के दौरान आरोपी फरार हो गए हैं. सभी फरार अभियुक्तों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है.इस कार्रवाई में उत्पाद विभाग की टीम में अवर निरीक्षक कृष्णा प्रजापति, अवर निरीक्षक भुनेश्वर नायक और प्रतिनियुक्त गृहरक्षक शामिल थे. विभाग ने अवैध शराब उत्पादन और बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रखने का आश्वासन दिया है.

उपायुक्त की पहल पर बच्ची मधु का हुआ नामांकन

कोडरमा । चंदवारा प्रखंड के भोंडो पंचायत की पुनिया देवी ने जनसुनवाई कार्यक्रम में उपायुक्त ऋतुराज से मिलकर अपनी गंभीर पारिवारिक समस्याएं बताईं. उनके बेटे घनश्याम तुरी की रीढ़ की हड्डी की बीमारी और बहू की हृदय समस्या के कारण परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था. उनकी पोती मधु कुमारी, जो कक्षा 7 तक पढ़ी है, आर्थिक हालात देखकर पढ़ाई छोड़ने लगी थी. पुनिया देवी ने आग्रह किया कि मधु का नामांकन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोकाई में हो ताकि वह आवासीय सुविधा के साथ पढ़ाई जारी रख सके. उपायुक्त ऋतुराज ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिए. इसके बाद मधु कुमारी का झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 7 में नामांकन कराया गया.

उपायुक्त ने इचाक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत भवन का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को दिए आवश्यक निर्देश

शुभम संदेश । हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने गुरुवार को इचाक प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और करियातपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल परिसर के विभिन्न वार्डों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और कई जरूरी निर्देश दिए.

सबसे पहले उन्होंने दवा भंडार गृह में दवाओं की उपलब्धता की जांच की और स्टॉक पंजी का मिलान किया. बच्चों को दिए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उन्होंने सिविल सर्जन को मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया. अस्पताल में एंटी वेनम और एंटी रेबीज जैसी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की गई.

उन्होंने जन्म प्रमाण पत्र और टीकाकरण से संबंधित डेटा को समय पर संधारित करने तथा नवजात शिशुओं का हेल्थ ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखने के निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पिछले दो महीनों से ऑनलाइन स्टॉक संधारण नहीं किया गया है, जिस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई और संबंधित क्लर्क से स्पष्टीकरण मांगा.

नेत्र जांच कक्ष का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मरीजों से बातचीत की और 15 नवंबर तक मोतियाबिंद जांच हेतु विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया. प्रसव कक्ष में नवजात और माताओं की स्वास्थ्य ट्रैकिंग एवं वेंटीलेटर की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई.

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन्हें उपायुक्त ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान सुनिश्चित करने को कहा.

इसके बाद करियातपुर पंचायत भवन का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने साफ-सफाई बनाए रखने और लाभुकों की सूची को दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया. वीएलई कक्ष में जन्म प्रमाण पत्र निर्गतीकरण प्रक्रिया की भी जांच की गई. एक दिव्यांग व्यक्ति की ट्राई साइकिल की मांग पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया.

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सेवा में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए.

खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण अभियान, तीन प्रतिष्ठानों पर 75,000 जुर्माना

रामगढ़ । उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर त्योहारों के मद्देनजर शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा रामगढ़ में होटल और मिठाई दुकानों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया. अभिहित अधिकारी डॉ. नवल कुमार और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह के नेतृत्व में होटल मिलन, एल बी फूड, उमेश स्वीट्स और सिद्धि स्वीट्स समेत कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई. निरीक्षण में एल बी फूड और उमेश स्वीट्स को बिना लाइसेंस संचालन पर 25,000-25,000 का जुर्माना लगाया गया. वहीं सिद्धि स्वीट्स पर भी केवल पंजीकरण के आधार पर कारोबार चलाने और 12 लाख से अधिक के वार्षिक टर्नओवर के बावजूद लाइसेंस न लेने पर 25,000 का जुर्माना लगाया गया. निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, एक्सपायरी डेट, लेबलिंग, स्वच्छता और साफ पानी के उपयोग की जांच की गई. सभी दुकानदारों को एफएसएसएआई मानकों का पालन करने, सैंथेटिक रंगों से बचने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए.

पर्वों के दौरान आगजनी की संभावनाओं को देखते हुए बर्न वार्ड को 24×7 क्रियाशील रखने के निर्देश

शुभम संदेश। हजारीबाग

में आगामी दीपावली और छठ पर्व को लेकर आगजनी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के सभी प्रमुख अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के बर्न वार्ड को 24 घंटे क्रियाशील रखने के निर्देश दिए हैं. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट कहा कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बरही अनुमंडलीय अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बर्न वार्ड की आवश्यक तैयारियां समय से पूरी की जाएं.

उपायुक्त ने आवश्यक चिकित्सीय संसाधन, दवाइयां और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान आगजनी या किसी भी आकस्मिक घटना में त्वरित चिकित्सा सेवा प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता होगी. साथ ही सिविल सर्जन हजारीबाग को निर्देश दिया गया है कि सभी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बर्न ट्रीटमेंट से जुड़ी दवाइयों और अन्य आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण रखा जाए.

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी बर्न वार्ड की मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी ताकि तत्काल प्रारंभिक उपचार दिया जा सके. उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि पर्वों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की कमी न हो, इसके लिए विशेष निगरानी रखी जाए. इस प्रकार, प्रशासन पूरी तरह सतर्क है ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना में प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके.

क्लासिक लीजेंड्स का ऑफर: अभी चलाएं, 2026 में पैसा चुकाएं

हजारीबाग। क्लासिक मोटरसाइकिल प्रेमियों के लिए खुशखबरी है. प्रतिष्ठित दोपहिया वाहन निर्माता क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर – 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ' – की शुरुआत की है. यह ऑफर एलएंडटी फाइनेंस जैसी अग्रणी एनबीएफसी कंपनी के सहयोग से शुरू किया गया है, जिससे ग्राहकों को बाइक खरीदना और आसान हो गया है.

क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने बताया कि यह ऑफर ग्राहकों को वित्तीय रूप से सहज अनुभव देने और क्लासिक मोटरसाइकिल के प्रति उनके जुनून को पूरा करने के उद्देश्य से लाया गया है. कंपनी की यह पहल मोटरसाइकिलिंग को अधिक सुलभ और आनंददायक बनाने की दिशा में एक अहम कदम है.

यह ऑफर उन ग्राहकों के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगा जो बिना भुगतान के अपनी पसंदीदा बाइक का आनंद लेना चाहते हैं.

चंदवारा में सड़क हादसा: हाईवा की चपेट में आकर महिला गंभीर रूप से घायल

चंदवारा (कोडरमा) । चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग पर बांझेडीह रोड के समीप रविवार शाम करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार महिला को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल महिला की पहचान विमला देवी (28 वर्ष), ग्राम जामुखांडी, थाना चंदवारा के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, वह तिलैया से उरवाँ जा रही थीं, तभी झुमरी तिलैया से आ रही हाईवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. स्थानीय लोगों का कहना है कि बांझेडीह में प्रतिदिन तेज रफ्तार में एश लोड हाईवा गुजरती हैं और सड़क के दोनों ओर हाईवा खड़ी रहती है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार मौके पर पहुंचे .

विधायक के प्रयास से हजारीबाग की सड़कों पर लौट आई रौनक

शुभम संदेश। हजारीबाग

नगर निगम क्षेत्र की जर्जर सड़कों से त्रस्त हज़ारीबाग़ की जनता को अब राहत मिलने लगी है. लंबे समय से सड़कों की बदहाली, गड्ढे, कीचड़ और जलजमाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे नागरिकों को अब साफ-सुथरी और मजबूत सड़कों की सौगात मिल रही है. इस परिवर्तन के पीछे विधायक प्रदीप प्रसाद की सतत कोशिशें और संघर्ष हैं. उन्होंने जनता की पीड़ा को गंभीरता से लिया और नगर निगम व जिला प्रशासन का लगातार ध्यान इस ओर आकर्षित किया. जब बात नहीं बनी तो उन्होंने लेपो रोड पर बैल से हल जोतकर प्रतीकात्मक विरोध किया, जिससे जनभावनाओं की गूंज प्रशासन तक पहुँची. आज उसी संघर्ष का परिणाम है कि लेपो रोड सहित कई प्रमुख सड़कों का पुनर्निर्माण हो चुका है. यह केवल विकास नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ की जीत है. विधायक प्रसाद ने कहा, "जब जनता की बात ईमानदारी से उठाई जाती है, तो नतीजे ज़रूर आते हैं. यह जनता के विश्वास और सहभागिता की ताकत है." उन्होंने नगर निगम और सभी विभागों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के समन्वय से ही यह कार्य संभव हो पाया. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में एनएच सड़कें, नाले और जल निकासी व्यवस्था को भी बेहतर बनाया जाएगा.

विधायक ने जनता से अपील की कि वे नई सड़कों की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखें ताकि यह विकास लंबे समय तक टिक सके. उन्होंने कहा, "जनता की सेवा मेरा धर्म है और हज़ारीबाग़ का विकास मेरी प्राथमिकता."

चौपारण में खेत की जुताई के दौरान निकले दर्जनों रसेल वाइपर इलाके में मचा हड़कंप

चौपारण (हजारीबाग) । शनिवार को चौपारण के चतरा रोड स्थित खेत में ट्रैक्टर से जुताई के दौरान मिट्टी के नीचे छिपे दर्जनों रसेल वाइपर सांप निकल आने से हड़कंप मच गया. मजदूर और आसपास के लोग डर गए. सूचना मिलने पर वनपाल पंकज कुमार की टीम मौके पर पहुंची और सावधानी से जीवित व घायल सांपों को पकड़ कर नजदीकी जंगल में छोड़ा. मारे गए सांपों का भी सही तरीके से निस्तारण किया गया. वनपाल ने कहा कि रसेल वाइपर बेहद विषैला और आक्रामक होता है, जिसकी लंबाई 4-5 फीट तक होती है. उन्होंने ग्रामीणों से सफाई बनाए रखने और सांप दिखने पर मारने की बजाय वन विभाग को सूचित करने की अपील की. इससे जान-माल का नुकसान टाला जा सकता है.

एक नजर

विद्यालय में दीपोत्सव पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ के पवन मेमोरियल पब्लिक स्कूल में दीपोत्सव के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ सुंदर और आकर्षक रंगोलियाँ बनाई. प्राचार्य विकास कुमार पांडेय ने कहा कि रंगोली हमारी सांस्कृतिक विरासत है, जो बच्चों में रचनात्मकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती है. शिक्षक मधु मिस ने इसे विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का उत्तम माध्यम बताया, जबकि शबीना मिस ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक चेतना को जागृत करते हैं. ममता कुमारी ने सुंदर शब्दों में कहा, "एक उत्तम रंगोली डिज़ाइन परंपरा का उत्सव है." प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खासकर मयूर आधारित रंगोलियाँ बनाकर सबका मन मोह लिया. इस आयोजन ने न केवल बच्चों की कला कौशल को बढ़ावा दिया, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जोड़ने का अवसर प्रदान किया.

डीएवी बरकाकाना के 'असीमित' समूह ने दीपावली पर जरूरतमंदों संग बांटी खुशियां, बच्चों ने मनाया छठ पर्व

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल, बरकाकाना के शिक्षकों और छात्रों ने 'असीमित' समूह के तहत दीपावली के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच मिठाइयाँ और पटाखे वितरित कर समाज में खुशियाँ बाँटीं. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा मजीद के मार्गदर्शन में हुए इस सेवा कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों में करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा. इस मौके पर नर्सरी से कक्षा दो तक के बच्चों ने विद्यालय परिसर में दीपावली और छठ पर्व का उत्सव मनाया. रंग-बिरंगे कपड़ों में सजे बच्चों ने दीप जलाए, पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उत्सव को जीवंत बना दिया.

दिव्यांगजनों के साथ मनाई धनतेरस, शेफाली गुप्ता ने बांटी खुशियां, विशेष दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग। हजारीबाग में भाजपा नेत्री और समाजसेवी शेफाली गुप्ता ने धनतेरस के अवसर पर दिव्यांग जनों के साथ एक खास दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम सिमेट्री रोड स्थित परिसर में हुआ, जिसमें हजारीबाग के विभिन्न इलाकों से दिव्यांग जन शामिल हुए. समाज में संवेदनशीलता और समानता का संदेशः शेफाली गुप्ता ने कहा कि दिव्यांगता कमजोरी नहीं बल्कि ईश्वर का दिया हुआ वरदान है, और हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने त्योहारों का असली अर्थ हर वर्ग को शामिल कर ही पूरा होने वाला बताया। कार्यक्रम में दीप जलाने के साथ मिठाई बांटी गई, जिससे सभी ने मिलकर इस दिन को यादगार बनाया.सराहनीय पहल और आगे के प्रयासः कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज में समरसता और समानता का संदेश बताया। शेफाली गुप्ता ने सभी दिव्यांग जनों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि भविष्य में उनके कल्याण के लिए लगातार सहयोग जारी रहेगा। यह आयोजन सच्ची खुशी का संदेश लेकर आया, जो दूसरों की खुशियों में शामिल होने से मिलती है.

प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो अवैध क्लीनिक सील

जयनगर (कोडरमा) । स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और फर्जी चिकित्सा केंद्रों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से शनिवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की. एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में मधवाटांड़ स्थित प्राईमरी हेल्थ केयर सेंटर और सतगुरु इलेक्ट्रो होम्योपैथी क्लीनिक को सील कर दिया गया.

जांच के दौरान इन क्लीनिकों के पास न तो वैध कागजात मिले और न ही प्रशिक्षित चिकित्सक मौजूद थे. इसके बावजूद मरीजों से शुल्क लेकर इलाज किया जा रहा था. मौके पर कोई सरकारी मान्यता, पंजीकरण या चिकित्सीय अनुमति संबंधित दस्तावेज नहीं मिले. एसडीओ रिया सिंह ने स्पष्ट कहा कि बिना अनुमति क्लीनिक चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. संचालकों को दो सप्ताह के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, अन्यथा प्राथमिकी दर्ज की जाएगी. इस कार्रवाई के दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, अंचल अधिकारी सारांश जैन, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही.क्षेत्र के लोग प्रशासन की इस पहल की सराहना कर रहे हैं और उम्मीद है कि अन्य अवैध क्लीनिकों पर भी शीघ्र कार्रवाई होगी.

अवैध अफीम की खेती रोकने के लिए पुलिस का सख्त अभियान, जागरूकता भी फैलायी गई

चौपारण (हजारीबाग) । पुलिस ने शनिवार को चौपारण थाना क्षेत्र के नावाडीह, अहरी, सिलोदर और मूर्तियां गांवों में अफीम की अवैध खेती रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया. बरही डीएसपी अजीत कुमार विमल और सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में ग्रामीणों को नशा और अफीम की खेती के खतरे से अवगत कराया गया. पुलिस अधिकारियों ने एनडीपीएस एक्ट के तहत अफीम की खेती पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार, समाज और देश की उन्नति में बाधा है. पुलिस ने ग्रामीणों से नशा उत्पादन, व्यापार और सेवन से दूर रहने की अपील की. अभियान में चौपारण थाना के अधिकारी और जवान भी सक्रिय रहे. पुलिस ने स्पष्ट किया कि अफीम की खेती पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी.

ब्रीफ न्यूज

गैंगरेप के दो आरोपितों को 20-20 साल की सजा

गुमला। एडीजे चार संजीव भाटिया की अदालत में शुक्रवार को 16 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के दो अभियुक्तों को 20-20 साल की सजा व 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया. इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सुधीर टोप्पो ने पैरवी की. घटना 31 दिसंबर 2018 की है. घटना के समय शाम 6:30 बजे पीड़िता घर के बगल खेत में शौच के लिए गई हुई थी. उसी दौरान बानपुर निवासी सुचित गोप व पानीलता गांव निवासी नंदलाल ने किशोरी को डरा धमका कर दुष्कर्म किया. किशोरी के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन वहां पहुंचे. परिजनों को देखकर दोनों आरोपी वहां से फरार हो गए. घटना के अगले दिन आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी.

सड़क हादसे में घायल रंजन की इलाज के दौरान हुई मौत

गुमला। सड़क हादसा में घायल 55 वर्षीय रंजन मिश्रा की मौत शुक्रवार की शाम रांची के एक निजी अस्पताल में हो गई. मृतक रंजन मिश्रा चेटर के रहने वाले थे और लोहरदगा रोड में इनका राजन मेडिकल हॉल नामक प्रतिष्ठान है. बुधवार की शाम एक बोलेरो के टक्कर से मिश्रा घायल हो गए थे. सदर अस्पताल गुमला में प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया था. परिजनों ने रात में ही निजी एंबुलेंस की व्यवस्था कर उसे रांची रिम्स ले गए। जहां से उसे रांची के एक निजी अस्पताल ले भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

हथियारों से लैस चार अपराधी गिरफ्तार

लोहरदगा। पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है. शुक्रवार देर रात भंडरा थाना क्षेत्र में एक शेड से हथियारों से लैस चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. एसपी सादिक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई. सूचना थी कि चट्टी चौक से नरकोपी जाने वाली सड़क के मोड़ पर एक शेड में कुछ युवक किसी गंभीर आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं. इस पर छापेमारी दल ने तत्परता से कार्रवाई की और चार अपराधियों को खदेड़कर पकड़ लिया.

रिष्ठ माकपा नेता अंगद सिंह मुंडा का निधन

सोनाहातू। प्रखंड के दुलमी-बोंगादार गांव निवासी वरिष्ठ माकपा सह किसान नेता कॉमरेड अंगद सिंह मुंडा का शनिवार को 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई. वे 24 वर्ष की उम्र में माकपा से जुड़कर आजीवन किसान-मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई में संघर्षरत रहे. पांच परगना क्षेत्र में लाल झंडा बनाम सफेद झंडा आंदोलन में उन्होंने लाल झंडा का नेतृत्व करते हुए अहम भूमिका निभाई.

बंधु तिर्की ने आंगनबाड़ी केंद्र भवन का किया शिलान्यास

इटकी। प्रखंड के महुआ टिकरा में शनिवार को आंगनबाड़ी केंद्र भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास पूर्व मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने विधिवत रूप से नारियल फोड़कर और शिलापट से पर्दा हटाकर किया. इस भवन का निर्माण करीब 11 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा. शिलान्यास समारोह में बंधु तिर्की ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र भवन बनने से बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में शिक्षा और पोषण मिलने की सुविधा सुनिश्चित होगी.

धनतेरस बाजार रहा गुलजार, सौ करोड़ से अधिक का कारोबार

शुभम संदेश। गुमला

गुमला में शनिवार को धनतेरस का त्योहार पूरे जोश-खुशी के साथ मनाया गया. इस अवसर पर जिला मुख्यालय के धनतेरस बाजार में सौ करोड़ से अधिक के कारोबार की खबर सामने आई है. शहर के बाइक शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों और ज्वेलरी शोरूमों में भारी भीड़ देखने को मिली. धनतेरस के दिन सोना, चांदी, पीतल, तांबा, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और झाड़ू की खरीददारी की परंपरा यहां आज भी कायम है, जो दिन-ब-दिन और मजबूत होती जा रही है. शहर का मेन रोड भीड़ से इतना भरा रहा कि वाहनों का प्रवेश रोकना पड़ा. चार पहिया, तीन पहिया वाहन और बड़े वाहन इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाए, जिससे सवारियों को रास्ते में उतरकर पैदल बाजार तक पहुंचना पड़ा. गुमला के प्रमुख बाइक शोरूम जैसे बुलेट, खतरी हीरा, टीवीएस, होंडा और बजाज में वाहन खरीदने वालों की भारी भीड़ रही. धनतेरस पर सोना-चांदी की खरीददारी का चलन यहां भी खासा प्रचलित है.

सोने के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने आभूषण खरीदने में कोई कसर नहीं छोड़ी. चांदी के सिक्कों की मांग भी अधिक रही. ज्वेलरी दुकानों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं. इसके अलावा, पीतल और तांबे के बर्तन, पूजा थाल, दीपक, सूप जैसी चीज़ों की भी जमकर खरीददारी हुई. महावीर ग्लास स्टोर और बिरसा हार्डवेयर जैसी दुकानों में भी ग्राहकों का तांता लगा रहा. दीपावली की तैयारियों के तहत झाड़ू, लड़ी लाइट, तेल दीपक और अन्य सजावट के सामान की बिक्री भी जोरों पर थी. गुमला के ग्रामीण क्षेत्रों में भी धनतेरस पर बर्तन और आभूषणों की खरीददारी देखने को मिली. ग्रामीणों ने भी त्योहार की खरीददारी में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिससे बाजार में रौनक बनी रही. कुल मिलाकर गुमला का धनतेरस बाजार इस बार भी परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम साबित हुआ, जिसने स्थानीय व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के चेहरे पर खुशी ला दी. आने वाले समय में भी इस उत्साह और खरीददारी की रफ्तार बढ़ती रहने की संभावना है.

आरएसएस की शताब्दी पर डुमरडीह मंदिर में सशस्त्र पूजन समारोह

सशक्त सनातन एकजुटता का दिया गया प्रमुख संदेश

शुभम संदेश। गुमला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को डुमरडीह के श्री महावीर मंदिर के प्रशाल में भव्य संघ शताब्दी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस खास अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत सशस्त्र पूजन किया गया, जिसमें यजमान रविंद्र कुमार और निरंजन कुमार ने भाग लिया. कार्यक्रम में सामाजिक समरसता और सशक्त सनातन एकजुटता का प्रमुख संदेश दिया गया. संघ के विभाग प्रचारक शम्मी ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश ऋषि-मुनियों, साधु-संतों तथा भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण का है. उन्होंने बताया कि देश में मुगलों के बढ़ते प्रभाव और सामाजिक बिखराव के समय डॉ. केबी हेडगेवार ने सनातन संस्कृति की रक्षा और राम राज्य की स्थापना के उद्देश्य से वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी. भगवा ध्वज को गुरु मानकर उन्होंने हिंदुओं को संगठित करना आरंभ किया. शम्मी ने कहा कि डॉ. हेडगेवार द्वारा लगाया गया बीज अब एक विशाल वट वृक्ष के समान फैल चुका है, जो न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी सनातन हिंदू संस्कृति को जागृत कर रहा है. उन्होंने कहा कि आज के समय में भी हिंदू समाज पर विभिन्न आंतरिक एवं बाहरी खतरे मंडरा रहे हैं. लव जेहाद, लैंड जेहाद और नशा जैसी समस्याएं समाज को कमजोर करने की कोशिशें हैं, जिनसे बचाव करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है. शम्मी ने लोगों से आग्रह किया कि वे इस समाज को संघ से जोड़ने और संगठित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं.

कार्यक्रम में संघ प्रार्थना के बाद मिठाई का वितरण भी किया गया. इस मौके पर कर्पूरी ठाकुर, जिला प्रचारक कुमार, विभाग प्रचार प्रमुख बलदेव शर्मा, वनवासी कल्याण केंद्र के संगठन मंत्री खेदू नायक सहित निर्मल सिंह, नवीन कुमार जायसवाल, जगलाल प्रसाद, रंजित जायसवाल, अनिल सागर सिंह, राधेश्याम भगत, मनीष जायसवाल, संदीप प्रसाद, जय प्रकाश साहु, मनोज गुप्ता, शिवम कुमार सिंह, किशोर कुमार जायसवाल, प्रमोद कुमार जायसवाल, गोपाल जायसवाल, मिथुन जायसवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे. इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने सौ वर्ष के संघर्ष, समर्पण और समाज को एकजुट करने की भावना को पुनः सक्रिय किया.

इनरव्हील परिवार ने नारी निकेतन वृद्धाश्रम में मनाया दीपावली महोत्सव

गुमला। रोटरी क्लब के महिला इकाई इनरव्हील क्लब परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार को नारी निकेतन वृद्धा आश्रम में दीपावली महोत्सव मनाया. इनरव्हील क्लब के सदस्यों ने दीपावली महोत्सव के अवसर पर वृद्धा आश्रम के वृद्धों के बीच मिठाई बांटे, उनके बीच में कुछ नए और कुछ पुराने कपड़ों का वितरण किया. उनके बीच दीया बाती और तेल भी दिए ताकि दीपावली के दिन दीप जलाकर खुशियां मना सके. इनरव्हील क्लब के अध्यक्ष निर्मला अग्रवाल ने कहा कि सामाजिक समरसता और मानवता की सेवा इनरव्हील क्लब का उद्देश्य है. उन्होंने कहा कि नारी निकेतन में रहने वाले वृद्ध अनाथ भी समाज के अंग हैं. पर्व त्योहार में अपने घर परिवार दूर होने का एहसास न हो इसके लिए इनरव्हील क्लब परिवार एक साथ दीपावली मना रहा है. क्लब के सदस्यों ने सभी वृद्ध एवं नारी निकेतन के संचालकों को दीपावली की शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सचिव राजकुमारी विश्वकर्मा, उषा गुप्ता, फ्लोरा मिंज, पार्वती जायसवाल, रेणु पंकज, फूलमनी देवी, आकांक्षा पंकज, पूजा कुमारी आदि शामिल थे.

आयोडीन एक अति आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है: सीएस

गुमला। विश्व आयोडीन न्यूनवता विकार नियंत्रण दिवस के अवसर पर शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का उद्देश्य जनमानस को आयोडीन की महत्ता और उसके अभाव से होने वाले रोगों के प्रति जागरूक करना था. कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धनुर्जय सुम्ब्रय एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. केके मिश्रा ने किया. सिविल सर्जन डॉ. चौधरी ने कहा कि आयोडीन एक अति आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है, जो थायरॉयड ग्रंथि के सुचारू कार्य के लिए आवश्यक होता है. इसके अभाव में मानसिक विकास में बाधा, गॉइटर, थकान और जन्मजात विकलांगता जैसी समस्याएं हो सकती हैं. उन्होंने बताया कि शरीर में आयोडीन की पूर्ति आयोडीनयुक्त नमक के सेवन से ही संभव है. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आयोडीन युक्त नमक का ही प्रयोग करें तथा इसकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नमक को गीले हाथों से न निकालें, खुले में न रखें और न ही आग के पास रखें. अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धनुर्जय सुम्ब्रय और जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. के. के. मिश्रा ने भी आयोडीन युक्त नमक के उपयोग और इसके लाभों पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि इस अभियान को पूरे माह भर चलाया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जागरूकता फैलाई जा सके. इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन जिला कार्यक्रम समन्वयक अभिनीत आनंद ने किया. कार्यशाला में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ललिता मिंज, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जया रेशम खाखा, लेखा प्रबंधक प्रमोद साहु मौजूद थे.

सहारा इंडिया में जमा पैसे जल्द भुगतान कराएं, नहीं तो होगा आंदोलन: विजय सिंह

गुमला। झारखंड नवनिर्माण दल व ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच बसिया के तत्वाधान में केंद्र व राज्य सरकार होश में आओ, मेहनत का जमा पैसा शुद् समेत देना होगा, खून पसीने का जमा पैसा हम किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे, जरूरत पड़े तो आंदोलन के बल पर जमा पैसा लेकर रहेंगे, इंकलाब जिंदाबाद, जैसे आक्रोश पूर्ण नारे के साथ कोनबीर के सरहुल बगीचा में विमल टेटे की अध्यक्षता में सभा हुई. ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार सहारा इंडिया, एपीलाइन, पल्स, इत्यादि दर्जनों-दर्जन कंपनी में जमा पैसे की जल्द भुगतान नहीं हुई तो प्रचंड आंदोलन किया जाएगा. जिसकी सारी जवाबदेही सरकार की होगी. सिंह ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गरीबों को अपने ही पैसा का भुगतान की मांग को लेकर परेशान होना पड़ रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

सिंह ने 6 नवंबर को बसिया में आयोजित विशाल जुलूस प्रदर्शन में प्रखंड क्षेत्र से सैकड़ो की संख्या में जमाकर्ता महिला-पुरुष से आने की अपील की है। बैठक में आगामी 24 अक्टूबर को कोनबीर सरहुल बगीचा में दिन के 11 बजे आयोजित अंतिम दौर की बैठक में भारी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने तथा भुगतान की मांग को लेकर 6 नवंबर को जुलूस प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जनभागीदारी निभाने के अलावे संगठन को विस्तार व मजबूत करने का निर्णय लिया गया है. बैठक में बसंत बड़ाईक, कृष्ण गोप, रोहित सिंह, जतरू तिर्की, राजेश सिंह, अनिल टोपनो, ननकू मिंज, अजीत बेक, बसंत उरांव, भीख उरांव, फगुआ मुंडा, चतुर सिंह, गुंदर महतो, नारायण भूईया, शुकरा खड़िया, गजेंद्र साहू, अनिता देवी, शोभा उरांव, सावित्री देवी, जूलियस टोपनो के अलावे सैकड़ो की संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे.

एक नजर

संत अलोइस मोंटेसरी स्कूल में रेड डे और आर्ट एंड क्राफ्ट्स एग्जीबिशन का आयोजन

रांची। संत अलोइस मोंटेसरी स्कूल में रेड डे के अवसर पर आर्ट एंड क्राफ्ट्स एग्जीबिशन एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड और पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता एवं विद्यालय के 1987 बैच के पूर्व छात्र एडवोकेट दयानंद सिंह उपस्थित रहे. विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के शाखा प्रबंधक विकास कुमार और विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र सीए रणजीत सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. बच्चों एवं माताओं के संयुक्त प्रयास से बनी आर्ट एंड क्राफ्ट्स प्रदर्शनी को देखते हुए मुख्य अतिथि ने इसे बच्चों की प्रतिभा को उजागर करने का शानदार मंच बताया. उन्होंने बच्चों की नृत्य-संगीत प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र की धरोहर और उज्जवल भविष्य का आधार बताया.

धनतेरस पर इटकी और आसपास के क्षेत्रों में बाजार में उमड़ी भीड़, लोगों ने खरीदे सामान

इटकी। इटकी और इसके आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को धनतेरस के शुभ अवसर पर दुकानों को सुंदर और आकर्षक ढंग से सजाया गया. इस मौके पर लोगों ने अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदारी की. खासकर फ्रिज, सोफा सेट, टीवी और बर्तन की दुकानों पर भारी भीड़ नजर आई. लोग नए सामान लेने के लिए उत्साहित दिखाई दिए और दुकानदारों की भी चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी. धनतेरस पर झाड़ू की खरीदारी भी काफी देखने को मिली, जो घर की साफ-सफाई और समृद्धि के लिए शुभ माना जाता है. इसके अलावा, करंज तेल और मिट्टी के दिए की दुकानों पर भी लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई. मिट्टी के दिए को घरों में दीपावली के दौरान जलाना परंपरा का हिस्सा है, जिसकी वजह से इन दुकानों पर क्रय-विक्रय का माहौल रहा.

सोनाहातू में अनोखी परंपरा: धनतेरस पर मिट्टी के बर्तनों की धूम, लोगों ने जमकर की खरीदारी

सोनाहातू। प्रखंड में शनिवार को साप्ताहिक हाट का आयोजन हुआ, जहां धनतेरस के मौके पर मिट्टी के बर्तनों की धूम रही. इस हाट में स्थानीय कुम्हारों ने सुंदर मिट्टी के बर्तन सजाकर रखे थे, जिन्हें खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी. स्थानीय परंपरा के अनुसार, दीपावली के बाद गोरेया पूजा की जाती है, जिसमें मिट्टी के बर्तनों में बने पकवानों का भोग चढ़ाया जाता है. इसी मान्यता के चलते धनतेरस पर लोग मिट्टी के बर्तन जरूर खरीदते हैं, चाहे अन्य सामान लें या नहीं. इस हाट में 40 से 150 रुपये तक के मिट्टी के बर्तन खूब बिके, जिससे कुम्हारों को अच्छी आमदनी हुई. मुरलीधर प्रजापति, एक स्थानीय कुम्हार ने बताया कि अब लोग आम दिनों में मिट्टी के बर्तन भले न खरीदें, लेकिन सोहराई और गोरेया पूजा में इनकी मांग बनी रहती है. अच्छी बारिश और त्योहारी माहौल के चलते इस बार हाट में खासा उत्साह देखने को मिला.

सोनाहातू और राहे प्रखंड के विभिन्न स्कूलों में छात्राओं ने ग्रुप बनाकर आकर्षक रंगोलियां बनाई

सोनाहातू/राहे। प्रखंड के विभिन्न स्कूलों में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्राओं की रचनात्मकता और कला प्रतिभा को मंच दिया गया. राहे प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय और सर्वोदय पब्लिक स्कूल में छात्राओं ने ग्रुप बनाकर आकर्षक रंगोलियां बनाई. सर्वोदय पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में मार्स, मरकरी, जूपिटर और वीनस ग्रुप के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें मार्स ग्रुप विजेता रहा. विजेता छात्राओं को विद्यालय के चेयरमैन हराधन महतो, निदेशक सुनील महतो, प्राचार्य ज्ञान महतो, जिप सदस्य बादल महतो, मार्या लीशा और नीतू अनिशा ने सम्मानित किया.

नामकुम के नायक टोली में बच्चों संग सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह ने मनाया जन्मदिन

नामकुम। राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह ने अपना जन्मदिन नायक टोली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ मनाकर समाजसेवा की मिसाल पेश की. इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच फुलझड़ी, बिस्किट, चिप्स और चॉकलेट वितरित किए, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे. कुछ बच्चों को नए कपड़े भी भेंट किए गए. बच्चों ने मिलकर "हैप्पी बर्थडे मनोज अंकल" कहकर उन्हें शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम के दौरान सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को किसी भी चीज़ की आवश्यकता हो, तो वे हमेशा मदद को तत्पर रहेंगे.

परमवीर के पुत्र विसेंट एक्का सहित वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को किया गया सम्मानित

गुमला। सभागार में शहीद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का के पुत्र विसेंट एक्का सहित 12 पूर्व सैनिक एवं बीस वीर नारियों को सम्मानित किया गया. उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो, अनुमंडल पदाधिकारी सदर राजीव नीरज, जिला सामान्य शाखा पदाधिकारी सुशील कुमार खाखा, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी ललन कुमार रजक आदि ने वीर शहीद के वीर नारी एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया. डीडीसी ने सभी वीर नारियों और भूतपूर्व सैनिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा देश की सेवा में जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें हम नमन करते हैं.

स्वच्छता के प्रति जागरूकता: इटकी के कुंदी मैदान में गांव के दर्जनों बच्चों ने की साफ-सफाई

इटकी। प्रखंड अंतर्गत कुंदी मैदान में शनिवार को एक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसका नेतृत्व समाजसेवी डब्बू केरकेट्टा ने किया. इस अभियान में कुंदी और आसपास के गांवों के दर्जनों बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की और मैदान की साफ-सफाई की. बच्चों ने बताया कि यह मैदान स्थानीय लोगों के लिए मॉर्निंग वॉक, दौड़ और वर्जिश का प्रमुख स्थल है. ऐसे में इसका स्वच्छ रहना न केवल स्वास्थ्य के लिहाज से जरूरी है, बल्कि इससे समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है. समाजसेवी डब्बू केरकेट्टा पिछले तीन दशक से बच्चों, युवकों और युवतियों को खेल-कूद और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करते आ रहे हैं.

स्वदेशी

दीपावली पर बाजार में छाए स्वयं सहायता समूहों के बने पारंपरिक और स्थानीय उत्पाद

बेंत की टोकरियों में सजाए गए लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां

शुभम संदेश। सिमडेगा

दीपावली महापर्व के अवसर पर सिमडेगा जिले की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित पारंपरिक और स्थानीय उत्पाद इस बार बाजार में खूब छा गए हैं. गांधी मैदान और समाहरणालय परिसर में लगाए गए इन स्टॉलों पर भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां ग्राहक न केवल खरीदारी कर रहे हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण भी देख रहे हैं. स्टॉलों में इस बार 'पलाश गिफ्ट हैंपर' मुख्य आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. बेत की सुंदर टोकरियों में सजे ये गिफ्ट पैक लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों के साथ रागी और तिल के लड्डू, शुद्ध शहद, दीया, करंज तेल, चुनरी आदि जैसे पारंपरिक उत्पादों से युक्त हैं. खरीदारों का कहना है कि ये उपहार पूरी तरह स्वदेशी हैं और त्योहार की भावना से गहराई से जुड़े हुए हैं. कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा भी खूबसूरत पैकिंग में तैयार लड्डुओं की बिक्री जोरशोर से की जा रही है. ये लड्डू न केवल स्वादिष्ट हैं, बल्कि उपहार स्वरूप देने के लिए उपयुक्त भी हैं, जिससे इनकी मांग लगातार बढ़ रही है.

स्टॉलों पर सजावट और घरेलू उपयोग की वस्तुएं भी ग्राहकों को खूब लुभा रही हैं. फटकनी (सूप), झाड़ू, मिट्टी के खिलौने, हस्तशिल्प सामग्री और अन्य पारंपरिक वस्तुएं न केवल बिक्री के आंकड़ों में वृद्धि कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण शिल्पकला की सुंदर झलक भी प्रस्तुत कर रही हैं. स्थानीय प्रशासन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन (जेएसएलपीएस) के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी ने महिला समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मजबूती प्रदान की है. उप विकास आयुक्त के निर्देश पर जिले के 10 बड़े प्रतिष्ठानों में पलाश ब्रांड के उत्पादों को उपलब्ध कराया गया है, जिससे इन महिलाओं को स्थानीय बाजार में प्रवेश का अवसर भी मिला है. दीदियों ने उपायुक्त कंचन सिंह एवं उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी को पलाश गिफ्ट हैंपर सप्रेम भेंट किया. यह एक प्रतीकात्मक गेस्चर था, जिससे प्रशासन और महिला समूहों के बीच सहयोग की भावना और गहरी हुई है. इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया है कि ग्रामीण उत्पादों और महिला उद्यमिता को यदि सही मंच और समर्थन मिले, तो वे न केवल बाजार में अपनी जगह बना सकते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत को भी नई पहचान दे सकते हैं. आने वाले समय में ऐसे आयोजनों के और भी व्यापक स्तर पर आयोजित होने की उम्मीद है, जिससे और अधिक महिलाओं को स्वरोजगार और सम्मान के अवसर प्राप्त होंगे.

सड़क सुरक्षा को लेकर उपायुक्त की आपात बैठक, भारी वाहनों के प्रवेश पर आंशिक रोक

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने समाहरणालय सभाकक्ष में आपात बैठक बुलाई. बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए. उपायुक्त ने दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभिन्न विभागों को सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया. बैठक में राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल रांची, पथ प्रमंडल लोहरदगा और नगर परिषद को निर्देश दिया गया कि वे हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर बॉक्साइट खनन क्षेत्र और अन्य संवेदनशील पथों की जांच करें. साथ ही, तकनीकी खामियों को एक माह के भीतर दूर कर प्रतिवेदन समर्पित करें.

उपायुक्त ने राष्ट्रीय उच्च पथ विभाग को शहरी क्षेत्र में गति सीमा निर्धारित करने और स्पष्ट साइनेज लगाने का निर्देश दिया. सड़क की चौड़ाई को चिह्नित करने और जहां निर्माण में तकनीकी त्रुटियां हैं, उन्हें जल्द ठीक कराने का आदेश भी दिया गया. हर सोमवार और शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक शहरी क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है. नगर परिषद को न्यू रोड स्थित नालियों को ढकने और शहरी क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है. वाहन चेकिंग अभियान को नियमित रूप से चलाने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी और पुलिस विभाग को आपसी समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया. उपायुक्त ने कहा कि अगर कोई अव्यस्क भारी वाहन चलाते पाया गया, तो संबंधित वाहन मालिक या कंपनी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

इसके अलावा, हेलमेट चेकिंग, हैलोजन लाइट, शराब पीकर वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग, लाइसेंस और नंबर प्लेट की जांच आदि को लेकर सख्ती बरतने का निर्देश दिया गया है. सिविल सर्जन को दुर्घटना मामलों में त्वरित पोस्टमार्टम रिपोर्ट थानों को देने का निर्देश दिया गया. उपायुक्त ने कहा कि यातायात नियमों को लेकर आमजन को जागरूक किया जाए. साथ ही, यह समीक्षा की जाए कि किस समयावधि में दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, ताकि उसी अनुसार ठोस कार्रवाई की जा सके.

मंथन

वोट चोरी का आरोप लगा कर राहुल अब क्यों पीछे हट रहे हैं

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनावों में वोट चोरी को लेकर दिए गए बयानों ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी थी. उन्होंने यह आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कुछ सरकारी संस्थान मिलकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं और चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है. लेकिन अब जब राहुल गांधी इन आरोपों से पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया.सबसे पहला कारण यह हो सकता है कि उनके पास इस आरोप को सिद्ध करने के लिए ठोस प्रमाण नहीं थे. बिना सबूत के ऐसे गंभीर आरोप लगाने से उनकी विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा. विपक्ष और मीडिया के एक वर्ग ने उनसे बार-बार सबूत मांगा, लेकिन कोई स्पष्ट दस्तावेज या तथ्य सामने नहीं आया. ऐसे में उन्हें अपने आरोपों को नरम करना पड़ा.दूसरा कारण यह हो सकता है कि कानूनी और संवैधानिक संस्थाओं की ओर से दबाव महसूस हुआ हो. चुनाव आयोग ने इस तरह के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा था. यदि कोई प्रमाण नहीं होता, तो यह मामला कांग्रेस के लिए उल्टा पड़ सकता था.तीसरा, रणनीतिक दृष्टिकोण से भी राहुल गांधी और कांग्रेस को लगा होगा कि इस मुद्दे पर ज़्यादा जोर देने से आम मतदाताओं में नकारात्मक संदेश जा सकता है. जनता लोकतंत्र की प्रक्रिया में विश्वास रखती है, और बार-बार संस्थानों पर सवाल उठाना मतदाताओं को दूर कर सकता है.इसलिए, राहुल गांधी का पीछे हटना एक राजनीतिक और रणनीतिक कदम प्रतीत होता है, जिससे वे अनावश्यक विवाद से बचना चाहते हैं और चुनावी मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं.

नजरिया

घाटशिला उपचुनाव: पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की प्रतिष्ठा दांव पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के लिए घाटशिला विधानसभा उपचुनाव सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा की अग्निपरीक्षा बन चुका है. राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख चेहरों में गिने जाने वाले चंपई सोरेन अब संगठन की मजबूती और जनाधार बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहे हैं. घाटशिला सीट झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में स्थित है, जो औद्योगिक और आदिवासी बहुल क्षेत्र है. यहां झामुमो की परंपरागत पकड़ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा और अन्य दलों ने भी मजबूत पैठ बनाई है. ऐसे में यह उपचुनाव चंपई सोरेन के नेतृत्व कौशल की असली परीक्षा है. यदि झामुमो इस सीट को बरकरार रखने में सफल रहती है, तो यह चंपई सोरेन की रणनीतिक क्षमता और क्षेत्र में उनकी पकड़ का प्रमाण होगा. वहीं हार की स्थिति में यह विपक्ष को उन पर निशाना साधने का बड़ा मौका दे सकता है.चंपई सोरेन के लिए यह चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि यह उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद का पहला बड़ा राजनीतिक पड़ाव है. पार्टी और समर्थक यह देखना चाहेंगे कि वह सत्ता में न होते हुए भी संगठन और कार्यकर्ताओं को कितनी मजबूती से एकजुट रख पाते हैं. इसके अलावा, भाजपा इस चुनाव को राज्य सरकार की नीतियों पर जनमत संग्रह की तरह देख रही है. ऐसे में घाटशिला का चुनाव सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है. इस प्रकार, चंपई सोरेन की साख और झामुमो की जमीन दोनों इस उपचुनाव में कसौटी पर है.

आहार संग आदिवासी जीवन का अद्भुत संसार

डॉ. मयंक मुरारी

भारत के आदिवासी समुदायों का आहार केवल उनके भूख मिटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन दर्शन, प्रकृति से उनके गहरे संबंध, सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भरता का एक समग्र प्रतिबिंब है. उनका खानपान प्रकृति के साथ सहजीवी संबंध का उत्तम उदाहरण है, जिसमें जंगलों से प्राप्त मौसमी कंद-मूल, पत्तेदार सब्जियां, अनाज, मछली, मांस और जड़ी-बूटियां प्रमुख भूमिका निभाते हैं. यह भोजन न केवल पर्यावरण के अनुकूल होता है, बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर भी होता है.

जंगलों से प्राप्त मौसमी कंद-मूल, पत्तेदार सब्जियां, अनाज, मछली, मांस व जड़ी-बूटियां प्रमुख भूमिका निभाते हैं.

प्रकृति के करीब आदिवासी आहार दर्शन : आदिवासी भोजन प्रणाली पूरी तरह से स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित होती है. खेतों और जंगलों से प्राप्त बिना खेती की सब्जियां, जंगली फल, कंद-मूल, बीज और अनाज, उनके भोजन का मुख्य आधार होते हैं. आदिवासी लोग वर्षा ऋतु में उगनेवाले विशेष पौधों और कंदों को इकट्ठा करके, पूरे वर्ष के लिए संरक्षित करते हैं. यही कारण है कि उनका भोजन मौसम, भौगोलिक स्थिति और पारिस्थितिकीय संतुलन के अनुसार बदलता है. झारखंड की अरुणा तिर्की, जो आदिवासी भोजन की एक जानी-मानी विशेषज्ञ हैं, कहती हैं कि भोजन केवल पोषण नहीं, बल्कि संस्कृति और पहचान का भी प्रतीक है. हम जो खाते हैं, वह न केवल हमारी शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि हमारे समुदाय, हमारी मिट्टी और हमारी परंपराओं की भी गवाही देता है.

पोषण से भरपूर और औषधीय गुणों से युक्त : आदिवासी भोजन में प्रयुक्त सामग्री जैसे-कंद, अंकुर, जामुन, मेवे, मछली, अंडा, मांस, शंख आदि पोषक तत्वों के अत्यंत समृद्ध स्रोत हैं. ये खाद्य पदार्थ प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, जिंक, फाइबर और विटामिनों से भरपूर होते हैं. कई शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि आदिवासी भोजन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है.

औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों का क्षेत्र भी आदिवासी जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है. नृवंशविज्ञान पर आधारित शोधों के अनुसार, आदिवासी समुदाय लगभग 9,000 से अधिक पौधों की प्रजातियों के औषधीय उपयोग से परिचित हैं. ये पौधे न केवल बीमारियों के इलाज में प्रयोग होते हैं, बल्कि कई बार भोजन में भी उपयोग किए जाते हैं, जिससे भोजन का औषधीय मूल्य और भी बढ़ जाता है.

पारंपरिक खाना पकाने की विधियां और उपकरण : आदिवासी खानपान में सबसे खास बात यह है कि भोजन पकाने की विधियाँ सरल होते हुए भी अत्यधिक पोषण-संवर्धक होती हैं. इनमें कम आँच पर धीमी गति से पकाना, भाप में पकाना, उबालना और बहुत कम तेल में तलना शामिल है. इन विधियों में पोषक तत्वों की न्यूनतम क्षति होती है.

परंपरागत उपकरण जैसे लकड़ी का मूसल, पत्थर का सिलबट्टा, जांता (पारंपरिक चक्की) आदि का प्रयोग भोजन को संसाधित करने के लिए किया जाता है. ये उपकरण आधुनिक मशीनों की तरह अनावश्यक गर्मी या रसायनिक प्रक्रिया नहीं उत्पन्न करते, जिससे खाद्य पदार्थों के प्राकृतिक गुण संरक्षित रहते हैं.

विशिष्ट झारखंडी व्यंजन : झारखंड के आदिवासी व्यंजनों की सूची में कई अद्भुत और स्वादिष्ट पकवान शामिल हैं: धुस्काः चावल और उड़द दाल के मिश्रण से बना यह तला हुआ नाश्ता झारखंड में हर घर की शान है. इसे चटनी, घुघनी या मटन-चिकन करी के साथ खाया जाता है.

बुर्राः उड़द दाल से बने छोटे तले हुए गोले जो चटनी के साथ खाए जाते हैं. यह आदिवासी घरों से निकलकर अब मुख्यधारा के समाज में भी लोकप्रिय हो गया है.

पीठाः चावल के आटे से बने इन पकवानों में अंदर गुड़, दाल या मांस भरा जाता है. ये खासतौर पर त्योहारों पर बनाए जाते हैं.

चिल्का रोटीः चावल या मडुआ के आटे से बनी पतली रोटियाँ जो सादगी में भी स्वाद में समृद्ध होती हैं.

बोथल भातः यह पानी में डूबा चावल होता है जिसे गर्मियों में खाया जाता है. यह शरीर को ठंडक पहुँचाने वाला और ऊर्जा देने वाला आहार है.

डुबकी तियानः उड़द दाल के घोल से बनी पकौड़ियाँ, जो मसालेदार ग्रेवी में पकाई जाती हैं. यह उरांव समुदाय का प्रिय व्यंजन है.

लेटोः एक प्रकार का दलिया जिसमें महुआ, दाल और सब्जियाँ मिलाकर पकाया जाता है. यह संपूर्ण भोजन का उदाहरण है.

हंडियाः यह एक किण्वित चावल की पेय है, जो खासकर त्योहारों और अनुष्ठानों में प्रयोग होती है. इसे ठंडा करने वाला और पाचन में सहायक माना जाता है.

महुआ काढ़ाः महुआ के फूलों से बना यह पेय औषधीय गुणों से भरपूर होता है और प्रसव के बाद महिलाओं को विशेष रूप से दिया जाता है.

आदिवासी आहारः आत्मनिर्भरता और सतत विकास की मिसाल

आदिवासी खानपान की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह पूरी तरह स्थानीय संसाधनों पर आधारित है, जिससे यह आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल बनता है. यह खेती के लिए रसायनों पर निर्भर नहीं करता, न ही इसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है. इस भोजन प्रणाली ने आदिवासी समुदायों को शारीरिक रूप से सशक्त और रोग-मुक्त बनाए रखा है.

आदिवासी आहार केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि एक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, स्वास्थ्य का स्रोत, और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन का आदर्श रूप है. आधुनिक जीवनशैली के चलते जब विश्व भर में जैव विविधता और पोषण संकट की स्थिति है, तब आदिवासी भोजन प्रणाली से सीख लेकर हम अपने भोजन को अधिक स्थानीय, पोषणयुक्त और सतत बना सकते हैं.

आज का इतिहास

1689 -रायगढ़ किले में संभाजी की विधवा और उसके बच्चे ने औरंगजेब के समक्ष आत्मसमर्पण किया.

1889- फ्रांसीसी नेता नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस की राजधानी से अपनी सेना हटाई.

1933-जर्मनी मित्र राष्ट्रों की संधि से बाहर आया.

1924-अब्दुल अज़ीज़ ने स्वयं को मक्का में पवित्र स्थानों का रक्षक घोषित किया.

1950-मदर टेरेसा ने कलकत्ता (भारत) में मिशनरी ऑफ़ चैरिटिज की स्थापना की.

1952-श्रीरामुलू पोट्टी ने पृथक आंध्र राज्य के लिये आमरण अनशन शुरु किया.

1970-भारत में निर्मित पहला मिग-21 विमान भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया.

1983-भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक डाक्टर एस. चन्द्रशेखर को एक अन्य अमेरिकी वैज्ञानिक प्रो. विलियम्स फ़ाउलर के साथ 1983 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार.

... निश्चित रूप से आप आगे बढ़ेंगे

चिंतन

क बीज को आप धरती में बोते हैं तो अनेक ढेले उसके ऊपर आ पड़ते हैं. उन ढेलों की जिद होती है कि हम तुझे बाहर नहीं निकलने देंगे. उधर बीज की प्रतिभा कहती है कि तुम चाहे जितने पहले बैठा लो, मुझे फूट कर बाहर निकलना ही है. बीज मिट्टी के साथ अपना समन्वय बनाता है. बाहर निकलने के लिए अपनी छाती पर बैठे ढेलों के साथ लड़ाई लड़ता है. ले देकर के समझौता हो जाता है. मिट्टी कहती है कि जैसा मेरा रंग है वैसे ही रंग में रंग कर बाहर जाना चाहता है तो निकल जा. मिट्टी के ढेले बाहर निकलते बीज के अंकुरण को रोक नहीं पाते. एक ही साथ जहां मिट्टी के बारीक कण बीज के अंकुरण का साथ दे रहे होते हैं वहीं मिट्टी के ढेले उसे रोकने का हर संभव प्रयास करते हैं. मिट्टी के बारीक कणों और बीज के बीच समझौता होता है. जिसके परिणाम स्वरूप बीज जब अंकुरण के रूप में बाहर निकलता है तो मिट्टी के पीले रंग की चादर ओढ़कर ही बाहर आता है. बाहर आते ही बीज का अंकुरण अब अपने पहले दोनों स्वरूपों को त्याग देता है. अब वह न तो बीज होता है, न अंकुरण होता है. अब वह संसार के लिए नन्हा सा पौधा बन जाता है. ... और वह हरा-भरा होकर आगे बढ़ने लगता है .

कुछ समय बाद खेत का किसान खेत में पानी लगाता है और ढेलों का अस्तित्व मिट्टी में मिल जाता है. परंतु तब तक बीज एक पौधा बनाकर आगे बढ़ने लगता है. इसी प्रकार संसार के लोग हैं जो ढेले के रूप में आपके अस्तित्व को रोकने का प्रयास करते हैं . परंतु एक समय आता है कि वह ढेले के रूप में मिट्टी में मिलकर वहीं रह जाते हैं और आप आगे बढ़ जाते हैं. इसलिए अपनी प्रतिभा पर विश्वास कीजिए. अपने अस्तित्व पर विश्वास कीजिए. परमपिता परमेश्वर की अनंत कृपा पर विश्वास कीजिए. आपको वृक्ष बनना है तो आप को कोई रोक नहीं सकता और यदि आपने ' ढेलों' की चुनौतियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया तो आपको मिटाने से भी कोई नहीं रोक सकता. देखना आपको है कि आप वृक्ष बनना चाहते हैं या अपने चारों ओर बिखरे पड़े ढेलों के अस्तित्व में मिट जाना चाहते हैं. अपने अस्तित्व से संवाद स्थापित कीजिए. अपनी सात्विक मनोवृतियों को अपने अस्तित्व के साथ जोड़िए. अपने अस्तित्व को संवारने का काम करते रहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

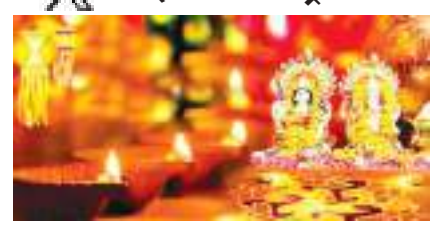

1. #Dhanteras 45K
2. #धनतेरस 23K
3. #MuthootTributeToSoldiers 20K
4. #HeartofTaehyung 24K
5. Sunheri Soch 18K
6. #UPBuildsBrahMos
7. उत्तम स्वास्थ्य
8. सहरसा गरीब
9. सरहिंद स्टेशन
10. May Goddess Lakshmi

बहुरंग

12 साल पूरे होने पर सलमान खान ने शेयर की 'बीइंग ह्यूमन' की फैमिली फोटो

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने क्लोदिंग ब्रांड 'बीइंग ह्यूमन' के 12 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है. इस खास मौके पर उन्होंने दो फैमिली फोटोज और एक वीडियो के साथ एक इमोशनल नोट लिखा, जिसमें उन्होंने इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का आभार जताया. लेकिन इन तस्वीरों में कुछ चेहरे नजर नहीं आए, जिन पर लोगों की नजरें टिक गईं. इनमें सलमान के भाईयों की पूर्व पत्नियां मलाइका अरोड़ा और सीमा सजदेह शामिल हैं, जिनकी गैरमौजूदगी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है. सलमान खान ने अपने पोस्ट में लिखा, ₹12 साल पहले बीइंग ह्यूमन की शुरुआत एक सामान्य से विचार से हुई थी कि कुछ अच्छा करना है. दूसरों की मदद करनी है और चेहरे पर स्माइल लानी है. आज, यह एक ब्रांड से कहीं बढ़कर एक परिवार है, जो लगातार बड़ा हो रहा है. इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का शुक्रिया. बीइंग ह्यूमन के लिए शुक्रिया.₹ उनकी इस पोस्ट से साफ जाहिर होता है कि 'बीइंग ह्यूमन' महज एक क्लोदिंग ब्रांड नहीं, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है, जिसके जरिए सलमान न सिर्फ जरूरतमंदों की मदद करते हैं, बल्कि अपने परिवार और फैंस के साथ जुड़ाव भी महसूस करते हैं. सलमान ने जो दो फैमिली फोटोज शेयर की हैं, उनमें पहली फोटो 12 साल पहले की है, जिसमें उनका पूरा परिवार एक साथ नजर आ रहा है. इस तस्वीर में मलाइका अरोड़ा (अरबाज खान की पूर्व पत्नी) और सीमा सजदेह (सोहेल खान की पूर्व पत्नी) भी दिखाई दे रही हैं.

खलनायक 2' को लेकर बड़ी खबर: सुभाष घई नहीं होंगे डायरेक्टर, संजय दत्त की वापसी तय

बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक फिल्मों में शामिल 'खलनायक' अब अपने सीक्वल के साथ एक बार फिर सुर्खियों में है. 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म ने न सिर्फ संजय दत्त को 'खलनायक' के रूप में नई पहचान दी थी, बल्कि 90 के दशक के हिंदी सिनेमा को भी एक नया आयाम दिया था. अब 32 साल बाद इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, लेकिन इस बार एक बड़ा बदलाव सामने आया है फिल्म के निर्माता और निर्देशक सुभाष घई इसे डायरेक्ट नहीं करेंगे. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सुभाष घई ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने 'खलनायक 2' के अधिकार एक बड़े स्टूडियो को बेच दिए हैं. घई ने कहा, "अब मेरी उम्र 80 साल हो चुकी है, इसलिए मैं निर्देशन नहीं करूंगा. लेकिन मैं इस प्रोजेक्ट से बतौर क्रिएटिव गाइड जुड़ा रहूंगा." उन्होंने यह भी बताया कि लंबे समय से कई बड़े प्रोडक्शन हाउस सीक्वल के अधिकार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे थे, और अब अंततः एक टीम को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई है. फैंस के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि संजय दत्त एक

बार फिर 'बल्लू' के किरदार में नजर आएंगे. हालांकि इस बार उनका किरदार कितना बड़ा होगा, या वे मुख्य भूमिका में होंगे या नहीं-यह अभी साफ नहीं है. लेकिन सुभाष घई ने यह जरूर कहा कि "संजू बाबा फिल्म में जरूर नजर आएंगे." जब घई से पूछा गया कि क्या फिल्म के आइकॉनिक गानों को फिर से इस्तेमाल किया जाएगा, तो उन्होंने कहा कि फिल्म के राइट्स में स्क्रिप्ट, डायलॉग, किरदार और संगीत सभी शामिल हैं. इसका मतलब यह हुआ कि 'चोली के पीछे क्या है' और 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' जैसे सुपरहिट गानों को नए रूप में दोबारा पेश किया जा सकता है. इससे पुराने फैंस को नॉस्टेल्जिया का अनुभव मिलेगा, जबकि नए दर्शकों के लिए ये गाने नए अंदाज में पेश होंगे. हालांकि, अभी तक फिल्म के डायरेक्टर और मुख्य कलाकारों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. फिल्म की टीम जल्द ही इस बारे में जानकारी देने वाली है. लेकिन इस घोषणा ने पहले ही फिल्म के फैंस में उत्साह भर दिया है. सोशल मीडिया पर फैंस संजय दत्त की पुरानी झलकियों को शेयर कर रहे हैं और फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. 'खलनायक 2' बनने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि अगले कुछ महीनों में फिल्म की कास्टिंग, निर्देशक और रिलीज डेट से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ जाएंगी. तब तक के लिए, फैंस को संजय दत्त के 'बल्लू' अवतार की एक और झलक का इंतजार करना होगा.

आनंद एल राय और भूषण कुमार की 'तेरे इश्क़ में' का पहला गाना रिलीज

लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार आनंद एल राय निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेरे इश्क़ में' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है. टीज़र के समय से ही दर्शकों में जो रोमांच था, अब यह एक संगीतमय अनुभव में तब्दील हो चुका है. यह गीत दर्शकों को प्यार, दर्द और तड़प से भरी उस दुनिया में ले जाता है, जहां ए. आर. रहमान की जादुई धुनें, अरिजीत सिंह की रूहानी आवाज़ और इरशाद कामिल की दिल को छू जाने वाली शायरी एक साथ मिलकर सुनने वालों के दिल पर अमिट छाप छोड़ती हैं. धनुष और कृति सेनन पर फिल्माया गया यह गीत दृश्य और भावनाओं का अद्भुत संगम है. गाने की सिनेमैटोग्राफी, दोनों कलाकारों की प्रभावशाली अदाकारी और रहमान के संगीत ने इसे एक शानदार अनुभव बना दिया है. वीडियो के हर फ्रेम में प्यार की मासूमियत, जुदाई की पीड़ा और चाहत की गहराई महसूस की जा सकती है. संगीत प्रेमियों के लिए यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर है. आनंद एल राय, ए. आर. रहमान और इरशाद कामिल की यह प्रतिष्ठित तिकड़ी पहले भी कई यादगार धुनें दे चुकी है, और 'तेरे इश्क़ में' का यह ट्रैक उसी जादू की नई परत खोलता नजर आ रहा है. फिल्म का पूरा एलबम इस साल के सबसे संगीतमय अनुभवों में से एक होने वाला है. गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येल्लो प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी 'तेरे इश्क़ में' के निर्माता हैं आनंद, हिमांशु, भूषण और कृष्ण. फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है. ए. आर. रहमान के संगीत और इरशाद कामिल के बोलों से सजी, धनुष और कृति सेनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल भाषाओं में विश्वभर में रिलीज़ होगी.

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा. बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा. शुभांक-4-5-7

वृष : निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-3-5-7

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. मेहमानों का आगमन होगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-5-7-9

कर्क : ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा. आध्यात्मिक वातावरण बनेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. यात्रा का योग बन रहा है. शुभांक-2-6-7

सिंह : विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-4-6-8

कन्या : भावनाओं में न बहें, सावधान रहें. रुका हुआ धन प्राप्त होगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें. अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी. शुभांक-3-5-7

तुला : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक :कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. मातृ पक्ष से विशेष लाभ. शुभांक-2-4-7

धनु : मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. शुभांक-3-5-8

मकर : स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. शुभांक-3-6-9

कुंभ : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी. सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. शुभांक-3-5-7

मीन : नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. शुभांक-5-8-9

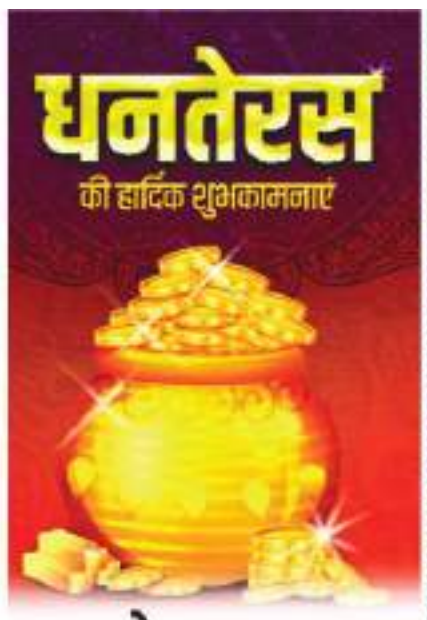

धनतेरस कब? पूजा, खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में हर त्योहार और पर्व का अपना अलग महत्व है. धनतेरस का दिन हिंदू धर्म में विशेष माना गया है. इस दिन लक्ष्मी पूजा के साथ खरीदारी का विशेष महत्व होता है. इस दिन पूजा प्रदोष काल के दौरान की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद प्रारम्भ होता है, जो लगभग ढाई घंटे तक रहता है. धनतेरस को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है.

धनतेरस का दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जो आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्म दिवस है. इस दिन यम दीपम भी जलाए जाते हैं. परिवार के किसी भी सदस्य की असामयिक मृत्यु से बचने के लिए मृत्यु के देवता यमराज के लिए घर के बाहर दीपक जलाया जाता है, जिसे यम दीपम कहा जाता है. यह धार्मिक संस्कार त्रयोदशी तिथि के दिन किया जाता है.

साल 2025 में धनतेरस कब?

साल 2025 में धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर, शनिवार के दिन पड़ेगा. इस दिन से पांच दिवसीय दिवाली पर्व की शुरुआत हो जाएगी.

प्रदोष काल - शाम 05 बजकर 48 मिनट से रात 08 बजकर 20 मिनट तक
वृषभ काल - शाम 07 बजकर 16 मिनट से रात 09 बजकर 11 मिनट तक
त्रयोदशी तिथि प्रारंभ - 18 अक्टूबर 2025, दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर
त्रयोदशी तिथि समाप्त - 19 अक्टूबर 2025, दोपहर 01 बजकर 51 मिनट पर

धनतेरस के दिन शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने से धन और समृद्धि आती है. इस दिन सोना, चांदी, पीतल के बर्तन खरीदना बेहद शुभ माना जाता है. साथ ही इस दिन लोग अन्य शुभ वस्तुएं खरीद सकते हैं.

खरीदारी का शुभ मुहूर्त

इस दिन खरीदारी का पहला शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 49 मिनट से लेकर 9 बजकर 15 मिनट तक रहेगा.
खरीदारी का दूसरा शुभ मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 32 मिनट से लेकर शाम 4 बजकर 23 मिनट तक रहेगा.

धनतेरस पर क्या खरीदें और क्या न खरीदें?

क्या खरीदें - चांदी/सोने के सिक्के, बर्तन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन या धातु से बनी चीजें।
क्या न खरीदें - कांच, एल्युमिनियम या लोहे के सामान, काली वस्तुएं या नुकीली चीजें (छुरी, कैंची आदि)।

धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अमीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- **धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी** : धन तेरस के दिन साबुत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बगीचे में डाल दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- **दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति** : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीयतामिति।।

- **बताशे और खीर का लगाएं भोग** : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- **हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन** : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- **तिजोरी में रखें सुपारी** : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरुण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

पूरे विधि-विधान से करें धनतेरस पूजा

धनतेरस केवल खरीदारी का नहीं, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का पर्व है। आइए जानते हैं, पूरे विधि-विधान से धनतेरस पूजा कैसे करें, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजन के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

धनतेरस, दीपावली से पहले मनाया जाने वाला पहला और अत्यंत शुभ पर्व है। यह दिन न सिर्फ खरीदारी के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन की गई पूजा से घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य आता है। वर्ष 2025 में धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस की पूजा विधि

घर और पूजा स्थान की सफाई करें - मुख्य द्वार और पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और रंगोली बनाएं।
पूजा चौकी सजाएं - उत्तर-पूर्व दिशा में एक चौकी रखें, उस पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं।
कलश की स्थापना करें - एक तांबे या मिट्टी का कलश लें, उसमें गंगाजल और साफ पानी भरें, आम के पत्ते डालें और ऊपर नारियल रखें।
देवताओं की प्रतिमाएं रखें - भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियाँ या चित्र स्थापित करें।
षोडशोपचार पूजा करें - हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत, फूल, दीप, धूप, मिठाई और दक्षिणा से पूजा करें।
दीपक जलाएं - पूजा के समय गाय के घी का बड़ा दीपक और 13 छोटे दीये जलाएं।
भोग और आरती करें - खील, बताशे, मेवे और मिठाइयों का भोग लगाएं, फिर आरती करें।

धनतेरस पूजा सामग्री की संपूर्ण सूची

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की मूर्तियाँ या चित्र
- गंगाजल और साफ पानी
- हल्दी, कुमकुम, चंदन, इत्र
- फूल और फूलों की माला
- कलावा (मौली), जनेऊ
- पूजा चौकी और लाल/पीला कपड़ा
- कलश, आम के पत्ते, नारियल
- खील, बताशे, मिठाई, मेवे
- अक्षत (चावल), साबुत धनिया
- 13 मिट्टी के दीपक, गाय का घी, कपूर, अगरबत्ती
- दक्षिणा, नमक
- चांदी/सोने का सिक्का या नई धातु की वस्तु
- नई झाड़ू

कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रात: उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सामग्री सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हल्दी कुंकु, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली सबसे बड़ी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अत: आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यतः पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किंवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पूराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौथा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवा दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते है।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते है।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते है।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास, उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराया

20 साल बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालीफाई, 2026 में स्थान सुनिश्चित

एजेंसियां । बिश्केक (किर्गिस्तान)

- मैच की शुरुआत में भारतीय टीम को झटका लगा
- 55वें मिनट में बास्के के शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर
- 66वें मिनट में गोल कर भारत को 2-1 की निर्णायक बढ़त मिली

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 20 वर्षों बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है. शुक्रवार को डोलन ओमुर्जाकोव स्टेडियम में खेले गए निर्णायक मुकाबले में भारत ने मेज़बान उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर यह सफलता पाई.

मैच की शुरुआत में भारतीय टीम को झटका लगा जब 38वें मिनट में उज्बेकिस्तान की शकज़ोदा अलीखोनोवा ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी. हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी. भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए खेल का रुख ही बदल दिया.

हेड कोच जोआकिम एलेक्ज़ेंडरसन के रणनीतिक बदलाव निर्णायक साबित हुए. उन्होंने 40वें मिनट में बोनिफिलिया शुल्लाई की जगह थंदमनी बास्के को मैदान पर भेजा, जिन्होंने आते ही खेल की गति बदल दी. 55वें मिनट में बास्के ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. इसके बाद 66वें मिनट में उन्होंने अनुष्का कुमारी को एक बेहतरीन पास दिया, जिसे अनुष्का ने गोल में तब्दील कर भारत को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिलाई.

इस जीत के साथ भारत ने न केवल मैच अपने नाम किया, बल्कि एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में स्थान भी पक्का कर लिया. गौरतलब है कि भारत ने पिछली बार 2005 में इस टूर्नामेंट में भाग लिया था, जब क्वालीफिकेशन की व्यवस्था नहीं थी और 11 टीमों को सीधे प्रवेश मिला था. तब से अब तक भारत मेरिट के आधार पर कभी क्वालिफाई नहीं कर पाया था. यह ऐतिहासिक सफलता भारत के महिला फुटबॉल के भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है. अब भारत की सीनियर महिला टीम, अंडर-20 टीम और अंडर-17 टीम तीनों ही एशियन कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगी, जो देश में महिला फुटबॉल के विकास को नई दिशा देगा.

भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने श्रीलंकाई पीएम से की मुलाकात

एजेंसियां । नई दिल्ली

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने दिल्ली में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया से मुलाकात की. इस अवसर पर क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और विश्व कप आयोजन समिति के प्रतिनिधि भी मौजूद थे. श्रीलंका की प्रधानमंत्री भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आई हैं. यह मुलाकात आगामी महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 से पहले बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से 11 से 23 नवंबर तक आयोजित करेंगे. इस टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका की टीमें हिस्सा लेंगी. मैच नई दिल्ली, बेंगलुरु और कोलंबो में खेले जाएंगे. इस प्रतिनिधिमंडल में सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवदसन्नावर, विश्व कप आयोजन समिति की चेयरपर्सन मीना अक्षी लेखी, और महासचिव शैलेंद्र यादव शामिल थे. साथ ही श्रीलंका की भारत में उच्चायुक्त महेशिनी कोलोन भी उपस्थित रहीं. प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया ने कहा कि श्रीलंका इस ऐतिहासिक महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी कर खुशी महसूस कर रहा है और सभी टीमों को शुभकामनाएं देता है. उन्होंने नेत्रहीन क्रिकेट को प्रेरणादायक पहल बताया और इस प्रयास का समर्थन जताया. डॉ. महांतेश ने कहा कि यह मुलाकात गर्व का क्षण है और भारत-श्रीलंका का यह संयुक्त प्रयास समावेशिता को बढ़ावा देगा तथा नेत्रहीन महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा. भारतीय टीम में बी1, बी2 और बी3 श्रेणी की खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें कप्तान दीपिका टी.सी. और उप कप्तान गंगा एस. कदम प्रमुख हैं. यह विश्व कप समार्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के क्रिकेटिंग अंग सीएबीआई द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग महिला खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करना है.

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज होगी भारत की अग्नि परीक्षा

एजेंसियां । पर्थ

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार, 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत करने जा रही है. यह सीरीज कई मायनों में अहम है, खासकर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के लिए, जो इस सीरीज से भारत के वनडे कप्तान के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर रहे हैं. गिल ने रोहित शर्मा की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है. इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट कप्तानी में और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को सफलता दिलाई थी. अब वनडे कप्तान के रूप में वह अपने नेतृत्व कौशल को साबित करना चाहेंगे.

रोहित-कोहली की वापसी पर रहेगी नज़र: इस सीरीज में भारतीय फैंस की निगाहें दो दिग्गज खिलाड़ियों, रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी होंगी, जो सात महीने के ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं. दोनों पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, और अब पूरी तरह से वनडे फॉर्मेट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं.

श्रेयस अय्यर उपकप्तान, ऑस्ट्रेलिया को झटके: श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है. वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन चोट के चलते बाहर हो गए हैं. उनकी जगह मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. अन्य बदलावों में, जोश फिलिप को विकेटकीपर के रूप में जोश इंग्लिस की जगह मौका मिला है, जबकि स्पिनर मैथ्यू कुह्नमैन को एडम ज़म्पा की जगह टीम में शामिल किया गया है. ज़म्पा, इंग्लिस और एलेक्स कैरी आखिरी दो मैचों के लिए उपलब्ध होंगे.

ऐश्वर्या पिस्से ने रैली डू मोरोक में रचा इतिहास

पहली भारतीय और एशियाई महिला बनीं रजत पदक विजेता

एजेंसियां । एरफौद (मोरक्को)

भारत की मशहूर मोटरस्पोर्ट रेसर ऐश्वर्या पिस्से ने एक बार फिर देश और एशिया का नाम रोशन किया है. उन्होंने विश्व की सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली 'रैली डू मोरोक' को पूरा करने वाली पहली भारतीय और एशियाई महिला बनने का गौरव हासिल किया है. इसके साथ ही उन्होंने महिला वर्ग में रजत पदक जीता और 2025 एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (डब्ल्यू2 आरसी) में कुल मिलाकर सिल्वर मेडल हासिल किया. यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारत और एशिया के लिए भी गर्व का पल है.

'रैली डू मोरोक' को दुनिया की सबसे कठिन क्रॉस-कंट्री रैलियों में से एक माना जाता है और इसे 'डकार रैली' से पहले की अंतिम और सबसे अहम परीक्षा के रूप में देखा जाता है. इस रैली की कुल दूरी 2,299 किलोमीटर थी, जिसमें 1,478 किलोमीटर की स्पेशल स्टेज शामिल थीं. रैली में प्रतिभागियों को रेत के टीलों, पत्थरीले और कठिन रास्तों, तेज़ गर्मी और जटिल नेविगेशन जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है.

ऐश्वर्या ने रैली2 श्रेणी में भाग लिया और इन सभी मुश्किलों के बावजूद अपनी अद्भुत क्षमता और धैर्य का परिचय दिया. उन्होंने महिला वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जिससे वे विश्व रैली-रेड चैंपियनशिप में पोडियम फिनिश करने वाली पहली भारतीय और एशियाई महिला बन गईं. यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा विश्व टाइटल भी है, जो उनकी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है.

इस सफलता पर ऐश्वर्या पिस्से ने कहा, "मोरक्को ने मेरे कौशल, सहनशक्ति और जज़्बे की परीक्षा ली. इस रैली को पूरा करना और वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतना मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है. यह वर्षों की कड़ी मेहनत, त्याग और विश्वास का परिणाम है. मुझे गर्व है कि मैं भारत और एशिया का झंडा इस मंच पर ऊँचा कर पाई."

ऐश्वर्या पिस्से अब भारत की सबसे सफल महिला मोटरस्पोर्ट रेसर के रूप में उभर चुकी हैं. उनके नाम अब चार विश्व टाइटल्स और 11 नेशनल चैंपियनशिप दर्ज हैं. उनकी यह सफलता आगामी डकार रैली 2026 के लिए तैयारियों में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

टीवीएस रेसिंग और अन्य साझेदारों के समर्थन से एक प्राइवेटियर के रूप में हिस्सा लेते हुए, ऐश्वर्या ने पूरे सीजन में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और पेशेवर स्तर की प्रतिस्पर्धा दिखाई. उनके जज़्बे और प्रतिबद्धता ने भारत में मोटरस्पोर्ट के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को नई प्रेरणा दी है.

ऐश्वर्या की यह उपलब्धि भारत के लिए मोटरस्पोर्ट में नए कीर्तिमान स्थापित करती है और खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है. उनके साहस, धैर्य और प्रतिभा ने यह साबित कर दिया है कि कठिनतम चुनौती भी जीतना संभव है. ऐश्वर्या पिस्से ने न केवल अपने नाम बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का कारण बनकर साबित किया कि सपनों को हकीकत में बदलना किसी के लिए भी असंभव नहीं.

इस प्रकार, ऐश्वर्या पिस्से का यह इतिहास रचने वाला प्रदर्शन भारतीय मोटरस्पोर्ट के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बनकर रहेगा.

पलामू गतका संघ की टीम रांची के लिए रवाना

मेदिनीनगर । पलामू गतका संघ की टीम आज सुबह एसजीएफआई स्टेट ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए रांची के लिए रवाना हुई. खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर संघ के अध्यक्ष सोनू नामधारी और संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने शुभकामनाएं दीं. इससे पहले रेड़मा चौक पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें जिला सचिव सुमित बर्मन, सह सचिव दीपेंद्र सिंह, दीपक तिवारी और कोषाध्यक्ष अमरेश कुमार मेहता मौजूद थे.पलामू से कुल 45 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, जिनमें कई प्रमुख स्कूलों के छात्र शामिल हैं. अध्यक्ष सोनू नामधारी ने बताया कि गतका केवल एक खेल नहीं बल्कि परंपरा और अनुशासन का प्रतीक है. उन्होंने विश्वास जताया कि पलामू के खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी छाप छोड़ेंगे. मुख्य अतिथि अविनाश देव ने खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि टीम इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी.

तन्वी शर्मा ने इतिहास रचा, बनीं वर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन फाइनल में पहुंचने वाली 5वीं भारतीय

एजेंसियां । गुवाहाटी

- वर्ल्ड जूनियर्स फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बनी
- भारत को 17 साल बाद घरेलू धरती पर पदक मिला

भारत की प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स 2025 के गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में जगह बनाकर देश के लिए एक खास मुकाम हासिल किया है. 16 वर्षीय तन्वी ने सेमीफाइनल में चीन की एशियन जूनियर चैंपियनशिप्स की रजत पदक विजेता लियू सी या को सीधे गेम में 15-11, 15-9 से हराकर अपनी ताकत का परिचय दिया. अब वह फाइनल में थाईलैंड की दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अन्यापत फिचितप्रीचासाक से भिड़ेंगी.

इस उपलब्धि के साथ तन्वी शर्मा वर्ल्ड जूनियर्स फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं. इससे पहले अपर्णा पोपट (1996), साइना नेहवाल (2006, 2008), सिरिल वर्मा (2015) और शंकर मुथुसामी (2022) इस उपलब्धि को हासिल कर चुके हैं.

तन्वी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की साकी मात्सुमोतो को कड़ी टक्कर देते हुए 13-15, 15-9, 15-10 से हराया था. इसी जीत के साथ उन्होंने भारत के लिए पदक पक्का कर लिया था. यह उपलब्धि 2008 में साइना नेहवाल के बाद पहली बार है जब कोई भारतीय महिला खिलाड़ी वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स में पदक सुनिश्चित कर पाई है.

इस तरह भारत को 17 साल बाद घरेलू धरती पर वर्ल्ड जूनियर्स में पदक मिला है, जो देश के लिए गर्व की बात है. तन्वी का शानदार प्रदर्शन और हौसला युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है. अब सभी की निगाहें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां तन्वी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेंगी.

राष्ट्रीय मंच पर चमकीं हजारीबाग की बेटियां, पांचों खिलाड़ियों का सम्मान

हजारीबाग । हजारीबाग की योग प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए जिले का नाम रोशन किया है. मैसूर में 9 से 12 सितंबर तक आयोजित योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया की गोल्डन जुबली सीनियर नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में हजारीबाग योग एसोसिएशन की पांच खिलाड़ियों—सृष्टि जैन, सौम्या, रेनू कुमारी, मधुबाला और अनिता गोस्वामी ने शानदार प्रदर्शन किया. इस प्रतियोगिता में सृष्टि जैन ने चौथा स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया और अब वह आगामी एशियन योगा चैंपियनशिप की दावेदार बन गई हैं. हजारीबाग लौटने पर सभी खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें युवा समाजसेवी और ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने उन्हें सम्मानित करते हुए आगे भी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं. श्री अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग की बेटियों ने योग के क्षेत्र में जो प्रदर्शन किया है, वह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है. उन्होंने हजारीबाग योग एसोसिएशन की तेजी से बढ़ती सफलता की भी प्रशंसा की और आशा जताई कि सृष्टि जैन जैसी प्रतिभाएं भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम चमकाएंगी. सम्मान समारोह में हजारीबाग योग एसोसिएशन के संरक्षक एवं ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष भैया मुरारी सिन्हा, उपाध्यक्ष रीना सिंह, अशोक सिंह, सचिव रविंद्र कुमार, संयुक्त सचिव ज्ञानोदय कुमार, कोषाध्यक्ष रेनू कुमारी, शत्रुंजय कुमार और विकास कुमार दास आदि उपस्थित थे.

कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप फाइनल में जीता कांस्य

एजेंसियां । नानजिंग (चीन)

भारत की स्टार कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ल्ड कप फाइनल में कांस्य पदक अपने नाम किया. वह यह कारनामा करने वाली भारत की पहली महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं.

ज्योति ने कांस्य पदक मुकाबले में विश्व नंबर-2 एला गिब्सन (ग्रेट ब्रिटेन) को 150-145 से हराया. इस मुकाबले में ज्योति ने 15 में से 15 तीरों पर परफेक्ट 10 स्कोर करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और पोडियम पर जगह बनाई.

29 वर्षीय ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराकर प्रतियोगिता में शानदार आगाज़ किया. हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें विश्व नंबर-1 एंड्रिया बेसेरा (मैक्सिको) से 143-145 की करीबी हार झेलनी पड़ी.

सेमीफाइनल में तीसरे एंड तक ज्योति 87-86 की बढ़त पर थीं, लेकिन चौथे एंड में बेसेरा ने तीनों तीरों पर 10 अंक हासिल कर वापसी की और आखिरी एंड में भी 29-28 से जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंच गईं.

कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में ज्योति ने कोई गलती नहीं की और पांचों एंड में लगातार परफेक्ट स्कोर करते हुए गिब्सन को पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की. यह उनका तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल था; इससे पहले 2022 और 2023 में वह शुरुआती राउंड से बाहर हो गई थीं. भारत की एक अन्य कंपाउंड तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर पहले ही राउंड में मैक्सिको की मरियाना बरनाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं. पुरुष कंपाउंड वर्ग में भारत के ऋषभ यादव दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ दिन में बाद में मुकाबला खेलेंगे. रिकर्व वर्ग में इस बार कोई भारतीय क्वालिफाई नहीं कर सका.

फीफा रैंकिंग | एशियाई कप क्वालिफाइंग मैंच में सिंगापुर के खिलाफ खराब प्रदर्शन मुख्य कारण

भारत पुरुष फुटबॉल टीम, नौ साल में सबसे निचले स्तर पर

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को फीफा रैंकिंग में पिछले नौ वर्षों में सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है. टीम अब 136वें स्थान पर आ गई है, जो नवंबर और अक्टूबर 2016 में मिली 137वीं रैंकिंग से भी नीचे है. इस गिरावट के पीछे एशियाई कप क्वालिफाइंग के दौरान सिंगापुर के खिलाफ खराब प्रदर्शन मुख्य कारण रहा. भारत ने सिंगापुर के साथ आउटडोर मुकाबले में 1-1 ड्रॉ खेला था, जबकि 14 अक्टूबर को मार्गाओ में हुए होम-लेग मैच में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा. इन नतीजों ने टीम की 2027 एशियाई कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को गंभीर झटका दिया है.

फीफा की नवीनतम रैंकिंग में भारत को कुवैत से एक स्थान नीचे और बोत्सवाना से एक स्थान ऊपर रखा गया है. भारतीय टीम की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 1996 के फरवरी माह में 94वीं रही है, जो इस गिरावट के साथ काफी पीछे छूट गई है. टीम के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि फुटबॉल में निरंतर सुधार और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहतर रैंकिंग बहुत मायने रखती है.

सिंगापुर के खिलाफ हुए मैचों ने भारतीय टीम की कमजोरियों को उजागर किया. दोनों मैचों में टीम का संतुलन और संयोजन कमजोर नजर आया, जिससे एशियाई कप के क्वालिफिकेशन में मुश्किलें बढ़ गई हैं. भारतीय टीम अब कड़ी मेहनत और रणनीतिक बदलावों के साथ वापसी करने की जरूरत में है. भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को तकनीकी और मानसिक दोनों स्तरों पर सुधार करना होगा.

इस समय टीम के लिए चुनौती यह है कि वह आगामी मुकाबलों में अपनी कमजोरियों को दूर करे और एशियाई फुटबॉल में अपनी पकड़ मजबूत बनाए. साथ ही, देश में फुटबॉल के विकास और प्रतिभा निखारने के प्रयासों को भी तेज किया जाना आवश्यक है, ताकि भारत फुटबॉल के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति सुधार सके.

भारत के फुटबॉल प्रेमियों और विशेषज्ञों की निगाहें अब टीम के आगामी मैचों और सुधार प्रयासों पर टिकी हैं, जिससे उम्मीद की जा रही है कि टीम जल्द ही बेहतर प्रदर्शन कर इस निचले स्तर से ऊपर उठेगी.

अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न, रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया बेहतरीन खेल

शुभम संदेश । जमशेदपुर

मोहन आहूजा स्टेडियम, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ. इस प्रतियोगिता में कुल 198 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें पुरुष और महिला टीमों के अलावा पुरुष एवं महिला एकल स्पर्धाएं शामिल थीं. टीम स्पर्धाओं में 136 तथा एकल स्पर्धाओं में 62 खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया.महिला टीम प्रतियोगिता में एनआईएनएल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया. वेस्ट बोकारो उपविजेता रहा, जबकि तीसरा स्थान शेयर्ड सर्विसेज के नाम रहा. पुरुष टीम इवेंट में टीएसजे ऑपरेशंस ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया. जनरल ऑफिस दूसरे और टीएसएम तीसरे स्थान पर रहे. महिला एकल स्पर्धा में एनआईएनएल की अनन्या तिग्गा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. वेस्ट बोकारो की दीपिका दूसरे और डी लिखिता तीसरे स्थान पर रहीं. पुरुष एकल में शेयर्ड सर्विसेज के सयान हाज़रा ने विजेता का खिताब जीता. टीएसजे ऑपरेशंस के आलोक मन्ना उपविजेता रहे, जबकि वेस्ट बोकारो के प्रिंस तीसरे स्थान पर रहे.टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य खेल अधिकारी मुकुल विनायक चौधरी मुख्य अतिथि थे. उन्होंने सभी खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और अनुकरणीय खेल भावना की सराहना की. उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को उभरने का अवसर प्रदान करते हैं. इस टूर्नामेंट ने बैडमिंटन प्रेमियों के बीच उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को और मजबूत किया है.

न्यूज अपडेट

कटिहार में भाजपा प्रत्याशी तार किशोर प्रसाद ने नामांकन दाखिल किया

कटिहार। जिले की सातों विधानसभा सीटों पर नामांकन के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी तार किशोर प्रसाद ने कटिहार विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया. नामांकन से पहले उन्होंने मिचाईबाड़ी सर्वमंगला सार्वजनिक दुर्गा मंदिर समेत शहर के कई प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना की, जो उनकी पारंपरिक आस्था के साथ-साथ चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. इस दौरान धार्मिक प्रतीकवाद और राजनीतिक संदेश दोनों का संयोजन देखने को मिला. महागठबंधन की ओर से अभी तक कटिहार सीट के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं किए जाने पर तार किशोर ने कहा कि बिहार में विपक्ष का कोई मुद्दा नहीं बचा है और जनता विकास से संतुष्ट है. उनका मानना है कि एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी. कटिहार विधानसभा सीट सीमांचल क्षेत्र की राजनीति में विशेष महत्व रखती है और यहां भाजपा तथा महागठबंधन दोनों के लिए रणनीतिक रूप से अहम है.

बसपा ने पूर्णिया की छह विधानसभा सीटों पर की उम्मीदवारों की घोषणा

पटना। बिहार विधानसभा उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पूर्णिया जिले की सात विधानसभा सीटों में से छह के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक घोषणा कर अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत कर दी है. पार्टी ने पूर्णिया सदर विधानसभा सीट से राजीव राय को उम्मीदवार बनाया है, जबकि धमदाहा सीट पर आज शाम तक प्रत्याशी घोषित किए जाने की संभावना है. सभी घोषित उम्मीदवार बसपा के सिंबल लेकर पूर्णिया पहुंचे और राजीव राय के आवास पर एक सामूहिक बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की. राजीव राय (45) ने प्रेस वार्ता में कहा कि बसपा ने पूर्णिया की सभी सात सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जो लंबे समय से जनसेवा में सक्रिय हैं. उन्होंने कहा, हमारी टक्कर किसी अन्य प्रत्याशी से नहीं, बल्कि खुद से है. हम जनसेवा में विश्वास रखते हैं. यह चुनाव हम नहीं, जनता लड़ रही है और जीत भी जनता की होगी. बसपा ने पूर्णिया सदर सीट पर राजीव राय को उतारकर दलित-ब्राह्मण समीकरण साधने की रणनीति अपनाई है.

वारिसलीगंज: राजद ने बाहुबली अशोक महतो की पत्नी कुमारी अनीता को उतारा

नवादा। जिले में महागठबंधन की एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. वारिसलीगंज विधानसभा सीट पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले ने गठबंधन की रणनीति को चुनौती दे दी है. आरजेडी ने बाहुबली अशोक महतो की पत्नी कुमारी अनीता को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह को मैदान में उतारा है. दोनों दलों के उम्मीदवारों के नामांकन शनिवार को होने हैं, जिससे इस सीट की सियासी लड़ाई और भी रोचक हो गई है. नवादा सदर, गोविंदपुर और रजौली विधानसभा सीटों पर भी सियासी खींचतान जारी है. राजद के कौशल यादव गोविंदपुर और नवादा सीटों पर टिकट की मांग कर रहे हैं, जबकि मौजूदा विधायक मो. कामरान भी टिकट पर अड़े हुए हैं. कामरान मगध प्रमंडल के एकमात्र मुस्लिम विधायक हैं, जिनके टिकट न मिलने से गठबंधन में मतभेद और बढ़ सकते हैं. रजौली सीट से तेजप्रताप यादव की पार्टी जन शक्ति जनता दल ने जदयू छोड़कर आए विधायक प्रकाशवीर को उम्मीदवार बनाया है, जो महागठबंधन में नई हलचल पैदा कर रहा है.

बिहार दौरे पर अमित शाह से मिले चिराग पासवान, एनडीए की जीत का किया दावा, कहा

एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर पूरी स्पष्टता है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं. इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर हैं, जहां उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की. इस अहम मुलाकात में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई. इसे एनडीए के भीतर समन्वय और मजबूती का संकेत माना जा रहा है. मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने एनडीए की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस बार भी 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है. उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए गठबंधन पूरी तरह संगठित और स्पष्ट रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा. चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर पूरी स्पष्टता है और सभी घटक दलों को उचित सम्मान दिया गया है. उन्होंने भाजपा और जदयू का धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों दलों ने बड़ा दिल दिखाते हुए सहयोग को प्राथमिकता दी है. ₹हमारे सभी उम्मीदवारों के नाम तय हो चुके हैं और हम प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके हैं,₹ उन्होंने कहा.

इसके विपरीत उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां अंदरूनी कलह और नेतृत्व को लेकर भ्रम है. चिराग ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि खुद उनके गठबंधन में ही उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं माना जा रहा. ऐसे में जनता कैसे उन्हें स्वीकार करेगी? चिराग पासवान ने विपक्षी गठबंधन को पूरी तरह विफल करार दिया और कहा कि वहां सब कुछ भ्रम और विवाद से भरा है. उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सहयोगियों के बीच तालमेल की कमी है, जिससे जनता का भरोसा टूट रहा है. उन्होंने कहा, ₹जहां विपक्ष एक-दूसरे की दावेदारी काटने में व्यस्त है, वहीं एनडीए चुनावी मैदान में मजबूती से डटा है.₹ उन्होंने बताया कि वे गोविंदगंज जा रहे हैं, जहां लोजपा (रामविलास) के प्रत्याशी राजू तिवारी के नामांकन के मौके पर जनसभा का आयोजन किया गया है. बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने सीटों का बंटवारा तय कर लिया है. जदयू और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं. चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं. वहीं जीतन राम मांझी की 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह-छह सीटें मिली हैं. बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे, पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को. मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी. एनडीए को भरोसा है कि एकजुटता और स्पष्ट नेतृत्व के बल पर वह एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगा.

हथकड़ी में नामांकन: जेल से सीधे चुनावी मैदान में उतरे 'क्रांतिकारी', बोले- साजिश का शिकार हूं

गोपालगंज। बरौली विधानसभा क्षेत्र से एक अनोखी और विवादित तस्वीर सामने आई है, जहां हाथ में हथकड़ी और आंखों में आंसू लिए एक शख्स जेल से सीधे नामांकन केंद्र पहुंचा. यह शख्स हैं धर्मेंद्र कुमार 'क्रांतिकारी', जो तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतरे हैं. धर्मेंद्र कुमार क्रांतिकारी ने गोपालगंज जिला समाहरणालय में भारी सुरक्षा के बीच अपना नामांकन दाखिल किया. नामांकन के वक्त वे पुलिस के पहरे में हथकड़ी लगाए हुए थे. उनका दावा है कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत जेल में डाला गया है. उन्होंने मीडिया से कहा, "मुझे साजिशन फंसाया गया है ताकि मैं चुनाव न लड़ सकूं, लेकिन मैं बदलाव के लिए लड़ाई लड़ रहा हूं." धर्मेंद्र पर कई संगीन आरोप हैं. जून महीने में उन्हें जमीन घोटाले, एससी/एसटी एक्ट, धोखाधड़ी, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में गिरफ्तार किया गया था. इसके बाद उनके ऊपर गुंडा एक्ट भी लगा दिया गया. खास बात यह है कि उनके ऊपर अकेले बरौली क्षेत्र में 29 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. इतना ही नहीं, उन पर अपने ही सगे बड़े भाई पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का भी आरोप है.

बिहार विधानसभा चुनाव: आप, जदयू और सीपीआई (एमएल) ने भी जारी की उम्मीदवारों की नई सूची

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा जारी रखी है. शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी तीसरी सूची में 50 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं. इस सूची में लौरिया से शशि भूषण तिवारी, बेतिया से अर्जुन कुमार सिन्हा, सुगौली से गयासुद्दीन सामैनी और समस्तीपुर से रंजन कुमार जैसे उम्मीदवार शामिल हैं. इससे पहले मंगलवार को आप ने अपनी दूसरी सूची में 48 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे, जिनमें प्रेम प्राप्त सिंह (छपरा), राजेंद्र प्रसाद सिंह (लालगंज), आदित्य लाल (पूर्णिया) और इंद्रजीत ज्योतिकर (हथुआ) शामिल थे. इसी दौरान महागठबंधन के घटक दल सीपीआई (एमएल) ने भी शनिवार को बिहार के 20 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की. वहीं, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 16 अक्टूबर को अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें 44 उम्मीदवार शामिल थे. इस सूची में कई प्रमुख नेताओं, मौजूदा विधायकों और विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक पृष्ठभूमि से जुड़े युवाओं के नाम थे. जदयू ने राज्य में अपने चुनाव अभियान को और भी तेज कर दिया है. जदयू की सूची में वाल्मिकीनगर से धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, धमदाहा से लेशी सिंह, अमरपुर से जयंत राज, काराकाट से महाबली सिंह और चकाई से सुमित कुमार सिंह जैसे नाम प्रमुख हैं. इसके अलावा समृद्ध वर्मा (सिकटा), श्वेता गुप्ता (शिवहर), पंकज मिश्रा (रून्नीसैदपुर), सुधांशु शेखर (हरलाखी), मीना कामत (बाबूबरही), शीला मंडल (फुलपरास), सतीश साह (लौकहा), अनिरुद्ध प्रसाद यादव (निर्मली), विजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), बुलो मंडल (गोपालपुर), ललित नारायण मंडल (सुल्तानगंज), मनोरमा देवी (बेलागंज), चेतन आनंद (नवीनगर), और विभा देवी (नवादा) जैसे उम्मीदवार भी शामिल हैं. इस तरह बिहार विधानसभा चुनाव में प्रमुख पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है.

कभी राजद में वापसी नहीं करेंगे: पूर्व विधायक पप्पू खान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल में बगावत की आवाजें तेज होती जा रही हैं. बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व राजद विधायक नौशाद-उन-नबी उर्फ पप्पू खान ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए ऐलान किया है कि वे अब कभी राजद में वापसी नहीं करेंगे. पप्पू खान ने आरोप लगाया कि पार्टी में टिकटों की खुलेआम खरीद-फरोख्त हो रही है और टिकट तीन-तीन करोड़ रुपए में बांटे जा रहे हैं. पप्पू खान ने कहा, "मैं कसम खाकर कहता हूं कि अब राजद में कभी नहीं लौटूंगा. पार्टी के कुछ नेताओं ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी को अपने कब्जे में ले लिया है." उन्होंने राजद के कुछ नेताओं पर पार्टी को हाईजैक करने का भी आरोप लगाया और खास तौर पर संजय यादव का नाम लिया. पप्पू खान ने कांग्रेस प्रत्याशी उमेर खान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास सैंकड़ों बीघा जमीन है और उन्होंने तीन करोड़ रुपए देकर कांग्रेस से टिकट हासिल किया है. राजनीतिक समीकरणों में पप्पू खान की पत्नी आफरीन सुल्तान ने भी बड़ा कदम उठाया है.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: राजनीति में 'परिवारवाद' का उदय

बादशाहों की जगह अब रानियां मैदान में

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 इस बार कई नई राजनीतिक कहानियों को जन्म दे रहा है. खासकर, राजनीति में परिवारवाद की दस्तक फिर से तेज हो गई है. राज्य की सियासी बिसात पर अब 'बादशाह' नहीं, बल्कि उनकी 'रानियां' चुनावी रथ पर सवार होकर जंग लड़ रही हैं. कई प्रभावशाली नेताओं ने इस बार खुद को पीछे कर अपनी पत्नियों को मैदान में उतारा है. इन दिनों कुछ ऐसे चेहरे हैं, जो इस बार सुर्खियों में हैं. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इस बार खुद को पीछे कर पत्नी स्नेहलता को सासाराम विधानसभा से टिकट दिलाया है. यह उनके राजनीतिक प्रयोगवाद का एक नया उदाहरण है और राजनीतिक गलियारों में इसे 'परिवारवाद' की नई एंट्री के रूप में देखा जा रहा है. पूर्व सांसद अजय निषाद ने चुनावी मौसम में घर वापसी करते हुए बीजेपी की सदस्यता ली. पार्टी ने बतौर इनाम उनकी पत्नी रमा निषाद को औराई विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है. यह फैसला तब आया जब भाजपा ने पूर्व मंत्री रामसूरत राय का टिकट काट दिया.

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने इमामगंज से दीपा मांझी को चुनावी मैदान में उतारा है. वे पूर्व मंत्री संतोष सुमन की पत्नी हैं. उपचुनाव से ही वे सक्रिय राजनीति में कदम रख चुकी थीं. राजद ने मोकामा सीट से वीणा देवी को प्रत्याशी बनाया है. वे पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी हैं. इससे पहले वे लोकसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं. बीजेपी नेता राम गोपाल यादव की पत्नी गायत्री देवी को पार्टी ने परिहार विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है. जदयू ने नवादा सीट से विभा देवी को टिकट दिया है. वे पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं. हाल ही में राजद छोड़कर जदयू में आए और पत्नी को टिकट मिल गया. बिंदी यादव की पत्नी मनोरमा देवी को जदयू ने बेला विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है. वे पहले भी चुनाव लड़ चुकी हैं. लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने फतुहा से रूपा कुमारी को टिकट दिया है. वे स्थानीय नेता टुनटुन गोप की पत्नी हैं.

पुलिस ने पांच लाख रुपये और तीन किलो चांदी किया बरामद

कटिहार। जिला के रौतारा थाना क्षेत्र में बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के दौरान सघन वाहन जाँच के क्रम में 5,00,700 रुपये नगद राशि और 3 किलो 120 ग्राम चाँदी बरामद की गई है. पुलिस अधीक्षक कटिहार के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में निरंतर सघन वाहन जांच की जा रही है. इसी क्रम में रौतारा थाना क्षेत्रान्तर्गत टॉल प्लाजा के पास से फ्लाइंग स्क्वाड टीम के द्वारा उक्त राशि और चाँदी बरामद की गई. बरामद राशि के संबंध में जब पकडे गए सम्बंधित व्यक्ति से वैध कागजात व प्रमाण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया, तो वे ना तो कोई दस्तावेज दिखा सके ना ही कोई संतोषजनक उत्तर दे पाए. तत्पश्चात् बरामद नगद राशि और चाँदी को विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया. पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच की जा रही है.

कारोबार

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में जारी : पीयूष

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा. गोयल ने जीएसटी बचत उत्सव के दौरान कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हो रही है. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि जीएसटी कटौती से उपभोक्ताओं को 2.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है.

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए-350 विमान खरीदेगी

नई दिल्ली। इंडिगो ने शुक्रवार को एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए. इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं. एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है. कंपनी के मुताबिक, "इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है." दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे. इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है.

दो दिनों में डिजिटल संपत्तियों का कुल मार्केट कैप लगभग 15 लाख करोड़ घटा

बिटकॉइन की घटती कीमत से निवेशक चिंतित

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले दो दिनों से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में भयंकर गिरावट देखी जा रही है. 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे से 18 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक डिजिटल संपत्तियों का कुल मार्केट कैप लगभग 15 लाख करोड़ रुपये घट गया है. इस तेज गिरावट ने निवेशकों के होश उड़ा दिए हैं और बाजार में भारी बेचैनी का माहौल बन गया है. कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत शनिवार सुबह 10 बजे करीब 1.06 लाख डॉलर पर थी, जो दो दिन पहले 1.11 लाख डॉलर के स्तर पर थी. यानि पिछले 48 घंटों में बिटकॉइन में 4% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है. हालांकि दोपहर 12:30 बजे बिटकॉइन की कीमत में थोड़ा सुधार आया और यह करीब 1.07 लाख डॉलर पर पहुंच गई. बिटकॉइन की कीमत लगातार नीचे आ रही है. शुक्रवार को यह 4% की गिरावट के साथ लगभग 1,03,550 डॉलर पर कारोबार कर रही थी. पिछले दस दिनों में बिटकॉइन की कीमत में 15% से अधिक की कमी आई है. यह गिरावट इस वजह से आई है कि निवेशक अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं. 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1.26 लाख डॉलर का रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन अब यह इस स्तर से काफी नीचे आ गई है.

इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी और चीनी तनाव में बढ़ोतरी के कारण बिटकॉइन और ईथर की कीमतों में भारी गिरावट आई. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार नीति को लेकर नरम रुख अपनाने की खबरों से मार्केट में तेजी आई थी, जो अब खत्म हो गई है. विश्लेषकों का कहना है कि बिटकॉइन के अलावा बाकी क्रिप्टोकरेंसी, जिन्हें ऑल्टकॉइन्स कहा जाता है, इस गिरावट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं. कई ऑल्टकॉइन्स की कीमतों में 80% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है. ईथर की कीमत भी 3,700 डॉलर से नीचे चली गई है, जो अगस्त में इसके उच्चतम स्तर से लगभग 24% कम है. बाइनेंस के टोकन बीएनबी में भी लगभग 11% की गिरावट आई है. यह तब हुआ जब दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस पर तकनीकी खराबी और कीमतों में गड़बड़ी की खबरें आईं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के बाद बाइनेंस ने लगभग 600 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने की पेशकश की है.

विश्लेषक बताते हैं कि यह क्रिप्टो मार्केट में 'रीप्राइसिंग' है, 'क्रैश' नहीं. मार्केट मेकर विंटरम्यूट के को-फाउंडर योआन टर्पिन ने कहा कि बाइनेंस में शुक्रवार की गिरावट व्यापक बाजार की बिकवाली के अनुरूप है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह गिरावट हफ्ते के मध्य में आई तेजी के बाद कीमतों के फिर से आकलन का संकेत हो सकती है, क्योंकि जो तेजी आई थी वह स्थायी रिकवरी नहीं थी. इस गिरावट के कारण निवेशकों में अस्थिरता बढ़ी है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मार्केट का सामान्य बदलाव है और आने वाले समय में स्थिरता वापस आ सकती है. फिलहाल, क्रिप्टोकरेंसी बाजार में निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है.

चालू खाता घाटा जीडीपी का 1.2-1.5% रहने की उम्मीद: बैंक ऑफ बड़ौदा

नयी दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 1.2% से 1.5% के बीच रह सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता की दिशा आगामी महीनों में एक अहम भूमिका निभाएगी, खासकर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात को लेकर, जो अभी अमेरिकी टैरिफ से मुक्त हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा है. हालांकि निर्यात में वृद्धि हुई है, फिर भी आयात की गति तेज बनी हुई है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ा है. खासकर गैर-तेल और गैर-सोना आयात में इजाफा घरेलू मांग में सुधार का संकेत देता है. आगामी महीनों में त्योहारी सीजन के चलते घरेलू मांग में और तेजी आने की संभावना जताई गई है. इससे गैर-जरूरी वस्तुओं के साथ-साथ सोने के आयात में भी वृद्धि हो सकती है, खासकर साल की दूसरी छमाही में. रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत ने निर्यात के मोर्चे पर विविधीकरण किया है.

धनतेरस पर खरीदी ने तोड़े रिकॉर्ड, कारोबार 1 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। देशभर में धनतेरस के शुभ अवसर पर इस वर्ष व्यापार ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है. अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के अनुसार, धनतेरस पर कुल कारोबार 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है. अकेले सोने और चांदी की बिक्री 60,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है, जिससे आभूषण बाजारों में जबरदस्त उत्साह देखा गया. सीएआईटी के अनुसार, इस पर्व पर देशभर के उपभोक्ताओं ने सोना, चांदी, बर्तन, रसोई के सामान, वाहन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, देवी-देवताओं की मूर्तियां, मिट्टी के दीपक और पूजा सामग्री जैसे पारंपरिक और आधुनिक वस्तुओं की जमकर खरीदारी की. कैट महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि तांबे, चांदी या स्टील के नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है, जो समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिन झाड़ू की खरीदारी से नकारात्मक ऊर्जा और गरीबी दूर होती है और देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है. आधुनिक युग के प्रभाव से मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट जैसे गैजेट्स की भी भारी खरीदारी दर्ज की गई, जिन्हें प्रगति और सौभाग्य से जोड़ा जाता है. ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि बीते दो दिनों में देशभर के आभूषण बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली है. दिल्ली के सर्राफा बाजार में ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में करीब 25% अधिक है.

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर हर महीने बढ़ रही शिकायतें, तेजी से समाधान भी हो रहा है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर उपभोक्ताओं की शिकायतों की संख्या में लगातार तेजी से इजाफा हो रहा है. हर महीने औसतन एक लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की जा रही हैं और इन्हें तय समय पर सुलझाया भी जा रहा है. दिसंबर 2015 में जहां केवल 12,553 कॉल आई थीं, वहीं दिसंबर 2024 में यह संख्या बढ़कर 1.55 लाख हो गई. 2017 में जहां औसतन 37,062 शिकायतें प्रतिमाह दर्ज होती थीं, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 1,70,585 हो गई है. उपभोक्ता शिकायतों के निवारण में तेजी लाने के लिए एनसीएच ने कन्वर्जेंस पहल के तहत निजी कंपनियों को जोड़ने का प्रयास किया है. 2017 में 263 कन्वर्जेंस पार्टनर थे, जबकि सितंबर 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर 1,142 हो गई है.

अच्छी खबर

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स : भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर आशावादी रुख जताया

भारत टैरिफ से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका और अन्य देशों के बीच जारी टैरिफ और ट्रेड वॉर को लेकर जहां दुनिया भर में चिंता का माहौल है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर आई है. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के प्रेसिडेंट यान ले पैलेक ने भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर आशावादी रुख जताया है.

उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं और टैरिफ से जुड़ी चुनौतियों का मजबूती से सामना करने में सक्षम है. पैलेक ने बताया कि वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% की दर से बढ़ेगी और अगले दो वर्षों में यह ग्रोथ दर 7% तक पहुंच सकती है.

उन्होंने यह भी कहा कि यह भारत की सॉवरेन रेटिंग को 'बीबीबी' पर अपग्रेड करने के बाद दिया गया उनका पहला बयान है. यह 18 वर्षों में पहली बार है जब किसी प्रमुख ग्लोबल एजेंसी ने भारत की रेटिंग में सुधार किया है.

पैलेक ने कहा कि जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताएं आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हैं, लेकिन भारत के लिए ये खतरे 'मैनेज किए जा सकने वाली मुश्किलें' हैं. उन्होंने यह भी बताया कि भारत का बड़ा घरेलू बाजार उसे वैश्विक झटकों से काफी हद तक सुरक्षित रखता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका को भारत का निर्यात जीडीपी का केवल 2% है, जिससे यह स्पष्ट है कि भारत की अर्थव्यवस्था अमेरिका के व्यापारिक उतार-चढ़ाव पर ज्यादा निर्भर नहीं है.

भारत की आर्थिक मजबूती, स्थिर नीतियां, और फिजिकल एवं एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के आधार पर एसएंडपी ने रेटिंग में सुधार किया है. पैलेक ने यह भी उम्मीद जताई कि सरकार अपने खर्चों को नियंत्रित रखेगी और टैरिफ पॉलिसी में स्थिरता बनाए रखेगी. आरबीआई की संभावित रेट कट को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे विश्लेषकों को उम्मीद है कि साल के अंत तक 0.25% की कटौती हो सकती है. इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा.

उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे अमेरिका से पूंजी निकल रही है, भारत एक मजबूत और आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है.

हालांकि, अमेरिका में रेट कट की गति अगर तेज रही तो भारत की निवेशक अपील थोड़ी घट सकती है. फिलहाल, भारत को स्थिर नीतियों और लंबी अवधि की विकास संभावनाओं के कारण वैश्विक निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक ठिकाने के रूप में देखा जा रहा है.

माइक्रो कैप शेयरों ने किया निवेशकों को मालामाल, 1 साल में दिए 180% तक रिटर्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

शेयर बाजार में जहां एक ओर उतार-चढ़ाव का दौर जारी है, वहीं कुछ चुनिंदा माइक्रो कैप स्टॉक्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर चौंका दिया है. पिछली धनतेरस से इस धनतेरस तक यानी एक साल के भीतर गैब्रियल इंडिया, शैली इंजीनियरिंग और लूमेक्स ऑटो जैसे शेयरों ने निवेशकों की पूंजी को दोगुने से ज्यादा कर दिया है. इन शेयरों ने 100% से लेकर 180% तक का रिटर्न दिया है, जिससे त्योहारी सीजन में निवेशकों के चेहरे खिल उठे हैं. गैब्रियल इंडिया के शेयर ने बीते एक साल में लगभग 180 फीसदी का रिटर्न दिया है. हालांकि हाल ही में इसमें कुछ गिरावट देखी गई और शुक्रवार को यह शेयर 2.44% की

गिरावट के साथ 1235.75 रुपये पर बंद हुआ. बावजूद इसके, बीते 6 महीने में भी यह शेयर 100% से ज्यादा रिटर्न दे चुका है.

ऑटो सेक्टर की इस कंपनी ने निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा कमाकर दिया है. शैली इंजीनियरिंग प्लास्टिक्स के शेयर ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया है. शुक्रवार को यह शेयर 2.88% की तेजी के साथ 2386.95 रुपये पर बंद हुआ. बीते 6 महीनों में इसने 40% से ज्यादा और एक साल में 150% से ज्यादा का रिटर्न दिया है. कंपनी के मजबूत फंडामेंटल्स और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा है. लुमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज भी इस सूची में शामिल है, जिसने बीते एक साल में करीब 114% का रिटर्न दिया है.

शुक्रवार को यह शेयर हल्की गिरावट के साथ 1182.85 रुपये पर बंद हुआ. कंपनी ने 6 महीने में भी लगभग इतनी ही तेजी दिखाई है. त्योहारी सीजन में जब निवेशक नई शुरुआत और शुभ निवेश की ओर देखते हैं, ऐसे में ये शेयर एक प्रेरणा की तरह सामने आए हैं. हालांकि, शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन होता है, इसलिए किसी भी निवेश से पहले उचित रिसर्च और सलाह लेना जरूरी है.

न्यूज़ अपडेट

नेपाल के राष्ट्रपति ने स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए दिए निर्देश

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे राजनीतिक दलों और जनता में यह विश्वास पैदा करें कि भयमुक्त वातावरण में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे.पौडेल ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और उनके मंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित एक बैठक के दौरान सभी चार सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को ये निर्देश दिए.राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल ने बताया कि उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को शांति और सुरक्षा बनाए रखने तथा भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया है. इस अवसर पर प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि सरकार स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी.

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा मंत्रिमंडल में बीपीएफ नेता चरण बोडो शामिल

गुवाहाटी। असम की राजनीति में आज एक अहम बदलाव देखने को मिला, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) नेता चरण बोडो ने शनिवार को असम स्टेट कैबिनेट के विस्तार के बाद कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर शपथ ली. शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में हुआ, जहां राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद की शपथ दिलाई. इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और बीपीएफ प्रमुख एवं बीटीसी के सीईएम हग्रामा मोहिलरी भी मौजूद थे. चरण बोडो का कैबिनेट में शामिल होना, विपक्ष में सालों तक काम करने के बाद, रूलिंग एनडीए अलायंस में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट की ऑफिशियल वापसी का प्रतीक है. इस कदम को अगले विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीति तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे राज्य सरकार में बीपीएफ पार्टी का रोल मजबूत होगा.

आरएसएस के पथ संचलन में भाग लेने पर पीडीओ निलंबित

बेंगलुरु । कर्नाटक में ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग (आरडीपीआर) के आयुक्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन में भाग लेने वाले पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) प्रवीण कुमार केपी को दप से निलंबित करने का आदेश जारी किया है. कर्नाटक के रायचूर जिले के सिरवारा तालुक के पीडीओ प्रवीण कुमार को निलंबित कर दिया गया है. उन्होंने 12 अक्टूबर, 2025 को लिंगसुगुर कस्बे में आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम (पथ संचलन) में भाग लिया था. ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रवीण कुमार केपी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गणवेश पहनकर और हाथ में लाठी लेकर पथ संचलन में भाग लिया था.

जम्मू : सीबीआई ने जेकेएलएफसी के अधिकारी को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

जम्मू। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख वित्त निगम (जेकेएलएफसी) के कानूनी अनुभाग अधिकारी सुनील जांजुआ को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने निगम से लिए गए 51 लाख रुपये के लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम ऋण के निपटारे के लिए अपनी फाइल जमा की थी. फाइल को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारी ने 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. बातचीत के बाद पहले चरण में 20 हजार रुपये देने की बात तय हुई. सीबीआई ने 17 अक्टूबर को जाल बिछाकर आरोपी को उस समय पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपये ले रहा था.

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाह कार जॉन बोल्टन जमानत पर रिहा

वाशिंगटन। ग्रीनबेल्ट कोर्टहाउस मैरीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन को शुक्रवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया. वह इन दिनों ट्रंप के मुखर आलोचक हैं. पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करने का आरोप है. उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण करते हुए निर्दोष होने की दलील दी.द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय बोल्टन ने अदालत में अपना पक्ष रखा. उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अति गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्रसारित करने और उसे अपने पास रखने के 18 मामलों में वह पूरी तरह निर्दोष हैं.

बलूचिस्तान में अगवा एसी अफजल बाकी का बेटा सुरक्षित मिला

लाहौर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के जियारत इलाके से दो महीने पहले अगवा किए गए असिस्टेंट कमिश्नर (एसी) मुहम्मद अफजल बाकी के बेटे मुस्तनसर बिलाल को सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित बरामद कर लिया है. बिलाल को हरनाई जिले के जरदालो इलाके से शनिवार को सुरक्षात्मक हिरासत में लिया गया, ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.हालांकि अफजल बाकी अब भी लापता हैं, जिससे प्रशासनिक और सरकारी हलकों में गहरी चिंता का माहौल है.

रतलाम का महालक्ष्मी मंदिर हीरों, जवाहरात से सजा

रतलाम (मध्य प्रदेश) । दीपोत्सव की रौनक के बीच रतलाम का मां महालक्ष्मी मंदिर इस बार भी अपनी अनोखी और भव्य सजावट के लिए चर्चा में है. मंदिर को फूलों से नहीं, बल्कि हीरों, जवाहरात और नोटों की मालाओं से सजाया गया है. गर्भगृह से लेकर दीवारों तक हर जगह मुद्रा और आभूषणों की चमक नजर आ रही है. किसी लड़ी में 10 रुपये के नोट हैं तो किसी में 500 के, यहां ऐसा लग रहा है जैसे कि पूरा मंदिर मानो कुबेर का खजाना बन गया हो. मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष करीब दो करोड़ रुपये की नकदी और आभूषणों से मंदिर को सजाया गया है. दीपोत्सव के पांच दिन पूरे होने के बाद यह सारा धन और आभूषण "प्रसादी" के रूप में दाताओं को लौटा दिया जाएगा. परंपरा के मुताबिक अब तक यहां से एक रुपये का भी हेरफेर नहीं हुआ है. इस बार की सजावट में रतलाम, झाबुआ, मंदसौर, नीमच, गुजरात और राजस्थान से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने योगदान दिया है. कई श्रद्धालुओं ने पांच लाख रुपये तक का दान किया. लगभग 1000 भक्तों ने मिलकर इस बार की सजावट को आकार दिया है. हर दान की ऑनलाइन एंट्री और डिजिटल रिकॉर्डिंग की गई है. नोट गिनने की मशीनों का प्रयोग हुआ और नकदी जमा करने वालों का नाम, पता, फोटो और मोबाइल नंबर दर्ज किया गया है.

गोरखालैंड मुद्दे पर वार्ताकार की नियुक्ति से पश्चिम बंगाल में सियासी घमासान तेज

ममता ने पीएम को पत्र लिख कर जाहिर की नाराजगी

एजेंसियां ।कोलकाता

गोरखालैंड मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सीमा सुरक्षा बल के पूर्व महानिदेशक पंकज कुमार सिंह को वार्ताकार नियुक्त किए जाने के फैसले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है. इस कदम का जहां भाजपा और पहाड़ी दलों ने स्वागत किया है, वहीं राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इसे आगामी विधानसभा चुनावों से पहले की "राजनीतिक चाल" करार दिया है. गौरतलब है कि प्रस्तावित गोरखालैंड राज्य में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, कर्सियांग और उत्तर बंगाल के तराई व डुआर्स के कुछ हिस्सों को शामिल करने की लंबे समय से मांग उठती रही है. इसके साथ ही पहाड़ी क्षेत्र की 11 जनजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग भी लंबे समय से लंबित है. अब केंद्र सरकार द्वारा इस मुद्दे पर 'स्थायी राजनीतिक समाधान' की दिशा में कदम उठाते हुए एक अनुभवी अधिकारी को वार्ताकार नियुक्त किया गया है. दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट ने इस निर्णय को "ऐतिहासिक" बताते हुए कहा कि यह केंद्र की गंभीरता को दर्शाता है और पहाड़ों में शांति बहाली की दिशा में बड़ा कदम है. गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के प्रमुख बिमल गुरंग ने भी वार्ताकार की नियुक्ति का स्वागत किया और कहा कि यह पहाड़ी लोगों की वर्षों पुरानी मांग की पूर्ति की दिशा में पहला ठोस प्रयास है. वहीं, गोर्खा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष मान घीसिंग ने भी केंद्र सरकार का आभार जताया और इसे 'स्थायी समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल' बताया.

- ममता ने कहा कि यह एक त्रिपक्षीय मुद्दा है जिसमें केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को शामिल किया जाना चाहिए था. पंकज कुमार सिंह, जो राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं, को गोरखा समुदाय की लंबित मांगों और मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है.

हालांकि, राज्य सरकार और गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) के नियंत्रण में चल रहे भारतीय गोर्खा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) ने केंद्र के इस कदम पर सवाल उठाए हैं. बीजीपीएम के संस्थापक और जीटीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनित थापा ने आरोप लगाया कि यह फैसला केवल दिखावे के लिए लिया गया है और केंद्र ने पहले की गई वार्ता की मांगों को नजरअंदाज किया था. तृणमूल कांग्रेस नेता और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव ने भी इस कदम को "चुनावी स्टंट" बताया और कहा कि पहाड़ों की असली जरूरत विकास है, जो राज्य सरकार द्वारा पूरा किया जा रहा है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग, तराई और डुआर्स की शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और केंद्र द्वारा बिना राज्य को विश्वास में लिए किसी वार्ताकार की नियुक्ति करना संविधान की भावना के खिलाफ है. ममता ने कहा कि यह एक त्रिपक्षीय मुद्दा है जिसमें केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को शामिल किया जाना चाहिए था. पंकज कुमार सिंह, जो राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं, को गोरखा समुदाय की लंबित मांगों और मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है. सीमा सुरक्षा और कूटनीतिक वार्ता के विशेषज्ञ माने जाने वाले सिंह की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई, जिससे विवाद और गहराता नजर आ रहा है. इस घटनाक्रम ने गोरखालैंड मुद्दे को एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है, जहां समाधान की दिशा में एक ओर उम्मीद जगी है, तो दूसरी ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव की लकीर और गहरी होती दिख रही है.

ब्रह्मोस सिर्फ भारत नहीं, मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार : सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसियां ।लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का एक नया अध्याय लिखा गया, जब ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में उत्पादित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया. 'भारत माता की जय' की जयघोष के बीच जब मिसाइलों का पहला बैच रवाना हुआ तो समारोह गर्व, गौरव और देशभक्ति से गूंज उठा. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है. उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुई है, जो देश की खुशहाली का माध्यम बनी है. जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चैन की नींद सोता है. लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है. उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस के माध्यम से भारत अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो गया है. इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. मुख्यमंत्री योगी ने 2018 के पहले इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में ही प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश को मिला. उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के 6 नोड्स में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं. लखनऊ में ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अमेठी में एके-203 जैसे प्रोजेक्ट चल रहे हैं. अब तक 2,500 एकड़ से अधिक लैंड इन 6 नोड्स में उपलब्ध कराई गई है, जिससे 15,000 से अधिक नौजवानों को नौकरियां मिली हैं. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केंद्र में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग डिग्रीधारक युवा काम कर रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और रोजगार दोनों की पूर्ति कर रहे हैं. यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर दो 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित कर रही है, जिससे डिफेंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि यह लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास के चारों आयामों को एक साथ साध रही है. यही उत्तर प्रदेश के बदलते चेहरे और आत्मनिर्भर भारत की पहचान है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डीजी ब्रह्मोस ने 40 करोड़ का जीएसटी चेक सौंपा है. हर वर्ष 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनेंगी, जो बढ़कर 150 तक पहुंचेंगी, तो 150-200 करोड़ जीएसटी मिलेगा. यह 'आम के आम और गुठली के दाम' जैसा है. लखनऊ की लैंड अब सोना उगल रही है. यह देश की सुरक्षा की पूर्ति कर रही है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है. उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर डीआरडीओ को और लैंड उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया.

योगी ने झांसी में 56,000 एकड़ के नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का जिक्र किया और कहा कि चित्रकूट में एक्सप्रेस-वे पर नोड विकसित हो रहा है. उन्होंने मेक इन इंडिया को मेक फॉर द वर्ल्ड बनाने का संकल्प दोहराया. उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुआ है. यह देश की खुशहाली का माध्यम बना है. कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने बूस्टर भवन का उद्घाटन भी किया, जो ब्रह्मोस प्रोजेक्ट की क्षमता विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. साथ ही दोनों ने बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन भी देखा. इसी क्रम में एयरफ्रेम और एवियोनिक्स, वारहेड भवन में पीडीआई (प्री डिस्पैच इंस्पेक्शन) तथा ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया. इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिसर में ही रुद्राक्ष के पौधे का रोपण भी किया. इस दौरान स्टोरेज ट्रॉली प्रदर्शन और मोबाइल ऑटोनमस लॉन्चर का प्रदर्शन हुआ. कार्यक्रम के दौरान डीजी (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद बृजलाल, डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक राजेश्वर सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि व रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अधिकारीगण मौजूद रहे.

भारत निर्मित पेट्रोलियम पाइपलाइन से नेपाल को हर साल 600 करोड़ रुपये की बचत हो रही है

काठमांडू। भारत द्वारा नेपाल में बनाए गए पेट्रोलियम पाइपलाइन से नेपाल को हर वर्ष करीब 600 करोड़ रुपये की बचत हो रही है. यह बचत पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में होने वाले खर्च से हो रही है. नेपाल आयल निगम (एनओसी) के अधिकारियों ने पत्रकारों से कहा कि नेपाल-भारत सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन ने छह साल का संचालन पूरा कर लिया है, जिससे देश को इसकी ईंधन जरूरतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मिल गया है. इन छह सालों में नेपाल को प्रति वर्ष 600 करोड़ की बचत हो रही है.अमलेखगंज में एनओसी के क्षेत्रीय कार्यालय के अनुसार, अपने उद्घाटन के बाद से भारत के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक 69.2 किलोमीटर की पाइपलाइन के जरिए कुल 634.92 मिलियन लीटर पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन किया है.क्षेत्रीय प्रमुख प्रलयंकर आचार्य ने कहा कि इनमें से 614.35 मिलियन लीटर डीजल, 20.15 मिलियन लीटर पेट्रोल और 0.41 मिलियन लीटर केरोसिन था.

पाकिस्तान में तीन स्थानों पर 20 आतंकी ढेर, सैन्य प्रमुख असीम मुनीर ने अफगानिस्तान को चेताया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तीन स्थानों पर 20 आतंकवादियों को मारने का दावा किया है. सेना ने कहा कि इस दौरान एक आत्मघाती हमला विफल कर दिया गया और दो स्थानों पर खुफिया आधारित अभियान में यह सफलता मिली. सैन्य प्रमुख असीम मुनीर ने आज अफगानिस्तान को चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि तालिबान शासन अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के अंदर हमले करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ फौरन कार्रवाई करे.द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान में एक आत्मघाती हमले की कोशिश को नाकाम कर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के छह आतंकवादियों को मार गिराया.

काठमांडू में फिर निषेधाज्ञा लागू, दो माह तक सभा-जुलूस, धरना और प्रदर्शन पर अब लगी रोक

काठमांडू। जिला प्रशासन ने एक बार फिर काठमांडू के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया है. शनिवार से दो महीने तक के लिए राजधानी के विभिन्न स्थानों पर किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है.काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी ईश्वर राज पौडेल की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 18 अक्टूबर से 18 दिसंबर तक काठमांडू के पांच संवेदनशील स्थानों के आसपास निषेधाज्ञा जारी किया गया है. इस सूचना के मुताबिक निषेधाज्ञा वाले स्थानों पर किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या किसी भी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा सभा, सम्मेलन, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, नारेबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

अफगानिस्तान पर हवाई हमलों पर पूर्व सांसद मरियम सोलायमानखिल ने की पाकिस्तान की आलोचना, कहा

तुमने आतंकवादियों को पाला और उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल किया

पाकिस्तान की सेना द्वारा शुक्रवार देर शाम अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में सीमाई इलाकों पर किए गए हवाई हमलों ने हालिया शांति प्रयासों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है. इन हमलों में, जिन्हें स्थानीय तथा प्रवासी अफगानों ने कड़ी निंदा की है, कई अफगान नागरिकों के मारे जाने की खबरें आई हैं. हमले उन रिपोर्टों के अनुरूप हुए जो कहती हैं कि इसे कुछ ही घंटे पहले दोनों पक्षों द्वारा वार्ता में युद्धविराम बढ़ाने पर जताई गई सहमति के बाद अंजाम दिया गया. इस कारण कई अफगानी समुदायों ने इसे विश्वासघात बताया है. हमलों की कड़ी आलोचना करते हुए अमेरिका में रहने वाली पूर्व

अफगान सांसद मरियम सोलायमानखिल ने इन्हें "कायरतापूर्ण" करार देते हुए पाकिस्तान और उसके खुफिया एजेंसी आईएसआई पर गंभीर आरोप लगाए. एक इंटरव्यू में मरियम ने कहा, "हमें जरा भी हैरानी नहीं है. यह वही हिंसा का तरीका है जो आईएसआई और पाकिस्तानी सेना दशकों से भारत से लेकर अफगानिस्तान तक फैला रही है." उन्होंने कहा कि बमबारी में युवा क्रिकेटरों, बच्चों और माताओं की मौत देखना दिल दहला देने वाला है. मरियम ने इस बढ़ती आक्रामकता को तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की हालिया भारत यात्रा से जोड़ा और कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान के भारत के निकट आने से असुरक्षा का भय सता रहा है. उन्होंने आरोप लगाया, "जब भी अफगानिस्तान अपने ऐतिहासिक साझेदार भारत के करीब आता है, तो इससे पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान घबरा जाता है. उनकी अर्थव्यवस्था युद्ध और तबाही पर फलती-फूलती है." पूर्व सांसद ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और खुफिया संस्थाओं पर तीखे शब्दों में निशाना साधाः "जो बोओगे, वही काटोगे. दशकों से तुमने आतंकवादियों को पाला है और उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल किया है. हैरान मत होना जब तुम्हारी लगाई आग तुम्हारे ही घर को जलाएगी." मरियम ने हमलों को पाकिस्तान की ओर से किए गए "धोखे" और मासूम अफगानों के प्रति अनुचित व गैरकानूनी कार्रवाई बताया. इन घटनाओं के बाद अफगान प्रवासी समुदायों और मानवाधिकार समर्थकों ने भी हमलों की निंदा की है और तत्काल निष्पक्ष जाँच तथा सीज़फायर के पालन की मांग उठाई है. सीमा पर हुई इस हिंसा ने मानवीय संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाओं को फिर उभारा है, जबकि दोनों देशों के बीच शांति एवं स्थिरता के प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है. अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और आधिकारिक बयानों की प्रतीक्षा जारी है; फिलहाल अफगान नागरिकों की हताहत संख्या और हमले के विस्तृत निशानों की स्वतन्त्र पुष्टि विभिन्न स्रोतों से होना बाकी है. इस बीच अफगानी वक्ताओं और राजनैतिक हस्तियों की ओर से कहा जा रहा है कि किसी भी तरह के सैन्य अभियान का सबसे अधिक खामियाजा गैरलड़ाकू नागरिकों को ही भुगतना पड़ता है — जिससे मानवीय मदद और सुरक्षा के तत्काल उपायों की जरूरत बढ़ जाती है.

दो दशक बाद छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में लोग आतिशबाजी के साथ मना सकेंगे दीपावली

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में अब दो दशक बाद आतिशबाजी के साथ दीपावली मनाई जाएगी. यहां अबूझमाड़ इलाके में नक्सलियों ने अभी तक आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा रखा था. यहां पटाखों का इस्तेमाल नक्सली एक-दूसरे को सूचना पहुंचाने के लिए करते आए थे. शुक्रवार को जगदलपुर में माड़ डिविजन के सभी नक्सलियों के आत्मसमर्पण कर देने के बाद ग्राम गोड़सा, निराम, पालेवाया, कौशलनार, पीडियाकोट, पहुरनार, मंगनार जैसे गांवों में पटाखों पर लगा प्रतिबंध अब बेमायने हो गया है. इलाके से नक्सलवाद का पूरी तरह खात्मा होने के बाद ग्रामीण 2 दशक में पहली बार पटाखे फोड़कर दीपावली मनाने की तैयारी कर रहे हैं. नक्सलियों के पीछे हटने पर ग्रामीणों का कहना था कि अब उनके गांवों में बिजली-सड़क और अन्य सुविधाएं पहुंच सकेंगी. नक्सलियों को पहले हर बात पर चंदा देना पड़ता था, वह भी अब बंद हो जाएगा. 20-20 किमी दूर से पीडीएस का राशन लाना पड़ता था, उसमें भी नक्सलियों को हिस्सा देना पड़ता था. तेंदूपत्ता और मनरेगा मजदूरी तक में उनकी हिस्सेदारी तय थी. बाइक-ट्रैक्टर का सालाना शुल्क तक वसूला जाता था. ये सब अब बंद हो जाएगा. गौरतलब है कि सलवा जुडुम के दौरान अबूझमाड़ से लगभग 200 परिवारों को कसोली राहत शिविरों में विस्थापित किया गया था. विगत 2 दशकों से यहां रह रहे परिवार नक्सलवाद के खात्मे की बाट जोह रहे थे. अब इस बड़े आत्मसमर्पण के बाद राहत शिविरों में रह रहे लोगों को अपनी मिट्टी में वापस लौटने की खुशी है. पिछले साल भी सुकमा जिले के जगरगुंडा के राहत शिविरों में तार बाड़ी के घेरे में रह रहे परिवार वापस अपने गांव लौटे थे. ऐसे में कसोली राहत शिविर में रह रहे लोगों में भी वापसी की उम्मीद बढ़ गई है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.